रांची

हिन्दी दैनिक

वनांचल आई

www.vananchaleye@gmail.com

हर खबर पर पहली नजर

₹5

PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 | वर्ष:01 | अंक:96 | शुक्रवार, 12 दिसंबर

Email:vananchaleye@gmail.com

ब्रीफ न्यूज

छात्रवृत्ति के मुद्दे पर राजनीति कर रहीभाजपा : कमलेश

संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भाजपा ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति के मुद्दे पर लोगों को गुमराह कर रही है। उन्होंने गुरुवार को कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार स्वयं राज्य को छात्रवृत्ति की अदायगी के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध नहीं करा रही है, फिर भी भाजपा नेता इस विषय पर संवेदना बटोरने की राजनीति कर रहे हैं। कमलेश ने बताया कि राज्य सरकार ने 2023-24 में केंद्र से 271 करोड़ रुपये की मांग की थी इसी तरह 2024-25 में 253 करोड़ रुपये की मांग के विरुद्ध 33 करोड़ रुपये दिए गए। वर्ष 2025-26 में 370 करोड़ रुपये की मांग पर केंद्र ने मात्र 13 करोड़ रुपये जारी किए। उन्होंने कहा कि यह आंकड़े साबित करते हैं कि भाजपा का प्रचार भ्रामक है और इसका जवाब भाजपा नेताओं को देना चाहिए। उन्होंने बताया कि कांग्रेस और महागठबंधन सरकार छात्रवृत्ति को लेकर बेहद गंभीर है और छात्रों को उनका अधिकारदिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

कोयला खदान से उड़ती धूलकण पर पानी छिड़काएगी सरकार : योगेंद्र

रांची : सदन में प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने कहा कि अब सभी कोयला खादान या आसपास की सड़कों पर वाहनों के चलने के कारण निकलती और उड़ती धूलकण को देखते हुए क्षेत्र की सड़कों में सुबह-शाम टैंकर से पानी का छिड़काव होगा। इसके साथ ही कोयला ढुलाई करने वाले वाहनों को हर हाल में त्रिपाल ढकने के निर्देश दिया जाएगा। ताकि लोगों को उड़ते धूलकण से श्वांस से संबंधित बीमारियों से जूझना नहीं पड़े। मंत्री विधानसभा के शीताकलीन सत्र के दौरान गुरुवार को दूसरी पाली में झामुमो के विधायक हेमलाल मुर्मू की ओर से लाए गए गैर संकल्प के तहत पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। हेमलाल मुर्मू ने कहा कि पाकुड़ जिला के अमडापाड़ा प्रखंड में कोयला खादान का धूल पूरे क्षेत्रवासियों को प्रभावित करता है। स्थानीय लोग टीबी (यक्ष्मा), हृदय रोग, अस्थमा सहित अन्य श्वांस से संबंधितबीमारियों से जूझ रहे हैं।

बांग्लादेश में 12 फरवरी को चुनाव, तख्तापलट के डेढ़ साल बाद वोटिंग

बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिरउद्दीन ने गुरुवार शाम इसका एलान किया। यह चुनाव पूर्व पीएम शेख हसीना के तख्तापलट के डेढ़ साल बाद हो रहा है। 5 अगस्त 2024 को हुए तख्तापलट के बाद हसीना देश छोड़कर भारत आ गई थीं।

अरुणाचल प्रदेश में भयंकर सड़क हादसा, गहरी खाई में गिरा ट्रक

घटना में 21 मजदूरों की मौत,घायल व्यक्ति के जरिये दो दिन बाद पुलिस को मिली घटना की सूचना

एजेंसी

इटानगर : अरुणाचल प्रदेश के अंजॉओ जिले के मेतेंगलियांग गांव के पास सड़क से फिसलकर एक ट्रक लगभग 800 मीटर गहरी खाई में पलट गया, जिसके चलते से 21 मजदूरों की मौत हो गई। इस हादसे में घायल एक व्यक्ति के जरिये दो दिन बाद पुलिस को घटना की सूचना मिली, तब रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। घटनास्थल से 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी चार शवों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अनुराग द्विवेदी के अनुसार यह दुर्घटना 8 दिसंबर की रात करीब 9 बजे हुई, जब असम के तिनसुकिया जिले से चागलागाम अपने

कार्यस्थल की ओर जा रहे मजदूरों का एक ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पूरे दो दिन बाद 10 दिसंबर को जब मजदूर अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचे, तो मजदूरों के सहयोगियों ने हयूलियांग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस पर हयूलियांग पुलिस ने लापता मजदूरों का पता लगाने के लिए स्थानीय सूत्रों से संपर्क किया ।खोज के दौरान सीमा सड़क कार्य बल (बीआरटीएफ) शिविर से सूचना मिली कि एक घायल व्यक्ति शिविर में पहुंचा है और उसने बताया है कि जिस ट्रक में वह 21 अन्य लोगों के साथ यात्रा कर रहा था, वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घायल व्यक्ति को बीआरटीएफ शिविर में प्राथमिक उपचार दिया गया और अब उसकी हालत ठीक है। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश के चगलागाम इलाके में बड़ा सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया है। यह ऑपरेशन 10 दिसंबर को देर रात मिली जानकारी के आधार पर शुरू किया गया था। यह दुर्घटना हायुलियांग- चगलागाम रोड पर 40वें किमी. के पास हुई है, जो चगलागाम से लगभग 12 किमी. दूर मुश्किल इलाके में है और कनेक्टिविटी भी कम है। कठिन इलाके और खराब विज़िबिलिटी के बावजूदभारतीय सेना, सिविल प्रशासन और अन्य एजेंसियों के साथमिलकर बाकी लोगों का पता लगाने और तुरंत मदद देने की पूरी कोशिश कर रही है।सेना, बीआरओ, स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन की बचाव टीमों ने दुर्घटनास्थल पर खोज और बचाव कार्य आरंभ किया है। अंतिम सूचना मिलने तक 17 शव बरामद किए जा चुके हैं और बाकी शवों को निकालने का प्रयास जारी है। मृतकों में बुधेश्वर दीप, राहुल कुमार, समी दीप, जॉन कुमार, पंकज मानकी, अजय मानकी, विजय कुमार,

सीएम हेमंत सोरेन ने शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष के पास न मुद्दा है, न तर्क है और न ही सवाल

संवाददाता

रांची : सीएम हेमंत सोरेन ने शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विपक्ष को निशाने पर रखा। कहा कि विपक्ष का काम सरकार के कामों का आइना दिखाना है लेकिन ये सदन से गायब हैं। सरकार के अभी एक साल पूरे नहीं हुए हैं। लेकिन एक साल में लंबी गाढ़ी लकीर खींच दी है। राज्य के सर्वांगीण विकास की राह में तेजी से चलना शुरू कर दिया है। ये शीतकालीन सत्र ही नहीं बल्कि न भूलने वाला विधानसभा का 25वां वर्ष भी है। युवा राज्य ऊर्जा से लवरेज है। आगे बढ़ने को तत्पर है। सत्र शुरू होने से लेकर समाप्ति तक विपक्ष के गायब रहने के पीछे कई कारण हैं। उनके

पास न मुद्दा है, न सवाल है न तर्क है और न संवेदना है। विपक्ष ने सवालों से घेरने का प्रयास भी नहीं किया।

केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार

सीएम ने कहा कि विपक्ष ने पहले छात्रवृत्ति का मुद्दा उठाया। लेकिन इसमें भी केंद्र सरकार का सौतेला व्यवहार परिलक्षित हो रहा है। विपक्ष को सवाल उठाने से पहले अपने गिरेबां में झांकना चाहिए। अपने आला-नेताओं से विचार-विमर्श करना चाहिए। कई एक बजट में भी कटौती की। कई स्कूलों को बंद करा दिया। केंद्र सरकार ने दलित आदिवासी पिछड़ों के साथ अनुसूचित जाति को उच्च शिक्षा में मिलने वाली छात्रवृत्ति में 90 फीसदी, विदेश छात्रवृत्ति में 95 फीसदी, अल्पसंख्यक प्री मैट्रिक में 40 फीसदी, पोस्ट मैट्रिक में 63 फीसदी, मेधा आधारित छात्रवृत्ति टेक्नीकल और व्यवसायिक में 75 फीसदी और तकनीकी शिक्षण संस्थान के अनुदान में 61 फीसदी की कटौती कर दी। ऐसी स्थिति में विपक्ष की मांग उचित नहीं है।सीएम ने कहा कि हमलोग छात्रवृत्ति बढ़ाने वाले लोग हैं। गुरुजी क्रेडिट कार्ड में 15 लाख रुपए का ऋण सिर्फ चार फीसदी व्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है।

केंद्र सरकार नेछात्रवृत्तियों में की कटौती

केंद्र सरकार ने दलित आदिवासी पिछड़ों के साथ अनुसूचित जाति को उच्च शिक्षा में मिलने वाली छात्रवृत्ति में 90 फीसदी, विदेश छात्रवृत्ति में 95 फीसदी, अल्पसंख्यक प्री मैट्रिक में 40 फीसदी, पोस्ट मैट्रिक में 63 फीसदी, मेधा आधारित छात्रवृत्ति टेक्नीकल और व्यवसायिक में 75 फीसदी और तकनीकी शिक्षण संस्थान के अनुदान में 61 फीसदी की कटौती कर दी। ऐसी स्थिति में विपक्ष की मांग उचित नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुजी क्रेडिट कार्ड में 15 लाख रुपए का ऋण सिर्फ चार फीसदी व्याज पर उपलब्ध कराया जा रहा है ।मुख्यमंत्री ने कहा कि 7721 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश हुआ है। विपक्ष की ओर से इसमें बढ़ोत्तरी का सुझाव होना चाहिए था।

असंगत शब्दों का प्रयोग संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं : स्पीकर

संवाददाता

रांची : शीतकालीन सत्र के समापन भाषण में विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने गुरुवार को कहा कि इस सत्र के दौरान कई बार तीखी राजनीतिक बहसों के बीच कुछ कठोर या असंगत शब्दों का प्रयोग हुआ, जो हमारी संसदीय मर्यादा के अनुकूल नहीं कहा जा सकता है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन विचारों की कठोरता, भाषा की कठोरता में परिवर्तित न हो यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि इस सत्र की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि द्वितीय अनुपूरक बजट का पारित होना रही। इस अनुपूरक बजट में महिला एवं बाल विकास विभाग को पर्याप्त प्राथमिकता देते हुए आवंटन किया गया है। यह निर्णय राज्य सरकार की सामाजिक-न्याय, पोषण, महिलासशक्तिकर ण और बाल अधिकारों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दशार्ता है। यह स्वागतयोग्य कदम झारखंड के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करेगा और हमारी अगली पीढ़ी के स्वास्थ्य और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस सत्र में हुई चर्चाएं, प्रश्नोत्तर, ध्यानाकर्षण सूचनाएं, संकल्प और विभिन्न विधायी प्रक्रियाएं झारखंड केविकास, को गति देने में निश्चित रूप से सहायक होंगी।

झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक हेमलाल मुर्मू ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन गुरुवार को संथाल परगना प्रमंडल में पिछले 50 वर्षों से हो रहे सर्वे सेटलमेंट के अधूरे काम का मुददा उठाया। उन्होंने ध्यानाकर्षण सूचना के तहत कहा कि संथाल में 1973 से सर्वे सेटलमेंट का काम हो रहा है, लेकिन यह अब तक पूरा नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के 12273 गांवों का सर्वे होना है। इसमें से केवल 687 गांवों का ही सर्वे हुआ है।

नींबू पहाड़ अवैध खनन मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को लगायी फटकार

खनन छोड़ मोबाइल जांच में उलझी हुई है पुलिस

एजेंसी

नई दिल्ली/रांची : साहिबगंज के नींबू पहाड़ में अदालत के आदेश पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी। लेकिन पुलिस के अधिकारी अवैध खनन की जांच नहीं कर रहे थे, बल्कि याचिकादाता के मोबाइल फोन की जांच करते रहे। नींबू पहाड़ में अवैध खनन के मामले में सीबीआई जांच को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट में यह बात सामने आयी ।न्यायाधीश संजय कुमार और न्यायाधीश आलोक अराधे ने अपने फैसले में यह भी कहा है कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा एसएलपी दायर करना समझ से परे है। दस्तावेज से पता चलता है कि हाईकोर्ट द्वारा रिट याचिका 1229/23

से पहले 665/2022 में आदेश पारित किया जा चुका है। हाईकोर्ट के इस आदेश से पता चलता है कि विजय हांसदा को मूल याचिका वापस लेने के लिए दवाब डाला जा रहा था। लेकिन हाईकोर्ट ने ऐसा करने की अनुमति नहीं दी। हाईकोर्ट के आदेश से यह भी पता चलता है कि विजय हांसदा ने अपनी शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए न्यायालय के सहारा लिया था। न्यायिक दंडाधिकारी ने सात जुलाई 2022 को अवैध खनन के आरोपों के मद्देनजर प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। लेकिन न्यायालय के इस आदेश के बावजूद पुलिस ने 1-12-2022 को प्राथमिकी दर्ज की। हाईकोर्ट में हांसदा की याचिका पर सुनवाई के दौरान पाया गया कि पुलिस ने अवैध खनन की जांच नहीं की। वह सिर्फ याचिकादाता के मोबाइन फोन की जांच करती रही। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है कि हाईकोर्ट ने पाया कि जब इस तरह के मामले कोर्ट के सामने आते हैं तो आम लोग निष्पक्ष जांच की उम्मीद करते हैं। इसलिए हाईकोर्ट ने सीबीआई को याचिकादाता द्वारा याचिका वापस लेने के मामले में उसकी (विजय हांसदा) की भूमिका के अलावा अभियुक्तों की भूमिका की प्रारंभिक जांच का आदेश दिया। प्रारंभिक जांच में मिले तथ्यों का आधार पर सीबीआई ने नियमित प्राथमिकी दर्ज की।

इंडिगो ने यात्रियों के लिए की मुआवजे की घोषणा

,एजेंसी

नयी दिल्ली : निजी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 03, 04 और 05 दिसंबर को लंबे समय तक हवाई अड्डों पर फंसे रहे यात्रियों के लिए मुआवजा और ट्रैवल वाउचर की घोषणा की है। एयरलाइंस ने गुरुवार को जारी बयान में इस घटना पर खेद व्यक्त किया है। उसने कहा है कि सरकार के दिशा-निदेर्शों के मुताबिक इन यात्रियों को पांच हजार रुपये से 10 हजार रुपये तक मुआवजा दिया जायेगा। मुआवजे की राशि इस बात पर निर्भर करेगी कि वे कितनी देर तक हवाई अड्डे पर फंसे रहे। इसके अलावा इन यात्रियों को 10- 10 हजार

रुपये का ट्रैवल वाउचर भी दिया जायेगा। इसका इस्तेमाल अगले 12 महीने तक टिकट बुक कराने के लिए किया जा सकेगा। बयान में कहा गया है कि इंडिगो संकट के दौरान रद्द रही सभी उड़ानों के यात्रियों के लिए रिफंड जारी कर दिया गया है और ज्यादातर मामलों में रिफंड की राशि पीड़ित यात्रियों के खाते में आ चुकी है। तीसरे पक्ष के प्लेटफॉर्म से बुक कराये गये रिफंड के बारे में भी एयरलाइंस ने दावा किया है कि रिफंड जारी।

विधानसभा: विधानसभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन भ्रष्टाचार पर हंगामासीएम हेमंत सोरेन

'कमीशन' पर सदन में सियासी बवाल

संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों के बीच जमकर टकराव हुआ। सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल के साथ शुरू हुई, जहां कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवाल उठाए गए और गरमागरम बहस देखने को मिली। प्रश्नकाल शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने रामगढ़ की विधायक ममता देवी और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बीच कथित नोक-झोंक और 'कमीशन' के मामले को जोर-शोर से उठाया। मरांडी ने आरोप लगाया कि ममता देवी ने यह बात सार्वजनिक रूप से कही कि कमीशन देने के बावजूद काम नहीं हो रहा है। उन्होंने इससे संबंधित एक ऑडियो सीडी सदन के सामने रखी और इसकी फोरेंसिक जाँचकराने की मांग की ताकि

सच्चाई सामने आ सके। इस आरोप पर, संसदीय कार्य मंत्री और कांग्रेस विधायक राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी का आंतरिक मामला है और पार्टी के वरिष्ठ नेता इस पूरे मामले की जांच कर रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने बच्चों को समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिलने का मुद्दा भी उठाया, जिसके कारण छात्रों को हो रही परेशानियों को उजागर किया। उन्होंने राज्य सरकार से इस मामले की तुरंत जांच कराने की मांग की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने धान खरीद में लगातार हो रही गड़बड़ियों को लेकर सरकार पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। कांग्रेस विधायक सुरेश बैठा ने आरोप लगाया कि बिजली के स्मार्ट मीटर से गरीबों को अनियमित और अत्यधिक बिल आ रहे हैं। इस पर प्रभारी मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने आश्वासन दिया कि अगर कहीं भी गड़बड़ी है तो जानकारी देने पर कार्रवाई की जाएगी। रांची विधायक सीपी सिंह ने राज्य के 25,000 पीडीएस दुकानदारों को लंबे समय से कमीशन का भुगतान न होने का मामला उठाया। इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि यह मामला केंद्र सरकार से जुड़ा है और पोर्टल को समझने में देरी के कारण भुगतान रुका है, लेकिन जल्द ही कमीशन दे दिया जाएगा ।सदन में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने बकाया 1.36 लाख करोड़ रुपये के भुगतान के लिए अधिकारियों की कमेटी बनाकर बात आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया था। लेकिन इस दिशा में केंद्र की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सत्र के दौरान वित्त मंत्री ने लघु खनिजों के प्रबंधन और भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा परीक्षा तथा विनियोग लेखा से संबंधित प्रतिवेदन भीसदन के पटल पर रखा।

रेल मंत्री से मिले रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ

एजेंसी

नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की इस मुलाकात के क्रम में सेठ ने रांची को दी जा रही रेल परियोजनाओं के लिए उनके प्रति आभार जताया और रांची में रेल यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर आग्रह पत्र भी सौंपा। अपने पत्र में सेठ ने कहा कि झारखंड की राजधानी होने के कारण रांची से प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्री आवागमन करते हैं। कई शहरों से सीधे कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण उन्हें बड़ी समस्या होती है। इसके समाधान हेतु विभिन्न ट्रेनों के परिचालन और फेरे बढ़ाने जैसे विषयों की तरफ सकारात्मक पहल आवश्यक है। उन्होंने मंत्री से आग्रह किया कि रांची से आनंद विहार को जाने वाली हटिया आनंद विहार सुपरफास्ट

एक्सप्रेस (ट्रेन नं.- 12825/12826) का विस्तार जयपुर तक किया जाए। इससे झारखंड और राजस्थान की कनेक्टिविटी सुगम हो जाएगा। रांची से अहमदाबाद के लिए नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का परिचालन शुरू किया जाए। इससे देश के कई राज्यों की कनेक्टिविटी हो सकेगी। इस ट्रेन के परिचालन से आम जनता का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। रांची से लोहरदगा के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलती है।

रांची पुलिस को सफलता: ब्राउन शुगर रैकेट का भंडाफोड़, 5.82 लाख नकद समेत 4 गिरफ्तार

रांची, संवाददाता ।

रांची पुलिस ने नशीले पदार्थों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर के एक अंतरराज्यीय रैकेट का भंडाफोड़ किया है. एसएसपी राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कोतवाली डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए सुखदेवनगर थाना सेंट्रल बैंक गली स्थित अखिल मेमोरियल मार्ग से चार लोगों को गिरफ्तार किया है. जिनमें अनिकेत और शीनू, अमित कुमार सोनी, सोनू कुमार और अनिशा कुमारी इनके पास से 5.82 लाख रुपया 33.18 ग्राम ब्राउन शुगर (बाजार मूल्य 6.60 लाख), एक महिंद्रा स्कॉर्पियो और एक स्कूटी बरामद की गई है.

आधी रात को दो ठिकानों पर विशेष छापा

एसएसपी को 10 दिसंबर की रात गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री हो रही है. इस महत्वपूर्ण सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, कोतवाली डीएसपी नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम ने सबसे पहले सुखदेवनगर स्थित कुम्हार टोली, चूना भट्ठा के पास अमित सोनी के घर पर विधिवत छापा मारा. तलाशी के दौरान, अमित सोनी के घर के दूसरे तल पर कपड़ों के बीच छिपाकर रखी गई 20.58 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई. पूछताछ में अमित सोनी ने बताया कि वह सासाराम के शाहिद नामक व्यक्ति से ब्राउन शुगर लाकर रांची में ऊंचे दाम पर बेचता है. वह वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका. दूसरी कार्रवाई रातू रोड में अमित सोनी से मिली जानकारी के आधार पर, टीम ने देर रात करीब 02:30 बजे अखिल मेमोरियल गली, रातू रोड स्थित अनिकेत कुमार उर्फ शीनू के घर पर छापा मारा. छापेमारी के दौरान घर में अनिकेत कुमार उर्फ शीनू और उसका भाई सोनू कुमार मिले. दोनों की तलाशी लेने पर अनिकेत के पैंट की पॉकेट से प्लास्टिक में लिपटी 10.20 ग्राम और सोनू कुमार के पैंट से 2.40 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई. घर की तलाशी के दौरान अनिकेत की पत्नी अनीशा कुमारी उर्फ अन्नु एक कमरे में सोती हुई मिलीं.

केंद्र के मंत्री झारखंड को नहीं देते तरजीह, बाबूलाल मरांडी के सुझाव पर मंत्री दीपिका ने दिया जवाब !

रांची, संवाददाता ।

झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने केंद्र सरकार द्वारा अलग अलग मद में राशि निर्गत नहीं करने के सत्ता पक्ष के आरोपों पर सवाल खड़े किए हैं. साथ ही सुझाव भी दिए. उन्होंने 15वें वित्त आयोग की बकाया राशि का मामला उठाया. इसपर ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने दो टूक कहा कि केंद्र सरकार के मंत्री झारखंड को सहयोग नहीं करते हैं. सारी शर्तें पूरी करने के बाद भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के 1,385 करोड़ राशि केंद्र सरकार नहीं दे रही है. दरअसल, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पिछले दो बार से 15वें वित्त का पैसा नहीं मिलने का मामला उठाया. उन्होंने कहा कि मोटा-मोटी 2600 करोड़ रु केंद्र से इस मद में नहीं मिला है. अब सवाल है कि क्यों नहीं मिला है. इस संदर्भ में केंद्र सरकार ने राज्य सरकार को कई बार पत्र लिखा है. ग्रामीण विकास मंत्री को अपने अफसरों को लेकर भारत सरकार के मंत्रालय में ले जाना चाहिए. उससे पहले भारत सरकार की अहताओं का पालन करना जरुरी है.

सदन को ना बरगलाएं नेता प्रतिपक्ष- मंत्री दीपिका पांडेय सिंह

इसपर ग्रामीण विकास विभाग की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं. दरअसल, राज्य सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं है. पंचायती राज मंत्रालय की सारी शर्तें पूरी की जा चुकी है. दूरभाष पर तो फंड जारी करने का भरोसा तक मिल चुका था. फिर भी आजतक राशि नहीं मिली है. उन्होंने कहा कि पंचायती राज मंत्रालय की ओर से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 15वें वित्त आयोग की राशि करीब 2,700 करोड़ प्राप्त करने के लिए कुछ शर्तें रखी थी. जिसके तहत 2023-24 की हस्तांतरित राशि का जीटीसी (ग्रांट ट्रांसफर सर्टिफिकेट) पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार को भेजना था. यह 2024-25 के लिए था. इसके अलावा 2024-25 का अनुदान प्राप्त करने के लिए स्टेट फाइनांस कमीशन का गठन किया जाना था. इस मद की राशि पंचायतों को हस्तांतरित करते हुए जीटीसी उपलब्ध कराना था. इन चारों शर्तों को 20-05-2025 को पूरा कर लिया गया था. उन्होंने कहा कि शर्तें पूरी करने के बाद भी मंत्रालय ने नई शर्तें लगा दी गई. 14वें वित्त आयोग मद की शेष राशि को 15वें वित्त आयोग मद की प्राप्त होने वाली राशि से 10 प्रतिशत से कम होने की शर्त रखी गई. जिसका कोई औचित्य नहीं था. क्योंकि यह राशि पंचायतों के खाते में थी. झारखंड सरकार ने अनुरोध कर ई-ग्राम स्वराज पोर्टल को खुलवाया और पुराने लायबिलिटी का विकल्प खुलवाते हुए राशि को 10 प्रतिशत से नीचे लाने का भी काम पूरा किया. उसके बाद पंचायती राज मंत्रालय से 15वें वित्त की राशि की दोबारा मांग की गई. इसको लेकर पंचायती राज मंत्रालय ने 24.11.2025 को पत्र के जरिए सूचित किया कि झारखंड सरकार द्वारा दी गई सूद की राशि ई-ग्राम स्वराज पोर्टल के रिवर्स रिसिट इंफॉर्मेशन रिपोर्ट में दिखाई नहीं दे रहा है. जबकि इसके लिए पोर्टल में कोई ऑप्शन ही नहीं था. खास बात है कि इसके बाद राज्य सरकार ने 222 पन्नों का पंचायतों को हस्तांतरित राशि का पूरा ब्योरा मंत्रालय को उपलब्ध कराया. तब दूरभाष पर बताया गया कि आपने सारी शर्तें पूरी कर ली है और बहुत जल्द 15वें वित्त की राशि राज्य को उपलब्ध करा दी जाएगी. लेकिन अबतक राशि नहीं मिली है और ना राशि मिलने की कोई सूचना है.

25 मई 1927 को कोलकाता धर्म प्रांत से अलग होकर बना रांची आर्चबिशप हाउस

1953 में बिशप हाउस को दिया गया धर्मप्रांत का दर्जा

रांची, संवाददाता ।

पुरूलिया रोड स्थित बिशप हाऊस अब इतिहास के पन्ने में दर्ज हो गया. क्योंकि यह कोलकाता धर्म प्रांत से 25 मई 1927 को विभाजित होकर रांची बिशप हाऊस बनाए गए हैं. 1953 में बिशप हाउस को रांची धर्मप्रांत का दर्जा दिया गया. इससे पहले संत अलबर्ट कॉलेज में आर्चबिशप का कमरा हुआ करता था. उस दौरान प्रथम आर्चबिशप लुईस वानहॉक थे. ऑष्कर सेबेरियन दूसरे आर्चबिशप थे. इसके बाद निकोलस कुजूर,पायस केरकेट्टा, तिलेस्फोर टोप्पो,फेलेक्स टोप्पो आर्चबिशप रह चुके हैं. वर्तमान में आर्चबिशप विसेंट आइंद हैं. आर्चबिशप हाउस में 40 कमरे हैं. इसके साथ ही सेमिनार हॉल, कॉन्फ्रेंस हॉल और एक चर्च है. जहां बिशप हाउस के फादर अपना विनती करते हैं. इस चर्च के पुरोहित आर्चबिशप हैं. दिसंबर से ही ईसाई समुदायों का पर्व शुरू हो जाता है. चर्चों और शैक्षणिक संस्थानों में क्रिसमस संदेश और क्रिसमस गैदरिंग मनाना शुरू हो जाता है. इस बार आर्चबिशप हाऊस में बड़े उत्साह का माहौल होगा. 23 दिसंबर को रोमन कैथोलिक के फादर एसडीसी सभागार में जुबली महोत्सव सह क्रिसमस गैदरिंग एकसाथ मनायेंगे. इसकी तैयारी जोर-शोर से चल रही है. इस उत्सव में करीब सैकड़ों फादर शामिल होंगे. इस अवसर पर कई कार्यक्रम होंगे. जिसमें सबसे पहले प्रार्थना सभा आयोजित होगी. आध्यात्मिक तैयारी का संदेश दिया जाएगा.

ठंड में बस स्टॉप पर ठिठुरते नन्हें छात्र और अभिभावकों का सिस्टम से सवाल

रांची, संवाददाता ।

शहर में कड़ाके की सर्दी ने लोगों की दिनचर्या बदल दी है. सड़कों पर वाहनों की रफ्तार धीमी, बाजार देर से खुल रहे, दफ्तरों में पहुंचने का समय लचीला हो गया है. लेकिन एक वर्ग है, जिसपर मौसम का सबसे कम रहम हुआ है - स्कूल जाने वाले छोटे बच्चे. जब पूरा शहर ठंड की मार से बचने के लिए देर तक घर में दुबका रहता है, उसी समय नन्हें विद्यार्थी बस स्टॉप पर जमा देने वाली हवा में खड़े मिल जाते हैं. सुबह 6 बजे का अंधेरा, बर्फीली हवा और ठिठुरते बच्चे यह दृश्य अब रांची की रोजमर्रा की तस्वीर बन चुकी है. लेकिन जिला प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं. अमूमन रांची में ठंड बढ़ते ही छोटे बच्चों की स्कूल ऑनलाइन चलायी जाने लगती है. जिला प्रशासन भी इसे लेकर आदेश जारी कर देता है. लेकिन इस हाड़ कंपा देने वाली ठंड के बावजूद भी तक कोई आदेश जारी नहीं हुआ है.

अभिभावकों का कहना है कि विडंबना यह है कि ठंड बढ़ने पर सबसे पहले स्कूल समय बदलने की जरूरत होती है, पर इस बार वही कदम सबसे आखिर में सोचा जा रहा है. शहर में कई स्कूल सुबह की शिफ्ट को जस का तस चला रहे हैं, जबकि बच्चे तापमान गिरने का साइलेंट असर झेल रहे हैं. कई पेरेंट्स का कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य पर भी इसका असर दिख रहा है. बच्चे खांसी-जुकाम, बुखार का शिकार हो रहे हैं, लेकिन स्कूल की सख्त उपस्थिति नीति ने अभिभावकों को दोराहे पर खड़ा कर दिया है. विकल्प वही है या तो बीमारी के बावजूद भेजो, या अनुपस्थिति का बोझ उठाओ. अभिभावकों का कहना है कि यह सिर्फ मौसम की चुनौती नहीं बल्कि व्यवस्था की संवेदनहीनता है. ठंड का कैलेंडर हर साल एक जैसा है फिर तैयारी में देरी क्यों? लोगों के बीच यही सवाल गूंज रहा है.

वहीं लगातार संवाददाता ने इसे लेकर कुछ स्कूलों के प्रिंसिपल से बात की तो उन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर कहा कि जब तक जिला प्रशासन की ओर से ऑर्डर नहीं आता तो कोई कदम कैसे उठाया जाए. साथ ही कहा कि छोटे बच्चों की परेशानी उन्हें भी दिखती है. मगर वो भी अब आदेश का ही इंतजार कर रहे हैं. कुछ स्कूल के प्रिंसिपल ने बताया कि टाइम तो बढ़ाया गया है पर स्कूल बसों की टाइम को मैनेज भी करना होता है, जिससे बच्चों को घर से ज्यादा पहले निकलना पड़ता है. स्कूल ऑनलाइन करने के सवाल पर इनका भी जवाब जिला प्रशासन के आदेश का इंतजार करना ही बताया गया.

गुमला में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा तोड़े जाने के खिलाफ रांची में प्रदर्शन

रांची, संवाददाता ।

शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर सामाजिक कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया. इस दौरान लोगों ने कहा कि गुमला स्थित जारी गांव में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा को बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया था, जबकि इसे अनुशासनपूर्वक जमीन पर रखा जाना था. लेकिन गुमला प्रशासन ने प्रतिमा को हटाने के लिए बुलडोजर का उपयोग किया. और प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई. प्रशासन और कारीगरों के खिलाफ कार्रवाई की करेंगे मांग.

राज्यपाल और सीएम से कार्रवाई की करेंगे मांग

पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की और सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाकर तिर्की ने कहा कि बुलडोजर लगाकर प्रतिमा तोड़ने वाले प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी. राज्यपाल और सीएम से भी इसकी शिकायत करने का निर्णय लिया है. रतन तिर्की ने कहा कि जयंती के अवसर पर देश के सैनिकों ने अलबर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने नहीं पहुंचे. उन्हें श्रद्धांजलि तक नहीं दी.

प्रशासन भव्य बना रहा लान्सनायक अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा

अलबर्ट एक्का की प्रतिमा टूटने को लेकर गुमला प्रशासन ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि पहले की अपेक्षा अब आकर्षक और भव्य प्रतिमा बनाई जा रही है. इसके साथ ही इसका सौंदर्यीकरण भी करने का ऐलान किया है.

कांग्रेस का आरोप- छात्रवृत्ति मामले में ओबीसी छात्रों को गुमराह कर रही भाजपा

रांची, संवाददाता ।

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने गुरुवार को कांग्रेस भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि भाजपा ओबीसी छात्रों की छात्रवृत्ति के मुद्दे पर उन्हें गुमराह कर रही है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्वयं राज्य को छात्रवृत्ति की अदायगी के लिए आवश्यक राशि उपलब्ध नहीं करा रही है, फिर भी भाजपा नेता इस विषय पर संवेदना बटोरने की राजनीति कर रहे हैं. कमलेश ने बताया कि राज्य सरकार ने 2023-24 में केंद्र से 271 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसके बदले सिर्फ 77 करोड़ रुपये ही मिले. इसी तरह 2024-25 में 253 करोड़ रुपये की मांग के विरुद्ध 33 करोड़ रुपये दिए गए. वर्ष 2025-26 में 370 करोड़ रुपये की मांग पर केंद्र ने मात्र 13 करोड़ रुपये जारी किए. उन्होंने कहा कि यह आंकड़े साबित करते हैं कि भाजपा का प्रचार भ्रामक है और इसका जवाब भाजपा नेताओं को देना चाहिए.

उन्होंने बताया कि कांग्रेस और महागठबंधन सरकार छात्रवृत्ति को लेकर बेहद गंभीर है और छात्रों को उनका अधिकार दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है. इसी उद्देश्य से एनएसयूआई 10 जनवरी 2026 को लोकभवन का घेराव करेगी और छात्रवृत्ति की राशि अविलंब उपलब्ध कराने की मांग उठाएगी. प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि केंद्र सरकार यह आरोप लगा रही है कि राज्य सरकार उपयोगिता प्रमाणपत्र उपलब्ध नहीं करा रही है, जबकि छात्रवृत्ति मद में ऐसे प्रमाणपत्र की कोई आवश्यकता नहीं होती है. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार गलत तथ्य पेश कर छात्रों, युवाओं और महिलाओं को गुमराह कर रही है. तिर्की ने विपक्षी दलों से अपील की कि यदि वे सच में छात्र हित की चिंता करते हैं, तो वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर 10 जनवरी को होने वाले लोकभवन घेराव में शामिल हों.

11-13वीं जेपीएससी में सफल आठ अभ्यर्थियों को नियुक्त कर ट्रेनिंग में भेजे सरकार : हाईकोर्ट

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाई कोर्ट ने गुरुवार को 11 से 13वीं जेपीएससी परीक्षा में पास होने के बावजूद नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर किए गए 10 सफल अभ्यर्थियों की याचिका पर सुनवाई की. इस दौरान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका दायर करने वाले आठ अभ्यर्थियों को तुरंत नियुक्त कर उनकी जॉइनिंग कराते हुए ट्रेनिंग भेजने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंदा सेन की अदालत में हुई. इस संबंध में सफल अभ्यर्थी जितेंद्र रजक, सूरज कुमार यादव, नीरज कुमार, आशुतोष कुमार, सुदिति सुमन, रूपाली रोशन, सूरज कुमार और रूपेंद्र प्रसाद ने याचिका दायर की थी. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने बहस की. उन्होंने कोर्ट को बताया कि आयोग ने 10 अभ्यर्थियों को यह कहते हुए बाहर कर दिया था कि हाईकोर्ट के एक अन्य मामले में नौ सीटें आरक्षित रखी गई है. जबकि जिन 8 अभ्यर्थियों ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, वे मेरिट लिस्ट में काफी ऊपर हैं और अपने-अपने वर्ग में उच्च अंक प्राप्त कर चयनित हुए थे. अधिवक्ता ने तर्क दिया कि यदि सीट आरक्षित रखनी थी तो कम अंक वाले अभ्यर्थियों को रोका जाना चाहिए था, न कि ज्यादा अंक लाने वाले प्रार्थियों को.

दिल्ली छापा के बाद बड़ी कार्रवाई: विनय सिंह के बेटे सनत को एसीबी का समन, नौकरशाहों व नेताओं के परिवार से संपर्क का खुलासा

रांची, संवाददाता ।

दिल्ली में गुरुवार की सुबह की कार्रवाई के बाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की जांच में विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के खिलाफ महत्वपूर्ण जानकारी मिली है. इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब उनके पुत्र सनत सिंह को भी जांच के दायरे में लाया गया है. वसंत विहार स्थित निवास से मिले डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर सनत सिंह को 15 दिसंबर 2025 को एसीबी कार्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का समन जारी किया गया है.

डिजिटल फॉरेंसिक में अहम खुलासे

जांच के दौरान किए गए डिजिटल फॉरेंसिक विश्लेषण में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, स्निग्धा सिंह और सनत सिंह कई वरिष्ठ नौकरशाहों (अफसरों) और प्रमुख राजनीतिक परिवारों के सदस्यों के साथ नियमित और लगातार संपर्क में थे.

इन डिजिटल साक्ष्यों में निम्नलिखित अहम बातें सामने आई हैं

इन परिवारों के सदस्यों के साथ लगातार बातचीत के रिकॉर्ड महत्वपूर्ण कॉल और चैट रिकॉर्ड की पहचान की गई है. संवाद पैटर्न में ऐसी मुलाकातों का उल्लेख है, जिनकी प्रकृति संदिग्ध हो सकती है. ये डिजिटल संकेत स्पष्ट रूप से विनय चौबे-विनय सिंह-स्निग्धा सिंह गठजोड़ की पहुंच के व्यापक रूप की ओर इशारा करते हैं. यह दशार्ता है कि यह गठजोड़ न केवल प्रशासनिक बल्कि राजनीतिक हलकों तक भी फैला हुआ था.

एसीबी का मानना है कि यह डिजिटल डेटा जांच एजेंसी को निम्नलिखित पहलुओं को समझने में अहम भूमिका निभाएगा

- अवैध रूप से अर्जित धन के रास्ते और उसके अंतिम लाभार्थियों की पहचान करना.
- बेनामी संपत्तियों और उनके पीछे के वास्तविक मालिकों का खुलासा करना.
- प्रशासनिक और राजनीतिक निर्णय लेने की प्रक्रियाओं पर प्रभाव डालने वाली गतिविधियों की पड़ताल करना.
- एसीबी को उम्मीद है कि 15 दिसंबर को सनत सिंह से होने वाली गहन पूछताछ से इस पूरे गठजोड़ की कई और परतें खुलेंगी और मनी लॉन्ड्रिंग और भ्रष्टाचार से जुड़े अन्य पहलुओं पर खुलासा हुआ.

झारखंड हाईकोर्ट ने शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के हत्यारों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदला

रांची, संवाददाता ।

झारखंड हाईकोर्ट ने शहीद एसपी अमरजीत बलिहार के हत्यारों की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया. दरअसल हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच के दो जज जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय और जस्टिस संजय प्रसाद दोष तय करने के मुद्दे पर अलग-अलग राय रखते थे. ऐसे में तीसरे जज जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को मामला भेजा गया, जिन्होंने तय किया कि दोष साबित होने के बावजूद मौत की सजा बरकरार नहीं रखी जा सकती. इसके बाद जज ने मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया.

नक्सली हमले में शहीद हुए थे पुलिसकर्मी

अभियोजन के अनुसार, दुमका के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (रढ) एक सशस्त्र एस्कॉर्ट टीम के साथ पाकुड़ की ओर जा रहे थे. रास्ते में जंगल के इलाके में उग्रवादियों ने पुलिस टीम पर अचानक हमला कर दिया. भीषण गोलीबारी में रढ समेत कुल छह पुलिसकर्मी शहीद हो गए. कई पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल भी हुए. बाद में जांच के दौरान अपीलकताओं को हमले में शामिल माना गया और ट्रायल कोर्ट ने उन्हें कई गंभीर धाराओं में दोषी ठहराकर मौत की सजा सुनाई थी.

जजों की राय एक नहीं होने के कारण तीसरे जज को भेजा गया मामला

जस्टिस गौतम कुमार चौधरी ने कहा कि घायल पुलिसकर्मियों की सीधी चश्मदीद गवाही से यह साबित होता है कि अपीलकर्ता इस हमले में शामिल थे, इसलिए उनकी दोषसिद्धि बरकरार रखी गई. लेकिन सजा के सवाल पर कोर्ट ने माना कि चूंकि पहले दो जजों की राय दोषसिद्धि पर एक जैसी नहीं थी, इसलिए मौत की सजा को बनाए रखना कानूनन संभव नहीं है. इस वजह से कोर्ट ने दोनों आरोपियों की मौत की सजा को बदलकर उम्रकैद में बदल दिया.

कानून व्यवस्था को चुनौती दी गई, तो हिल जाएगी नींव

जस्टिस चौधरी ने साफ कहा कि यह हमला सोची-समझी साजिश का हिस्सा था, जिसमें रढ सहित छह पुलिसकर्मियों की जान चली गई. यह हमला केवल पुलिस बल पर नहीं, बल्कि राज्य की संप्रभु शक्ति यानी सरकार की ताकत पर सीधी चुनौती थी. कोर्ट ने चेताया कि अगर हथियारबंद समूहों को इस तरह कानून-व्यवस्था को चुनौती दी गई तो कानून के शासन की नींव हिल जाएगी.

रांची में होगा पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

रांची। झारखंड इस वर्ष पूर्वी जोन स्कूल बैंड प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग और झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तहत यह प्रतियोगिता 14झ15 दिसंबर 2025 को खेलगांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित होगी. इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पूर्वी भारत के 11 राज्यों झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम की स्कूल बैंड टीमें भाग लेंगी. यहां से चयनित चार टीमें राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाएंगी. आयोजन सचिव एवं राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन ए. सोरेंग ने कहा कि यह अवसर झारखंड के लिए गर्व का विषय है.

भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का हो रहा आयोजन

ग्लोबल पर्सपेक्टिवस एंड प्रेक्टिसेस इन ट्रांसफॉर्मिंग नसेर्सः वर्ल्डवाईड स्कोप एंड अपोर्चुनिटिज बिषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

संवाददाता । रांची

मांडर : भारथी ग्रुप ऑफ इंस्टीच्यूशन के अंतगर्त सतीश कुमार सिन्हा मेमोरियल कॉलेज ऑफ नर्सिंग, कन्दरी, माण्डर, राँची में दिनांक 11 दिसम्बर एवं 12 दिसम्बर को दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। दिनांक 11 दिसम्बर प्रातः दस बजे अतिथियों के रूप में अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर एवं शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, महाविद्यालय की उप-प्रचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय, प्रो० डॉ० सुदेश कुमार साहू, डी०एस०डब्लू० (राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड), श्रीमति आर० कृष्णावेनी(।प्डैए पटना), डॉ० एकान्स देबुका (राँची), प्रो० डॉ० सुधा देवी एम० (रिम्स,राँची) के द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया । इस कार्यक्रम में प्रो० डॉ० सुदेश कुमार साहू, डी०एस०डब्लू० (राँची विश्वविद्यालय, राँची, झारखण्ड) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए थे। इस अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का विषय ह्ल ग्लोबल पर्सपेक्टिवस एंड प्रेक्टिसेस इन ट्रांसफॉर्मिंग नर्सिर्सः वर्ल्डवाईड स्कोप एंड अपोर्चुनिटिजह्ल, था।इस कार्यक्रम में सभी व्याख्याताओं ने अपना-अपना विचार व्यक्त कर उपस्थित छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। यह कार्यक्रम दिनांक 12 को को भी चलना है। कार्यक्रम में विभिन्न संस्थानों के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षकगण भी भाग लिए तथा कार्यक्रम से लाभ उठाए। कार्यक्रम में इस ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमति छवि सिन्हा, सचिव नितिन परासर, शैक्षणिक सचिव श्रीमति दीपाली परासर, इंस्टीच्यूशन के डीन डॉ० उपेन्द्र उपाध्याय एवं उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव ने अपने विचार व्यक्त किए तथा छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शन दिए।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की उप-प्राचार्या श्रीमति निहारिका श्रीवास्तव एवं शिक्षकगण अंजला गाड़ी, रश्मि तिर्की,

विधानसभा के शीतकालीन सत्र का अंतिम दिन : वित्त मंत्री ने लगाया बड़ा आरोप

₹1.36 लाख करोड़ देने की दिशा में कार्रवाई नहीं कर रही केंद्र सरकार : राधाकृष्ण किशोर

संवाददाता । रांची

गुरुवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पांचवें और अंतिम दिन वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने राज्य के 1.36 करोड़ रुपये बकाया मामले में बड़ा आरोप लगाया। सदन में कहा कि केंद्रीय कोयला मंत्री ने राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाया मामले पर अधिकारियों की कमेटी बनाकर चर्चा आगे बढ़ाने का भरोसा दिया था।लेकिन, कई महीनों के बाद भी इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।उन्होंने कहा कि बकाए की वसूली राज्य की वित्तीय स्थिति के लिए बेहद जरूरी है और केंद्र को इस पर जल्द कदम उठाना चाहिए। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने झारखंड में लघु खनिजों के प्रबंधन और भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का वित्त लेखा परीक्षा व विनियोग लेखा से संबंधित लेखा परीक्षा प्रतिवेदन 2024-25 (कैग रिपोर्ट) सदन के पटल पर रखा।नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने छात्रवृत्ति के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया।उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति नहीं मिलने से हजारों छात्र परेशान हैं और पढ़ाई प्रभावित हो रही है। मरांडी ने मांग की कि सरकार इस मामले की तुरंत जांच कराए।इसके साथ ही उन्होंने धान खरीद में हो रही गड़बड़ियों का सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं, लेकिन शासन-प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बाबूलाल मरांडी ने विधायक और मंत्री के बीच हुई बातचीत की जांच कराने की मांग की। बाबूलाल ने ध्यान आकर्षण के दौरान चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास
इसकी सीडी भी उपलब्ध है। कहा कि विधानसभा अध्यक्ष से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने की मांग की।इस पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि जिस प्रकरण का जिक्र हो रही है, वह एक पार्टी कार्यालय के भीतर का मामला है और इससे विधानसभा का कोई सरोकार नहीं है।

सीपी सिंह ने गृह प्रवेश पर डॉ इरफान अंसारी को बधाई और शुभकामनाएं दी

संवाददाता । रांची

रांची विधायक सीपी सिंह ने स्मार्ट सिटी स्थित नवनिर्मित मंत्री आवास में गृह प्रवेश पर डॉ इरफान अंसारी को बधाई और शुभकामनाएं दी।

निवर्तमान पार्षद डॉ साजदा खातून ने विश्वकर्मा लेन का किया निरीक्षण

स्थानीय लोगों की समस्याओं का होगा समाधान , दिया आश्वासन

संवाददाता । रांची

राँचीः वार्ड 23 की निवर्तमान पार्षद डॉ साजदा खातून ने गुरुवार को मेन रोड स्थित विश्वकर्मा लेन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों,नलियों का जायजा लिया। स्थानीय लोगों एवं दुकानदारों ने डॉ साजदा खातून को बताया कि बरसात के मौसम में इस गली हालत बदतर हो जाती है। पानी के निकासी का उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण मकानों एवं दुकानों नालियों का पानी घुस जाता है साथ ही आवागमन भी पूरी तरह बाधित हो जाती है। नाली जाम होने के कारण मेन रोड का पानी भी गली में ही दाखिल हो जाती है।सालों भर नालियों में पानी रहने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है और बारी फैलने का खतरा है।
समस्याओं को सुनने और नलियों और सड़कों की निरीक्षण के बाद निवर्तमान पार्षद ने आश्वस्त कराया कि समस्या के निदान एवं नलियों एवं सड़कों की मरम्मत के लिए जल्द ही नगर निगम प्रशासक को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इस दौरान सीपीआईएम के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, सामाजिक कार्यकता सैय्यद फराज अब्बास, वीरेंद्र कुमार,बेलाल मुजीबी,बैंक इम्प्लाइज यूनियन के एमएल सिंह,मो० नौशाद ,मो० सलाम, भोला,राघो सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

झारखंड पुलिस हाउसिंग के मुख्य अभियंता जयप्रकाश सिंह से एकता कमेटी का प्रतिनिधिमंडल मिला

संवाददाता । रांची

रांची ।सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची का एक प्रतिनिधिमंडल गुलाम मुस्तफा के अध्यक्षता में झारखंड पुलिस हाउसिंग निगम लिमिटेड के मुख्य अभियंता श्री जयप्रकाश सिंह से मुलाकात किया और हिंदपीढ़ी थाना गोंदा थाना और लोअर बाजार थाना का आधा हिस्सा नहीं बना है और जो भी थाना नहीं बना है उसको बनाने की अपील की गई इस अवसर पर भारतीय एकता कमेटी के संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने बुके देकर जेपी सिंह को सम्मानित किया बुलंद अख्तर जी ने माला पहना कर चुनरी ओडा कर सम्मान दिया इस अवसर पर मुख्य अभियंता जयप्रकाश सिंह ने कहा के हिंदपीढ़ी थाना के लिए जमीन नहीं मिल रही है वह जहां पर अभी हिंदपीढ़ी थाना चल रहा है वह जगह किराए पर है उसको हम लोग बना नहीं सकते कोशिश में लगे हुए हैं कि कहीं जगह मिल जाए तो हिंदपीढ़ी थाना को बना दिया जाएगा और जो भी थाना अभी नहीं बना है हम लोग प्रयास में लगे हुए हैं जल्द से जल्द उसे बनाया जाएगा इस अवसर पर गुलाम मुस्तफा ने कहा की के जयप्रकाश सिंह जी हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतीक रहे हैं मोहर्रम के शुभ अवसर पर भी इनके घर परिवार वाले मोहर्रम के अखाड़ा का हमेशा स्वागत करते रहे हैं और जयप्रकाश सिंह सर ताजिया भी उठाते थे यह बहुत बड़ी खुशी की बात है और बेशक जयप्रकाश सिंह के दिल में कभी भी किसी प्रकार का भेदभाव नहीं रहा है ।सभी को एक समान देखते हैं और सभी को शुरू से साथ दिया है आज के प्रतिनिधिमंडल में मोहम्मद अशफाक जी और मोहम्मद टीपू रामेश्वर राम जी उपस्थित थे ।

एसआईएच 2025 में BIT मेसरा की टीम ने दर्ज की उल्लेखनीय जीत

संवाददाती

बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा की टीम ह्यविंटर इज आवर्सह्ल ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2025 के ग्रैंड फिनाले में विजय हासिल की है। यह राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता शिक्षा मंत्रालय और अक्ढळए द्वारा आयोजित की गई थी। टीम का नेतृत्व कृष रस्तोगी ने किया, जबकि टीम में दक्ष क्वेरा, प्रत्याषा पलित, प्रशुन राज, अदनान आदिल और इशान सिंह शामिल थे। टीम को डॉ. आनंद प्रसाद सिन्हा और डॉ. विशाल एच. शाह का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।
प्रतियोगिता के लिए टीम ने एक एआई-संचालित केंद्रीकृत प्लेटफॉर्म विकसित किया, जिसका

उद्देश्य पीएम-अजय योजना (ॠक्कअ घटक), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत लाभार्थी पहचान और वित्तीय समावेशन जैसी महत्वपूर्ण चुनौती का समाधान प्रदान करना था।
इस प्लेटफॉर्म में स्वचालित लाभार्थी पहचान एल्गोरिदम, दिव्यांगजन के लिए एआई-आधारित फॉर्म भरने की सुविधा, और वॉइस-कमांड आधारित वेबसाइट एक्सेस जैसी प्रमुख सुविधाएँ शामिल हैं।
36 घंटे तक चले इस राष्ट्रीय हैकाथॉन में तीन चरण थे, जिनमें प्रत्येक चरण में मेंटरशिप और जूरी मूल्यांकन शामिल था। टीम के नवोन्मेषी और प्रभावशाली समाधान ने उन्हें देशभर की प्रतिस्पर्धी टीमों के बीच शीर्ष स्थान दिलाया।

ब्रीफ न्यूज

गुमला में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा तोड़े जाने के खिलाफ रांची में प्रदर्शन

संवाददाता ।

रांची : शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर सामाजिक कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने कहा कि गुमला स्थित जारी गांव में अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा को बुलडोजर लगाकर तोड़ दिया था, जबकि इसे अनुशासनपूर्वक जमीन पर रखा जाना था। लेकिन गुमला प्रशासन ने प्रतिमा को हटाने के लिए बुलडोजर का उपयोग किया। और प्रतिमा क्षतिग्रस्त हो गई। प्रशासन और कारीगरों के खिलाफ कार्रवाई की करेंगे मांग। पूर्व टीएसी सदस्य रतन तिर्की और सामाजिक कार्यकर्ता प्रभाकर तिर्की ने कहा कि बुलडोजर लगाकर प्रतिमा तोड़ने वाले प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जाएगी। राज्यपाल और सीएम से भी इसकी शिकायत करने का निर्णय लिया है। रतन तिर्की ने कहा कि जयंती के अवसर पर देश के सैनिकों ने अलबर्ट एक्का की प्रतिमा पर माल्यापर्ण करने नहीं पहुंचे। उन्हें श्रद्धांजलि तक नहीं दी। अलबर्ट एक्का की प्रतिमा टूटने को लेकर गुमला प्रशासन ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि पहले की अपेक्षा अब आकर्षक और भव्य प्रतिमा बनाई जा रही है।इसके साथ ही इसका सौंदर्यीकरण भी करने का ऐलान किया है।

हाईकोर्ट ने कहा - रिम्स परिसर से अतिक्रमण हटाओ अभियान रहेगा जारी

संवाददाता ।

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) परिसर से अतिक्रमण हटाओ अभियान को जारी रखने का बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अतिक्रमण हटाने के विरोध में दायर की गई सभी याचिकाओं को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया है। यह फैसला तब आया, जब कोर्ट में सुनवाई के दौरान हस्तक्षेप याचिका दाखिल कर कई लोगों ने अतिक्रमण रोकने का आग्रह किया था। जिसे न्यायालय ने अस्वीकार कर दिया। सुनवाई के दौरान रांची के डीसी, एसएसपी और बड़गाई सीओ (अंचल अधिकारी) दस्तावेजों के साथ कोर्ट में उपस्थित थे।इससे पहले हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में रिम्स परिसर के अतिक्रमणकारियों को 72 घंटे के भीतर स्वयं अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया था। ऐसा न करने पर, प्रशासन को अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट के इसी आदेश पर प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि कोर्ट ने डीआईजी ग्राउंड के निकट स्थित कैलाश कोठी के संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख निर्धारित की है। कोर्ट ने पिछले दिनों कैलाश कोठी को हटाने पर रोक लगाई है।

कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली लोकतंत्र बचाने का ऐतिहासिक अभियान : बंधु तिर्की

संवाददाता ।

रांची : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि 14 दिसंबर को दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में होने वाली कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली देश में लोकतंत्र को बचाने का महत्वपूर्ण और निर्णायक प्रयास है। उन्होंने दावा किया कि यह रैली न सिर्फ व्यापक जनसमर्थन जुटाएगी, बल्कि चुनाव आयोग की भूमिका पर उठ रहे सवालों को लेकर पूरे देश में एक बड़ा संदेश भी देगी। अपने आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में लगभग 300 टाना भगतों के दल को रवाना करने से पहले मीडिया से बात करते हुए तिर्की ने कहा कि रैली से लोगों को यह समझने में मदद मिलेगी कि चुनाव प्रक्रिया किस तरह प्रभावित की जा रही है और किस प्रकार सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर वोट चोरी को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग पर लगाए गए गंभीर आरोपों के बाद भी आयोग की ओर से निष्पक्ष जांच के प्रति कोई तत्परता दिखाई नहीं दे रही, जबकि सरकार आयोग के पक्ष में खड़ी होकर लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है। रैली में शामिल होने के लिए टाना भगत अपने पारंपरिक वाद्य-यंत्रों के साथ रांची से दिल्ली रवाना हुए। तीन बसों को हरी झंडी दिखाकर बंधु तिर्की ने विदा किया। इसके अलावा तिर्की, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, प्रखंड अध्यक्षों, पदाधिकारियों और कार्यकताओं का एक बड़ा समूह भी शाम ट्रेन से दिल्ली के लिए रवाना हो गया।

डीएवी शिक्षा दीप स्कूल में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

रांची : डीएवी शिक्षा दीप स्कूल, रातू रोड में दो दिवसीय निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसमें कुल 103 बच्चों और 72 अभिभावकों की नेत्र जांच की गई। यह शिविर नयन सुख केयर के नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टरों और उनकी टीम द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें दृष्टि परीक्षण, स्क्रीनिंग और आवश्यक परामर्श प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य आलोक कुमार ने की। वहीं छात्र क्लब चिकित्सक मंच (यूनिट–छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा मुख्य अतिथि और विद्यालय की संस्थापिका नीलम देवी तथा संरक्षक ब्रजेश कुमार पाठक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विद्यालय के निदेशक शिवनंदन पाठक ने कहा - स्वस्थ दृष्टि से आत्मविश्वास और स्पष्टता दोनों का जन्म होता है। शिक्षित समाज की शुरूआत स्वस्थ आँखों से ही होती है।
मुख्य अतिथि शिव किशोर शर्मा ने नेत्र स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आँखों में किसी भी प्रकार की परेशानी महसूस होते ही विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच कराना जरूरी है। शिविर के सफल संचालन में प्राचार्य आलोक कुमार, निदेशक मंडली से प्रभाष गौरव और अविनाश गौरव, पीआरओ कुणाल कौशल, सभी शिक्षक-कर्मचारियों तथा नेत्र जांच टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अभिभावकों ने इस उपयोगी पहल के लिए विद्यालय एवं मेडिकल टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने डुमरिया प्रखंड 'निर्वाण-2' वृद्धाश्रम का किया निरीक्षण

ठंड के मद्देनजर बुजुर्गों के बीच ऊनी कपड़े का किया वितरण

जमशेदपुर, संवाददाता

डुमरिया प्रखंड स्थित बांकीशोल पंचायत अन्तर्गत बाकुलचंदा गांव में जिला प्रशासन की पहल पर हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन द्वारा संचालित 'निर्वाण-2' वृद्धाश्रम का उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने गुरुवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां निवास कर रहे निराश्रित तथा असहाय बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी स्थिति, दैनिक दिनचर्या, उपलब्ध सुविधाओं तथा आवश्यकताओं की विस्तृत जानकारी भी ली। साथ ही सरकार की योजनाओं/ सेवाओं से आच्छादन के संबंध में भी पूछताछ की। वहीं कुछ बुजुर्गों के पेंशन, आधार कार्ड, बैंक खाता नहीं होने की बात सामने आई। जिसपर बीडीओ को उचित कार्रवाई के लिए निर्देशित भी किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में आवासीय सुविधा, भोजन व्यवस्था, चिकित्सा देखभाल, स्वच्छता, विश्राम स्थल, शौचालय व स्नानगृह तथा दैनिक उपयोग की वस्तुओं की उपलब्धता का बारीकी से अवलोकन भी किया। वृद्धाश्रम प्रबंधन द्वारा संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा मानवता का सर्वोच्च कार्य है और इस दिशा में संस्थान की पहल अत्यंत प्रेरणादाई है। उपायुक्त ने ठंड के मौसम को देखते हुए आश्रम प्रबंधन को बुजुर्गों के स्वास्थ्य एवं सुचारु देखभाल के लिए विशेष प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों के बीच ऊनी वस्त्र, शॉल, गर्म कपड़े समेत अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण भी किया।

जबकि आश्रम कर्मियों को बुजुर्गों की जरूरतों पर सतर्क निगाह रखने की सलाह भी दी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि समाज में कई ऐसे उदाहरण मिलते हैं, जहां वृद्ध माता-पिता की समुचित देखभाल नहीं हो पाती और जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बुजुर्गों का अनुभव, आशीर्वाद और मार्गदर्शन किसी भी परिवार और समाज के लिए अमूल्य है। ऐसे में हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन द्वारा चलाया जा रहा यह वृद्धाश्रम न केवल वृद्धजनों को सम्मानजनक जीवन दे रहा है। बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी दे रहा है। वहीं वृद्धजनों के लिए निःशुल्क आवास, पौष्टिक भोजन, वस्त्र, दवाई, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और सुरक्षित वातावरण की व्यवस्था भी की गई है। उपायुक्त ने वृद्धाश्रम की आवश्यकताओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक सहयोग का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने प्रबंधन को निर्देश दिया कि भोजन की गुणवत्ता और पोषण स्तर पर विशेष ध्यान रखा जाए। बुजुर्गों के लिए मानसिक स्वास्थ्य समर्थन, मनोरंजन, योग एवं ध्यान जैसे कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएं। आश्रम परिसर में स्वच्छता और सुरक्षा के पर्याप्त उपाय सुनिश्चित हों। मौके पर बीडीओ डुमरिया नीलेश मुर्मू, स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी, हेल्पिंग हैंड्स फाउंडेशन के प्रतिनिधि के अलावा अन्य भी मौजूद थे।

विधानसभा में संजीव सरदार की मांग, प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिज भाषा को शामिल किया जाए

मंत्री का जवाब सरकार इस मामले में गंभीर, भूमिज भाषा को शामिल करने पर विचार करेगी

जमशेदपुर, संवाददाता

झारखंड विधानसभा में गुरुवार पोटका विधायक संजीव सरदार ने भूमिज जनजाति समुदाय के अत्यंत संवेदनशील मुद्दे को जोरदार तरीके से सदन में उठाते हुए जेटेट, जेएसएससी के अलावा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिज भाषा को पुनः शामिल करने की मांग की है। इस दौरान उन्होंने कहा कि भूमिज समुदाय की जनसंख्या चार लाख से अधिक है और यह झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम तथा सरायकेला-खरसावां जिले में प्रमुख रूप से निवास करते हैं। साथ ही उन्होंने सदन को बताया कि पूर्व की परीक्षाओं जैसे टेट 2016, परीक्षा 2014, कक्षपाल परीक्षा 2015 में भूमिज भाषा शामिल थी और बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने भूमिज भाषा में परीक्षा देकर नियुक्तियां भी प्राप्त की थी। लेकिन 2023 में जारी संशोधित नियमावली में भूमिज भाषा को सूची से विलोपित कर दिया गया और जिससे भूमिज समुदाय में गहरा असंतोष है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 350 (ए) में प्रदत्त स्थानीय जनजातीय भाषाई अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। इसलिए उन्होंने सदन के माध्यम से मांग रखी कि आगामी दसवीं, जेटेट, जेएसएससी की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में भूमिज भाषा को पुनः शामिल किया जाए। जिसपर सदन में जवाब देते हुए मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा कि लगभग 5 लाख लोग भूमिज समाज से आते हैं और पहले की परीक्षाओं में भूमिज भाषा शामिल थी। परंतु बाद में नियमावली में बदलाव के दौरान यह भाषा सूची से हट गई। उन्होंने बताया कि राज्य में सिविल सेवा की तर्ज पर परीक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए 2012 में विशेषज्ञ समिति बनी थी और उसके अनुरूप कई भाषाओं को सम्मिलित किया गया था। इसके बाद फिर परीक्षाओं में भाषा को लेकर विधानसभा की एक समिति भी बनी थी। लेकिन उस समय भी भूमिज भाषा शामिल नहीं की गई। जबकि मंत्री के जवाब के बाद विधायक संजीव सरदार ने दोबारा खड़े होकर कहा कि यदि आदिवासियों की सरकार में ही आदिवासी भाषा का संरक्षण नहीं हुआ तो समाज खत्म हो जाएगा। भूमिज भाषा सूची से हटेगी तो आने वाली पीढ़ियां प्रतियोगी परीक्षाओं से वंचित हो जाएंगी।उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमिज भाषा को परीक्षा सूची में शामिल करना सिर्फ भाषा का नहीं, अस्तित्व, पहचान और सामाजिक सम्मान का मामला है। उनके आग्रह के बाद मंत्री दीपक बिरुआ ने कहा की निश्चित ही यह मामला जनजातीय समुदाय और उसकी भाषा से जुड़ा है। सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करेगी।

लईयो दक्षिणी पंचायत में जंगली हाथियों ने मचाया उत्पात, दहशत

रामगढ़, संवाददाता

मांडू प्रखंड अंतर्गत लईयो दक्षिणी पंचायत में बुधवार की रात जंगली हाथियों के झुंड ने पांच घंटे तक जमकर उत्पात मचाया। हलाकी मौके पर वन विभाग के वनरक्षी सहित कर्मचारियों के पहुंचने के बाद ग्रामीणों का कोई खास नुकसान नहीं हो पाया। बताया जाता है कि रात्री आठ बजे लगभग 25-30 की संख्या में हाथियों का झुंड गोसी बस्ती के समीप पहुंचा। हाथियों ने मिथलेश कुमार महतो, रंजीत महतो सहित अन्य कई किसानों के खेतों में लगे आलू के फसल को नुकसान पहुंचाया। हाथियों का झुंड ने इसके बाद दो ग्रामीणों का चारदिवारी गिरा दिया। काफी । इसके बाद काफी प्रयास के बाद वन विभाग के लोगों ने हाथियों को जंगल की ओर भगा दिया। बहरहाल अभी भी तमाम हाथी गोसी गांव के ऊपरी जंगल में डेरा जमा रखा है, जिसके कारण ग्रामीणों के बीच दहशत का माहौल व्याप्त है। वही जंगल में हाथियों का बसेरा रहने के कारण ग्रामीण जंगल की ओर जाने से परहेज कर रहे है।

जेएम कॉलेज भुरकुंडा ने रचा इतिहास, फुटबॉल व चेस दोनों में जीती ट्रॉफी

रामगढ़, संवाददाता

बैंड-बाजे के साथ खिलाड़ियों का किया गया भव्य स्वागत

विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित फुटबॉल एवं चेस प्रतियोगिता में जेएम कॉलेज भुरकुंडा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोनों प्रतियोगिताओं की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर गुरुवार को कॉलेज परिसर में विजेता खिलाड़ियों का बैंड-बाजे और जयघोष के साथ भव्य स्वागत किया गया। छात्रों और कॉलेज स्टाफ ने हिप-हिप हुर्रे जेएम कॉलेज जीत गया के नारों के बीच वीरसा मुंडा चौक से कॉलेज तक विजयी जुलूस निकाला। कॉलेज पहुंचने पर प्राचार्या शीला सिंह ने टीम मैनेजर डा. शिव शंकर सिंह, प्रो. सत्येंद्र नारायण सिंह और खेल प्रशिक्षक हृदय नारायण सिंह समेत सभी खिलाड़ियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर मिठाइयां भी बांटी गईं। प्राचार्या शीला सिंह ने कहा कि हमारे खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कॉलेज का मान बढ़ाया है। खेल और शिक्षा दोनों में कॉलेज सदैव इनके साथ है। खेल प्रशिक्षक हृदय नारायण सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ मैदान में दबदबा बनाए रखा। हमें विश्वास है कि वे अंतर-विश्वविद्यालय फुटबॉल प्रतियोगिता में भी चैम्पियन बनेंगे। टीम मैनेजर डॉ. शिव शंकर सिंह और प्रो. सत्येंद्र नारायण सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई है, वे महाविद्यालय की शान हैं। कार्यक्रम में प्राचार्या शीला सिंह, डॉ. विरेन्द्र सिंह, प्रो. सावित्री विश्वकर्मा, प्रो. राम प्रमोद सिंह, प्रो. अरूणजय सिंह, प्रो. सिकन्दर कुमार, प्रो. विजय मिश्रा, प्रो. अंजनी सिंह, दीपक झा, कुंवर रंजीत कुमार सिंह, किशोर कुमार, रंजीत सिंह, राजेन्द्र प्रसाद, अशोक कुमार, अर्जुन कुमार, बाबूलाल नायक सहित कई शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे। विजेता फुटबॉल टीम में कैप्टन देवराज कुमार बेदिया, राजन कुमार सोरेन, विमल कुमार, हर्ष बेदिया, निकेश्वर बेदिया, जयबीर सिंह, दिनेश दोहरा, आशीष उरांव, रावल बेदिया, संतोष कुमार, अमित कुमार, विकास कुमार, लिपट कुमार, सोनू कुमार, निवेदन भुंडा, अजय कुमार समेत अन्य खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी ओर पीटीपीएस कॉलेज पतरातु में आयोजित चेस प्रतियोगिता में जे.एम. कॉलेज की पारुल कुमारी ने हर राउंड में विजय का परचम लहराते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्हें भी कॉलेज परिवार ने सम्मानित किया। जेएम कॉलेज भुरकुंडा की इस दोहरी जीत से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है।

लातेहार कोर्ट ने अफीम तस्करी में संलिप्त तीन अपराधियों को आठ साल की सजा सुनाई

लातेहार, संवाददाता

जिला न्यायालय के न्यायाधीश प्रथम दिनेश कुमार मिश्रा की अदालत ने एक एनडीपीएस के मुकदमे में संलिप्त पाए जाने पर तीनों लोगों पर आठ आठ साल की जेल और पचास पचास हजार रुपए जुमार्ना ठोका है, मामला चंदवा थाना स्थित टोरी स्टेशन की है, और कांड संख्या 8/ 2016 की सुनवाई के उपरांत यह सजा सुनाई गई है,साथ ही जुमार्ना की राशि का भुगतान नहीं करने पर 1- 1साल की सजा और भुगतनी पड़ेगी , इस मामले में तत्कालीन थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक कमलेश्वर पांडेय के फर्दबयान पर गत 17 जुलाई 2016 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी , चंदवा थाना के थाना प्रभारी कमलेश्वर पांडेय अपनी टीम टोरी रेलवे स्टेशन पर लगाकर तैयार रखी थी , इसी क्रम में तीन संदिग्ध जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन से तीनों अपराधी पुलिस को आगे बढ़ता देखकर भागने लगे, इंतजार कर रहे पुलिस ने उन्हें दौड़ाकर पकड़ा जो अपना नाम नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव बताया , पुलिस ने बारी-बारी से तीनों की तलाशी के दौरान एक किलोग्राम अफीम एवं कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद हुई, न्यायाधीश श्री मिश्रा ने दोनों पक्षों की दलीलें और गवाहों के बयान के आधार पर तीनों आरोपियों नारायण यादव, महेंद्र यादव एवं लाल बिहारी यादव को अफीम तस्करी में सत्य पाया , अदालत ने गुरुवार को एनडीपीएस की धारा 17 बी के तहत इन आरोपियों को 8- 8 साल की सजा एवं 50- 50 हजार रुपए की जुमार्ना का फैसला सुनाया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 के सफल आयोजन हेतु बैठक

रामगढ़, संवाददाता

गुरुवार को श्री संजीत कुमार, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, रामगढ़ की अध्यक्षता में राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025-26 के सफल आयोजन हेतु जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ (समाहरणालय, भवन छत्तरमाण्डू, रामगढ़) में बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक 19.12.2025 को महार्षि परमहंस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, (कोठार) रामगढ़ में जिला स्तरीय युवा महोत्सव के प्रतियोगिता सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, कविता लेखन, चित्रकला, भाषण का आयोजन किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में वैसे प्रतिभागी जिनकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच हो भाग ले सकते हैं। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी प्रमण्डल स्तरीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे, एवं राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 16.12.2025 के अपराह्न 5:00 बजे तक निर्धारित है। प्रतिभागी ऑनलाइन गूगल लिंकhttps://form.svhrt.com/693a72d27191b6b1d8e53e2c पर जाकर पंजीकरण कर सकते है। प्रतियोगिता एवं रजिस्ट्रेशन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, रामगढ़ के मो॰ 8709816456, महेश प्रसाद मो॰ 9801121528, नितेश कुमार मोदी मो॰ 9135973356 नेहरू युवा केन्द्र, रामगढ़ से सम्पर्क किया जा सकता हैं। उक्त बैठक में श्री रूद्र शेखर, प्रभारी जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, रामगढ़ राहुल सिंह, डॉ॰ अशोक राम एन0एस0एस0, नितेश कुमार मोदी एवं महेश प्रसाद सहित अन्य उपस्थित थे।

भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर की जयंती मनाने को लेकर बैठक

रामगढ़, संवाददाता

अखिल भारतीय नाई समाज समिति पतरातू की बैठक जयनगर में की गई। जिसकी अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष गणेश कुमार ठाकुर एवं संचालन समिति सचिव परमेश्वर ठाकुर के द्वारा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 24 जनवरी 2026 को भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर की जयंती हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धूमधाम से मनाएं जाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। वहीं बैठक में गणेश कुमार ठाकुर ने कहा कि जो भी लोग जननायक कपूर्री ठाकुर जी के प्रति सच्ची श्रद्धा रखते है उनके लिए कपूर्री जयंती एक त्यौहार के रूप में है। बैठक में कहा गया कि अगली बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की जाएगी तथा विस्तार से चर्चा की जाएगी। बैठक के अंत में उपस्थित सभी लोगों का धन्यवाद किया गया तथा सभी को अगली बैठक आगामी 16 दिसंबर 2025 दिन मंगलवार को बिरसा मार्केट शिव मंदिर के प्रांगण में ससमय उपस्थित होने के लिए अनुरोध किया गया। बैठक में मुख्य रूप से रामगढ़ जिला सचिव, लालचंद ठाकुर, महेंद्र ठाकुर, ललन ठाकुर, आशीष ठाकुर, परमेश्वर ठाकुर, अमित ठाकुर, बसंत ठाकुर, श्यामलाल ठाकुर, राजीव शर्मा, राजेंद्र ठाकुर, बालचंद ठाकुर, दिलीप ठाकुर इत्यादि दर्जनों लोग उपस्थित थे।

मां जगदम्बा कोल फैक्ट्री पहुंची जिला परिषद अध्यक्ष, खुले मैदान में कोयला का पोड़ा देख भड़की

भट्ठी में नही जल रही है आग कर्रवाई निश्चित : सुनिता देवी

बोकारो, संवाददाता

बेरमो अनुमंडल के नावाडीह प्रखण्ड स्थित ऊपरघाट अंतर्गत पेंक - नारायणपुर थाना रामाहरिया अवस्थित में संचालित मां जगदम्बा कोल फैक्ट्री गुरूवार को बोकारो जिला परिषद अध्यक्ष सुनिता देवी पहुंची। फैक्ट्री के खुले मैदान में कोयला का लगी भट्ठी को देखकर भड़क गयी और उपस्थित फैक्ट्री के कर्मियों को फटकार लगाते हुए खुले मैदान में लगायी गयी भट्ठी को पानी डालकर बुझाने की बात कही। आगे जिला अध्यक्षया सुनिता देवी ने कही कि किसी भी फैक्ट्री मालिक को भट्ठी में कोयला जलावकर पौड़ा बनवाने का निर्देश प्राप्त है। लेकिन उक्त मालिक नियमों को ताक में रख कर खुले मैदान में पोड़ा बना रहा है और गांव में प्रदुषण फैला रहा है। इसकी शिकायत एसडीएम सहित जिला के वरीय पदाधिकारी से शिकायत की जायेगी। खुब हुआ तू-तें -में-में। फैक्ट्री के बाहर जब फैक्ट्री कर्मियों से खुले मैदान में कोयला का पोड़ा नही लगाने की बात बढ़ी तो तू-तें -में-में हुआ और यहां तक कि एक दुसरे को देख लेने तक बात पहुंच गयी । फिर जिला परिषद की अध्यक्षता सुनिता देवी द्वारा चलने की ईशारा कर अपने समर्थकों के साथ निकल पड़े । मौके पर ऊपरघाट जिला परिषद सदस्य खुशबू कुमारी ,चितरंजन साव ,आजसू वरीय नेता टिकैत कुमार महतो ,सांसद प्रतिनिधि दीपू अग्रवाल ,कृष्णा सलेश ,कुंदन साव ,दीपक मंडल सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीएसएल में 100 टन क्षमता वाली नई लाइम क्रशर यूनिट का उद्घाटन

बोकारो, संवाददाता

बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) ने रॉ मटेरियल प्रबंधन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए आरएमपी विभाग के लाइम डिस्चार्ज परिसर में 100 टन प्रतिदिन क्षमता वाली आधुनिक लाइम क्रशर यूनिट की स्थापना की है। इस यूनिट का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) प्रिय रंजन ने किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक (ऑपरेशन) अनूप कुमार दत्त सहित बीएसएल एवं एफएसएनएल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिशासी निदेशक श्री रंजन ने कहा कि नई क्रशर यूनिट इस्पात उत्पादन प्रक्रिया को अधिक दक्ष, गतिशील और गुणवत्ता-उन्मुख बनाएगी। उन्होंने इस परियोजना से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के प्रयासों की सराहना की और इसे बीएसएल की उत्पादन क्षमता बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया। यह यूनिट सिंटर प्लांट के लिए आवश्यक फ्लक्स उत्पादन में अहम भूमिका निभाएगी। कैल्शियम-समृद्ध लाइम से सिंटर की बाइंडिंग स्ट्रेंथ बढ़ेगी, रिटर्न सिंटर की मात्रा कम होगी और ब्लास्ट फर्नेस को उच्च गुणवत्ता वाला सिंटर उपलब्ध होगा, जिससे उत्पादन में सकारात्मक वृद्धि होगी। इसके साथ ही, यह यूनिट आरएमपी के रोटरी किल्न को ह्ललेस ऑफ-टेकह्न स्थिति से सुरक्षित रखते हुए इसकी उत्पादकता और रिफ्रैक्टरी लाइनिंग लाइफ में भी सुधार सुनिश्चित करेगी।

बोकारो थर्मल क्षेत्र में मवेशी चोरी की बढ़ती घटनाओं से दहशत, ग्रामीणों ने पुलिस गश्ती बढ़ाने की मांग की

बोकारो, संवाददाता

बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के गोविंदपुर, बाजारटांड़, नूरीनगर और आसपास के कई इलाकों में इन दिनों मवेशी चोरी की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। खासकर नूरीनगर स्थित डीवीसी ऐश पौंड के पास पिछले कुछ हफ्तों में दर्जनों गाय-बैलों के चोरी होने की पुष्टि ग्रामीणों ने की है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के अंधेरे में सक्रिय चोर गिरोह के सदस्य सुनसान इलाकों को निशाना बनाकर गाय-बैलों को चुपचाप कब्जे में ले जाते हैं। भाजपा नेता अशोक कुमार साव ने बताया कि चोरी की गई मवेशियों को कुछ समय तक गिरोह के ठिकाने पर रखा जाता है और फिर गाड़ियों के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में भेज दिया जाता है।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरी गतिविधि एक संगठित गिरोह द्वारा योजनाबद्ध तरीके से की जा रही है। चोर पहले मवेशियों को चिन्हित करते हैं और जैसे ही मौका मिलता है, उन्हें उठाकर ले जाते हैं। अब तक दर्जनों मवेशियों के चोरी होने से गरीब किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने, संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और चोर गिरोह को जल्द से जल्द पकड़ने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अगर समय रहते कठोर कार्रवाई नहीं हुई, तो चोरी की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।

कसमार में किशोरियों व महिलाओं के सशक्तिकरण को लेकर स्टेकहोल्डर मीटिंग आयोजित

बोकारो, संवाददाता

दुगार्पुर पंचायत भवन में सहयोगिनी संस्था द्वारा किशोरियों और महिलाओं को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से स्टेकहोल्डर मीटिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुखिया अमरेश कुमार महतो ने की। उन्होंने महिलाओं और किशोरियों को शिक्षा, अधिकारों और सुरक्षा से संबंधित जानकारी देने पर जोर दिया। समन्वयक प्रकाश कुमार महतो ने बताया कि संस्था कसमार प्रखंड के 19 गाँवों में किशोरियों के नेतृत्व विकास, जीवन कौशल प्रशिक्षण और योजनाओं से जोड़ने का कार्य कर रही है। सावित्रीबाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, मैया सम्मान योजना, कन्यादान, स्कॉलरशिप, साइकिल योजना और कौशल प्रशिक्षण से कई लाभार्थी जुड़ रहे हैं। एनिमेटर बिनीता देवी ने समूह गठन के जरिए सुरक्षा, अधिकार और योजनाओं की जानकारी देने की बात कही। बैठक में पंचायत प्रतिनिधि, सेविका-सहिया एवं महिला समूह की सदस्याएँ बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

35 हजार बिना आधार वाले बच्चों की होगी खोज, बनेगा अपार कार्ड

हवाई यात्रा में मिलेगा लाभ

भागलपुर। जिले के 2020 सरकारी स्कूलों के तीन लाख 71 हजार 136 बच्चों के पास अपार यानी (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) मौजूद है, जबकि एक लाख 44 हजार 379 बच्चों के पास अभी भी अपार कार्ड नहीं है। इनमें से 35000 के करीब ऐसे बच्चे हैं जिनके पास आधार भी नहीं है। यानी बिना आधार के अपार कार्ड बनाना मुश्किल है। वहीं दूसरी तरफ मुख्यालय स्तर से अपार कार्ड बनाने में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। जिसके बाद एक बार फिर से इसको लेकर जिला शिक्षा विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर काम शुरू किया जाएगा। जिले में लगभग 72 प्रतिशत के करीब अपार कार्ड बनकर तैयार है। वहीं जिला के शिक्षा विभाग में चल रहे आधार सेंटर बंद होने से बच्चों के पास आधार बनाने के लिए संकट उत्पन्न हो गया है। जो अपार निर्माण में थोड़ी परेशानी का सबब बन सकता है।डीपीओ एसएसए बबीता कुमारी के अनुसार जिन छात्रों के पास आधार उपलब्ध है, उनका अपार कार्ड बनवाया जाएगा। वहीं स्कूलवार ऐसे विद्यार्थियों की सूची तैयार कर बिना आधार वाले बच्चों को आधार केंद्र से जोड़ा जाएगा, ताकि पहले आधार बनाया जा सके और बाद में अपार कार्ड जारी हो। इसको लेकर प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया जाएगा कि वे संबंधित बच्चों की पहचान कर आधार लिंकिंग व टैगिंग प्रक्रिया को आगे बढ़ाएं, ताकि उन्हें प्रखंड स्तर पर संबंधित आधार सेंटर से टैग कर उनका आधार बनवाते हुए अपार कार्ड बनवाया जा सके। अपार कार्ड सरकार की द्वारा एक देश, एक छात्र पहचानक व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को बारह अंकों की स्थायी पहचान संख्या मिलती है। कक्षा प्रथम से उच्च शिक्षा तक के अंकपत्र, प्रमाण पत्र तथा अन्य शैक्षणिक विवरण एक ही स्थान पर सुरक्षित रहते हैं। सत्यापन सरल होता है और दस्तावेज ले जाने की आवश्यकता घटती है। अभिभावकों की सहमति से यह पहचान बनाई जाती है और डिजिटल अभिलेखों से जुड़ी होती है। जिले में अपार कार्ड निर्माण में 28% कार्य अब भी लंबित है। कुल 5,15,515 में से 1,44,379 छात्रों का अपार कार्ड बाकी है। पेंडिंग में सबसे आगे नगर निगम 39.62%, शाहकुंड 39.51%, नारायणपुर 34.04%, बिहपुर 34.01% और जगदीशपुर 29.70% हैं। वहीं सर्वाधिक कार्य पूर्ण प्रखंडों में सबौर 79.39%, इस्माइलपुर 77.21%, खरिक 76.85%, गोपालपुर 76.61% और पीरपैंती 76.04% शामिल हैं। एयर इंडिया ने शिक्षा मंत्रालय के साथ समझौते के बाद बिहार के अपार कार्डधारी विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। अब छात्र घरेलू हवाई यात्रा के टिकट पर दस प्रतिशत की सीधी छूट पा सकेंगे। साथ ही पच्चीस किलोग्राम तक सामान ले जाने की अनुमति मिलेगी, जो

अभ्यर्थियों का बिहार बोर्ड ऑफिस के बाहर हंगामा

पटना। पटना में बिहार स्टेट टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (STET) के अभ्यर्थियों ने मंगलवार को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) कार्यालय के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। करीब 20-25 उम्मीदवार बोर्ड ऑफिस गेट के बाहर जमा हुए और अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी करने लगे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि बोर्ड लगातार उन्हें गुमराह कर रहा है और उनकी आपत्तियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही। छात्रों की मुख्य मांग रिवाइज्ड आंसर-की जारी करने, स्पष्ट नोटिफिकेशन देने और आउट ऑफ सिलेबस पूछे गए सवालों पर ग्रेस मार्क्स देने की है। प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थी 'हमारी मांगें पूरी करो', 'STET होश में आओ' और 'गुमराह करना बंद करो' जैसे नारे लगा रहे थे। मौके पर मौजूद कॉमर्स की छात्रा ज्योति ने बताया कि बोर्ड बार-बार केवल डेट बढ़ा रहा है, लेकिन न तो रिवाइज्ड आंसर-की जारी हो रही है और न ही कोई आधिकारिक नोटिफिकेशन। उन्होंने कहा कि परीक्षा में 21 सवाल आउट ऑफ सिलेबस पूछे गए, जिसके कारण कई छात्रों के नंबर प्रभावित हुए हैं। ऐसे में ग्रेस मार्क्स देना जरूरी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि वे बार-बार आपत्ति दर्ज कराने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं की जा रही। 27, 28 और 29 नवंबर को भी उन्होंने बोर्ड कार्यालय का घेराव किया था, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

ऊंचा किया जाएगा अजगैवीनाथ धाम

डीएम ने किया ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट निर्माणस्थल का दौरा, दिए कई निर्देश

अजगैवीनाथ धाम। अजगैवीनाथ धाम में बनने वाले ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की प्रक्रिया तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने उड़ान और लैंडिंग में आने वाली बाधाओं को चिह्नित कर हटाने के लिए रिपोर्ट एवं साइट क्लीयरेंस संबंधी तकनीकी जानकारी मांगी है। डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने अधिकारियों के साथ अजगैवीनाथ धाम ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट साइट का दौरा किया। उन्होंने अजगैवीनाथ धाम-बरियारपुर मुख्य मार्ग के साथ ही मंझली बांध को ऊंचा करने का निर्देश दिया। इससे पूर्व, डीएम ने निरीक्षण के दौरान हवाई अड्डा के माप के संबंध में अंचल अमीन से जानकारी प्राप्त कर भौगोलिक स्थिति का अवलोकन किया। वहीं, मौके पर मौजूद अधिकारियों से डीएम ने उक्त वर्णित कार्य के क्रियान्वयन की दिशा में प्रगति के संबंध में कई अहम जानकारी प्राप्त की एवं उपयुक्त दिशा निर्देश दिए। डीएम ने अजगैवीनाथ धाम-तारापुर मुख्य मार्ग को क्रास कर रही निर्माणाधीन फोरलेन के समीप साइट निरीक्षण के बाद मंझली बांध का भी निरीक्षण किया। बताया गया कि बरसात के दिनों में ग्रीन फील्ड हवाई अड्डा के स्थल के निकट जल जमाव हो सकता है। अधिकारियों ने बताया कि अजगैवीनाथ धाम-मुंगेर मुख्य मार्ग पर गनगनियां के समीप गंगा का पानी सहायक नदियों के सहारे प्रवेश कर जाता है। डीएम ने अजगैवीनाथ धाम से बरियारपुर तक मुख्य मार्ग एवं मंझली बांध को ऊंचा करने की बात कही।

13 वर्षीय किशोर की मौत

मुजफ्फरपुर। जिले के मिठनपुरा थाना क्षेत्र के बीएमपी सिक्स के पास एक सड़क हादसे में 13 वर्षीय किशोर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य बच्चे घायल हुए। जानकारी के अनुसार, सभी बच्चे गांव की एक सीएनजी पिकअप वैन में ईंट ढोने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कुंदन कुमार, कोठिया गांव निवासी, की मौके पर मौत हो गई। अन्य घायल बच्चों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना के बाद गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया।स्थानीय लोग और परिजन मौके पर जमा हो गए। मृतक किशोर के परिजनों ने चीख-पुकार और हाहाकार मचाया।

संक्षिप्त डायरी

10वीं बार सीएम बनने के बाद नीतीश कुमार का पहला चंपारण दौरा, योजनाओं को लेकर किया निरीक्षण

मोतिहारी। सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 10वीं बार पद संभालने के बाद पहली बार पूर्वी चंपारण पहुंचे। उन्होंने जिले में पर्यटन, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जीविका समूह की महिलाओं से संवाद कर दस हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि से शुरू किए गए उनके रोजगार के बारे में जानकारी ली।मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे। सीएम ने करीब साढ़े सत्रह करोड़ रुपये की लागत से केसरिया बौद्ध स्तूप परिसर में निर्माणाधीन कैफेटेरिया का भी जायजा लिया, जो पर्यटकों की सुविधा के लिए बनाया जा रहा है इसके बाद उन्होंने राजपुर में निर्माणाधीन हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निरीक्षण किया, जहां आशा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने राजपुर के उच्च माध्यमिक विद्यालय में लगे स्टॉलों का निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं का आकलन किया। इसके साथ ही उन्होंने मध्य विद्यालय, केसरिया परिसर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण कर छात्राओं से शिक्षा एवं उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इधर, आशा कार्यकर्ताओं और जीविका समूह की महिलाओं ने मुख्यमंत्री से बातचीत कर उनका आभार व्यक्त किया।

परीक्षा देकर लौट रही छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म

सीतामढ़ी। जिले के बेलसंड थाना क्षेत्र के कोठी बाजार के समीप दिनदहाड़े स्कूल से परीक्षा देकर घर लौट रही छात्रा को अगवा कर तीन बदमाशों ने गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया है। छात्रा को गंभीर स्थिति में स्थानीय लोग और परिजन बेलसंड पीएचसी लेकर पहुंचे। वहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया, जहां आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। सूचना पर हरकत में आई पुलिस आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।बताया जा रहा है कि स्कूल से परीक्षा देकर घर लौटने के दौरान बदमाशों ने ऑटो में छात्रा को नशीला पदार्थ सुंघाकर अगवा कर लिया और झाड़ी में ले जाकर वारदात को अंजाम दिया। छात्रा की स्थिति खराब देखकर सभी आरोपी फरार हो गए। छात्रा की कराहने की आवाज सुनकर आसपास के लोग जुटे। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने लोगों की मदद से उसे पहले पीएचसी ले गए। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि वह परीक्षा देने गई थी। वापस लौटने के समय वह लापता हो गई। पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाई है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार ने अभी आवेदन नहीं दिया है। आवेदन आने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। अपराधियों को चिह्नित कर उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

घर लौटते वक्त मुखिया पति को मारी गोली, कारणों पर बना हुआ है सस्पेंस

नालंदा। बुधवार की शाम मुखिया पति को गोली मारने का मामला सामने आया है। घटना सरमेरा थाना क्षेत्र के चेरो गांव का है। गोली चेरो पंचायत के मुखिया पति दीनानाथ प्रसाद के जांघ में लगी है। परिजन जख्मी दीनानाथ प्रसाद को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल लेकर आए। फिलहाल इस मामले में परिजन कुछ भी बताने से इनकार कर रहे हैं। इस कारण वारदात के कारणों का पता नहीं चल पा रहा है। जांघ में गोली लगने के बाद दीनानाथ प्रसाद को सरमेरा पीएचसी परिजन के द्वारा ले जाया गया। जहां से बेहतर इलाज के लिए डॉक्टर के द्वारा बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल बिहार शरीफ से भी डॉक्टर के द्वारा हायर सेंटर मुखिया पति को रेफर कर दिया गया है। सदर डीएसपी वन नुरूल हक ने बताया कि पुलिस को यह सूचना प्राप्त हुई की चेरो पंचायत के मुखिया पति के पैर में गोली लगी है। सूचना मिलने के बाद थाना अध्यक्ष को चेरो गांव भेजा गया। जहां कुछ पता नहीं चल सका। थोड़े समय बाद मालूम चला कि सदर अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के द्वारा इलाज किया जा रहा था। जहां मालूम चला कि उनकी जांघ में जख्म है। जब वह घर लौट रहे थे। तभी गांव में ही खटाल के पास गोली चलने और उनके पैर में गोली लगने का एहसास हुआ। उनके साथ मौजूद उनके कुत्ते ने हमला भी किया। फिलहाल पूछताछ जारी और घटनास्थल पर सरमेरा थाना अध्यक्ष के द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है।

पटना के जानीपुर में पुलिस मुठभेड़

कुख्यात राकेश कुमार के पैर में गोली, हथियार बरामद, फरार साथी की तलाश तेज

पटना। पटना में एक बार फिर अपराध पर पुलिस की सख्ती देखने को मिली है। जानीपुर थाना क्षेत्र के बग्घा टोला में बुधवार की देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात राकेश कुमार घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए पटना एम्स भेजा गया। घटना के दौरान उसका दूसरा साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। घटना की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। एसएफएल की टीम को भी बुलाया गया, जिसने मौके से मिले साक्ष्यों और हथियारों की जांच की। पुलिस ने घटनास्थल से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद किए हैं। सूत्रों के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पिपरा थाना क्षेत्र के सहबाजपुर गांव का निवासी और कुख्यात अपराधी राकेश कुमार अपने एक साथी के साथ किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बनाने के लिए बग्घा टोला इलाके में आया है। राकेश हाल ही में एक बैंककर्मी से रंगदारी मांगने के मामले में भी चर्चा में था। सूचना मिलने के बाद एएसपी के नेतृत्व में जानीपुर पुलिस की टीम ने इलाके को चारों ओर से घेर लिया। खुद को घिरा देख राकेश ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में राकेश के पैर में गोली लगी और वह वहीं गिर पड़ा। पुलिस के अनुसार राकेश कुमार पर लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। उसका आपराधिक नेटवर्क पिपरा, बिक्रमगंज और आसपास के इलाकों में फैला हुआ बताया जाता है। पुलिस उसे कई दिनों से तलाश रही थी। उसके दूसरे साथी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है और पुलिस को उम्मीद है कि वह जल्द पकड़ा जाएगा। गौरतलब है कि 2025 में बिहार पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। पिछले छह महीनों में पटना जिले में आधा दर्जन से अधिक मुठभेड़ हो चुके हैं, जिनमें अपराधियों को भागने के दौरान पैरों में गोली मारकर पकड़ा गया है। फरवरी 2025 में कंकड़बाग में एसटीएफ और पुलिस की कार्रवाई में दो अपराधी घायल हुए थे। जुलाई में चंदन मिश्रा हत्याकांड के दो आरोपी एनकाउंटर में पकड़े गए, जबकि इसी महीने समस्तीपुर में सुमित उर्फ गुड्डू की हत्या और पटना में गोपाल खेमका हत्याकांड के आरोपी विकास उर्फ राजा के एनकाउंटर ने भी सुर्खियां बटोरी थीं। जानीपुर की घटना ने एक बार फिर साबित किया है कि पटना पुलिस अपराधियों को किसी भी कीमत पर बख्शने के मूड में नहीं

प्राइवेट पार्ट काटा, तेजाब डालकर आंखें निकाली : युवक की चाकू से गोद कर हत्या

छपरा। 55 साल के शख्स की निर्मम हत्या की गई। प्राइवेट पार्ट को चाकू से चीरने के साथ काटा गया। तेजाब डालकर दोनों आंखें निकाली गई। फिर चाकू गोद-गोद कर मारा गया है। मृतक की पहचान सूरज यादव (55) के रूप में हुई है। बुधवार की सुबह सूरज यादव का शव उनके कमरे में खून से लथपथ मिला है। वो अकेले रहते थे। करीब 10 साल पत्नी-बच्चे शहर वाले घर पर रहते हैं। घटना मांझी थाना क्षेत्र के सूरज यादव गांव के मांझी दक्षिण टोला में घटी है। अरुह कुमार आशिष के अनुसार, सूरज का गांव की एक महिला से अवैध संबंध चल रहा था। इसी वजह से उसकी हत्या हुई है। हालांकि, अभी तक हत्यारे का नाम सामने नहीं आया है। बुधवार की सुबह भतीजा सुजीत कुमार उन्हें खाना देने घर पहुंचे तो, पलंग पर मच्छरदानी लगी होने के बावजूद सूरज प्रसाद का शव फर्श पर नग्न हालत में मिला। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। कमरे की बारीकी से जांच की गई। मांझी थाना अध्यक्ष ने बताया, हत्या प्लानिंग के साथ की गई है। मृतक जिस कमरे में रहते थे, वह बगीचे के अंदर एक चारदीवारी से घिरा था। प्रथम दृष्टया लगता है कि अपराधी मृतक को अच्छी तरह जानते थे या लंबे समय से रेकी कर रहे थे। मृतक के भतीजे सुजीत कुमार ने बताया, कुछ दिनों से उनकी तबीयत खराब चल रही थी। इस वजह से मंगलवार की शाम हम चाचा जी को अस्पताल से दिखवा कर लाए थे। उन्हें बिस्तर पर लेटा दिया था, फिर मैं गांव में कुछ लोगों से बात करने चला गया। करीब एक घंटे बाद जब हम चाचा जी के पास गए तो वो बिस्तर पर नहीं मिले। मैंने दो-तीन बार आवाज भी लगाई, लेकिन उनके तरफ से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद मैं शहर के निकल गया। बुधवार की सुबह करीब 8 बजकर 20 मिनट पर मैं खाना लेकर चाचा जी के पास आया। उनके रूम में जैसे ही पहुंचा, चाचा जी बिस्तर से नीचे उल्टे लेटे मिले। उनको जैसे ही मैंने सीधा किया मैं देखकर दंग रह गया।

यू-डायस को लेकर विभाग हुआ सख्त

चार दिन में प्रोफाइल अपडेट करने का निर्देश

सुपौल। जिले में शिक्षा व्यवस्था, विद्यालयों की भौतिक संरचना, शिक्षकों की वास्तविक स्थिति और छात्र-छात्राओं की अद्यतन जानकारी को एकीकृत रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज करने हेतु यू-डायस 2025-26 को लेकर विभाग की ओर से सख्त निर्देश जारी किए गए हैं। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को आदेश दिया है कि जिले के सभी विद्यालयों में स्कूल प्रोफाइल, टीचर प्रोफाइल और स्टूडेंट प्रोफाइल सहित सभी मॉड्यूल की शत-प्रतिशत प्रविष्टि 15 दिसंबर तक हर हाल में पूर्ण कर ली जाए। निर्धारित तिथि के बाद पोर्टल बंद कर दिया जाएगा और कोई भी प्रविष्टि स्वीकार नहीं की जाएगी।डीपीओ ने राज्य परियोजना निदेशक में आयोजित राज्य स्तरीय बैठक का हवाला देते हुए कहा है कि स्कूल शिक्षा से जुड़े सभी प्रकार के डेटा राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के संचालन में आधारभूत भूमिका निभाते हैं। ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य की योजनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के अनुसार यू डायस प्लस का प्रोफाइल एवं फैसिलिटी मॉड्यूल विद्यालयों की आधारभूत संरचना जैसे भवन की स्थिति, कमरों की संख्या, शौचालय, पेयजल, विद्युत, पुस्तकालय, प्रयोगशाला एवं खेलकूद की सुविधाओं संबंधी विस्तृत डाटाबेस तैयार करता है, जिसके आधार पर राज्य स्तर से संसाधन आवंटित किए जाते हैं, इसलिए विद्यालयों को यह सुनिश्चित करना है कि वे सभी प्रविष्टियां पूरी तरह सत्य एवं अद्यतन उपलब्ध कराएं। टीचर प्रोफाइल मॉड्यूल के संबंध में जारी निर्देश में कहा गया है कि जिले के प्रत्येक सरकारी व सहायता प्राप्त विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों का विवरण पोर्टल पर अपलोड होना आवश्यक है। किसी भी शिक्षक की जानकारी गलत रहने से भविष्य में वेतन, पदस्थापन, प्रशिक्षण, प्रोमोशन, सेवाकाल संबंधी विवरण सहित कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसी प्रकार स्टूडेंट प्रोफाइल मॉड्यूल को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते हुए निर्देश दिया गया है कि सत्र 2025þ26 में नामांकित प्रत्येक छात्र-छात्रा की जानकारी जैसे नामांकन संख्या, आधार संख्या, सामाजिक वर्ग, दिव्यांगता, उपस्थिति, छात्रवृत्ति योग्यता आदि पूर्ण रूप से अद्यतन किया जाए। विभाग के अनुसार कई सरकारी योजनाएं जैसे पोषाहार, पोशाक योजना, साइकिल योजना, छात्रवृत्ति, निशुल्क पाठ्यपुस्तक आदि सीधे यू डायस प्लस के आंकड़ों पर निर्भर करती हैं। डीपीओ ने सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें और दैनिक प्रगति रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेजें। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों से जवाब-तलब किया जाएगा।

योगी बोले : जरूरतमंद के आवास-इलाज की व्यवस्था करेंगे

गोरखपुर में जनता दर्शन में सुनी 300 लोगों की समस्या

गोरखपुर। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर गुरुवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। करीब 200 लोग फरियाद लेकर पहुंचे। उन्होंने कहा- जरूरतमंद लोगों को आवास दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता दी जाएगी। उन्होंने कहा: सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और हर समस्या के प्रभावी समाधान के लिए संकल्पित है। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में मुख्यमंत्री पहुंचे और एक-एक कर लोगों की समस्याओं को सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और समाधान के लिए संबंधित प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को संदर्भित किया। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में एक महिला ने आवास की समस्या बताई। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास दिलाया जाएगा। इसे लेकर उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि सरकार की मंशा है कि हर जरूरतमंद के पास पक्का आवास हो। जनता दर्शन में एक महिला ने अपने पति की बीमारी में इलाज के लिए मदद की गुहार लगाई। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला को आश्वस्त किया कि वह अपने पति का अच्छे से इलाज कराएं, पैसे की व्यवस्था विवेकाधीन कोष से करा दी जाएगी। इलाज में आर्थिक मदद मांगने कई अन्य लोग भी आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग किसी की जमीन जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। एक महिला ने अपनी ही जमीन पर काबिज होने के संबंध में कुछ लोगों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने की समस्या पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि महिला को उनकी जमीन पर कब्जा दिलाया जाए। जनता दर्शन में सीएम योगी ने वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि किसी पात्र को योजनाओं का लाभ मिलने में अड़चन आ रही हो तो इसकी जांच जरूर करें कि किसी स्तर पर लापरवाही तो नहीं बरती गई। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

प्रांतीय रक्षक दल का 77 वा स्थापना दिवस मनाया गया

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर विकास खंड के कटेया मैनुद्दीन स्थित मिनी स्टेडियम में युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा प्रांतीय रक्षक दल का 77 वा स्थापना दिवस मनाया गया । मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय द्वारा परेड की सलामी ली गई तथा परेड कमांडर रामईश्वर कुशवाहा को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया । कार्यक्रम आयोजक प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी आदित्य कुमार चांद व बीओ पीआरडी / परेड प्रभारी विवेक कुमार गोंड , आदर्श नायक द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का माल्यार्पण कर, बैज लगाकर व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष ने विभाग जवानों के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। जवानों के ससम्मान मानदेय पर चर्चा करते हुए उन्हें सम्मान जनक मानदेय पर चर्चा की । विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी रामप्रवेश यादव ने विभाग की स्थापना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम प्रभारी आदित्य कुमार चन्द ने आभार व्यक्त किया। संचालन बीसी रामआश्रय कन्नौजिया द्वारा किया गया। इस दौरान दल अधिकारी गण विवेक कुमार गोंड, प्रमोद राय, रामाधार चौहान ,शिक्षक लालता राम, बीसी रामआश्रय कन्नौजिया, वीरेंद्र कुमार, रामनिवास चौहान, रमाशंकर सिंह, संतोष कुमार यादव, अक्षय कुमार कन्नौजिया, प्रमोद कुमार मालवी,आशुतोष दूबे, अमरनाथ, अजय कुशवाहा, शाखावत, नथुनी, मोतीलाल पीआरडी जवान उपस्थित रहे।

दीपक पांडेय बने भाजपा प्रांतीय परिषद सदस्य, हुआ स्वागत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने कुशीनगर विधानसभा क्षेत्र के गांव रमहवलिया निवासी दीपक पाण्डेय को प्रांतीय परिषद का सदस्य मनोनीत किया है। इस मनोनयन के बाद कुशीनगर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा उनका स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया। पूर्व ब्लाक प्रमुख पप्पू पाण्डेय और भाजपा नेता संजय शुक्ला के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दीपक पाण्डेय का माल्यार्पण कर और अंग वस्त्र भेंट कर सम्मान किया। पूर्व ग्रामप्रधान प्रेम प्रकाश दुबे ने उन्हें राम मंदिर की प्रतिमा भेंट की। प्रांतीय परिषद सदस्य श्री पाण्डेय ने कहा कि भाजपा ने उन्हें जो दायित्व सौंपा है, उसे वह हर संभव निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व जिला अध्यक्ष दुर्गेश राय के प्रति आभार जताया। इस कार्यक्रम में भाजपा नेता विपुल दुबे नवीहरवा महेंद्र तिवारी, अमित मिश्रा, कृपाशंकर पांडेय, व्यास दुबे, कमलेश, मनोज जायसवाल, महेंद्र जैसवाल, बृजेश जायसवाल अन्नू पांडेय, रविन्द्र, अनिरुद्ध पांडेय विपिन मिश्रा, शर्मा मिश्रा, गुड्डू बाबू, छोटे जैसवाल, शैलेन्द्र राय, दीपक चौबे, कलानिधि भूषण, नीरज शुक्ला, लालजी, सुरेंद्र मिश्रा, राम ज्ञान यादव उपस्थित रहे।

कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता गोष्ठी में दी गई जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। कृषि विभाग द्वारा मल्लुडीह में "कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसमें कृषि, पशुपालन एवं बागवानी से संबंधित उन्नत कृषि तकनीकी की जानकारी कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी। राजकीय कृषि बीज भण्डार, मल्लुडीह में आयोजित गोष्ठी में मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमरजीत यादव ने कहा कि कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ किसान लें। उप कृषि निदेशक अतींद्र सिंह ने कृषि सूचना तंत्र, उन्नत तकनीकी अपनाने पर चर्चा की। इसी क्रम में भूमि संरक्षण अधिकारी सुदीप सिंह ने भूमि की उर्वरा शक्ति की जांच और उपचार पर चर्चा की। संचालन खंड तकनीकी प्रबंधक कसया राज कुमार भाटिया ने किया। इस दौरान कर्मी परीक्षित सिंह, समरेंद्र मिश्रा, सपना शर्मा, नवीन कुमार के अलावा किसान जवाहर शर्मा, दयानंद, विनोद कुशवाहा, कृष्णानंद, मंसूर हसन, अशोक यादव आदि मौजूद रहे। कृषि वैज्ञानिक डॉ अरुण राय, डॉ कल्पना राय, उप प्रकाश मणि त्रिपाठी ने किसानों को उर्वरक प्रयोग में सावधानी, गेहूं बोआई का उचित समय, हरी खाद के प्रयोग एवं बीज शोधन से जुड़ी जानकारी प्रदान की। सहायक विकास अधिकारी कृषि राम नगीना कुशवाहा ने किसान जागरूकता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

रामगोपाल के हत्यारों को सुनाई गई सजा, सरफराज को फांसी

बहराइच। यूपी के बहराइच में रामगोपाल हत्याकांड मामले में दोषियों को सजा सुना दी गई है। दोषी सरफराज को फांसी की सजा सुनाई गई है। जबकि, नौ दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। साथ ही एक-एक लाख का जुमार्ना लगाया गया है। घटना 13 अक्तूबर 2024 की है। जब दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रामगोपाल की हत्या कर दी गई थी इससे पहले बुधवार को आए फैसले में अदालत ने मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद, उसके तीनों पुत्रों फहीम, सरफराज उर्फ रिंकू और तालिब उर्फ सबलू सहित 10 आरोपियों को दोषी ठहराया था। बृहस्पतिवार दोपहर बाद इन्हें कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। केस को लेकर कचहरी परिसर में सुबह से ही गहमागहमी रही। सजा का फैसला आने से पहले कचहरी परिसर में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। स्थानीय लोग, मृतक पक्ष के परिजन और वकील लगातार कोर्ट की कार्रवाई पर नजर रखे हुए थे। सभी की निगाहें अदालत द्वारा सुनाई जाने वाली सजा पर टिकी रहीं। फैसला आने के बाद लोगों में चर्चाएं तेज हो गईं।

सचिवालय में नौकरी के नाम पर ठग लिए 5 लाख

गोरखपुर। रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले छात्र के साथ 5 लाख की ठगी का मामला सामने आया है। जालसाजों ने सचिवालय में नौकरी दिलाने के नाम पर 5 लाख रुपये लिए। लखनऊ बुलाकर ट्रेनिंग भी कराई। इसके बाद 10 साल तक झूठ बोलकर छात्र को दौड़ाते रहे। पैसा वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने लगे। प्रज्ञानगर नई कालोनी निवासी देव प्रकाश पांडेय की तहरीर पर बुधवार को रामगढ़ताल थाने में पीपीगंज भरोहिया के प्रभाकर मिश्र उर्फ रिंकू, शाहपुर एल्युमिनियम फैक्ट्री कृष्णा नगर कालोनी निवासी अखिलेश दुबे और देवरिया के एकौना थाना क्षेत्र के रुकदट निवासी दुर्गेश पांडेय के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा लिखा गया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। देव प्रकाश पांडेय ने बताया कि वर्ष 2015 में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था। इस दौरान मेरे रिश्तेदार प्रभाकर मिश्र उर्फ रिंकू ने मुझे नौकरी दिलाने की बात कही। उन्होंने बताया कि सचिवालय में बहुत अच्छा जुगाड़ है। 5 लाख रुपये में नौकरी लग जाएगी। वहां एक चैनल के माध्यम से काम होता है। देव प्रकाश ने बताया कि प्रभाकर ने मेरी मुलाकात कृष्णा नगर कालोनी के अखिलेश दुबे से कराई। इसके बाद दोनों लोगों ने बताया कि सारी बातें हो गई हैं। यह कहते हुए सारे प्रमाण पत्र मांगे। मैंने उन्हें अपने सारे प्रमाण पत्रों की फोटो कॉपी दे दिया। 10 जून 2015 को अखिलेश और प्रभाकर घर पर आए। प्रभाकर ने कहा कि एक लाख रुपये तत्काल अखिलेश के खाते में डाल दीजिए। मैंने उनके खाते में पैसे भेज दिए। इसके बाद प्रभाकर ने अपने खाते में 49,500 रुपये जमा कराए। प्रभाकर और अखिलेश ने 14 जून 2015 को यूपी देस्को कंप्यूटर ऑपरेटर के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र दिए। जिसमें पेपर सत्यापन 30 जुलाई 2015 तक कराना था। नियुक्ति पत्र पर 8 अगस्त 2015 को नौकरी ज्वाइन करने की डेट लिखी थी। इसके बाद जल्दी-जल्दी जिला अस्पताल से मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाया। देव प्रकाश ने बताया कि प्रभाकर और अखिलेश ने बताया कि 3.50 लाख लेकर लखनऊ चलना है। वहां सचिवालय में देना पड़ेगा। इसके बाद 15 दिन की ट्रेनिंग कराई जाएगी। इसके बाद दोनों स्विफ्ट कार लेकर आए। उनके साथ कार से लखनऊ गया। वहां हुसड़िया चौराहे पर एक होटल में लेकर गए। सुबह होटल में देवरिया का दुर्गेश पांडेय आया। अखिलेश ने बताया कि दुर्गेश सचिवालय के अधिकारी हैं। कहने पर दुर्गेश को 3.50 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद दुर्गेश ने 15 दिन की ट्रेनिंग कराने के लिए कहा। लखनऊ के सीएमएस कॉलेज के बगल में एक कंप्यूटर सेंटर पर 3-4 दिन ट्रेनिंग दी गई। वहां पूछने पर पता चला कि यह फर्जी ट्रेनिंग है। इसके बाद मैंने प्रभाकर और अखिलेश को कॉल की। उनका फोन नहीं मिला। तब निराश होकर घर चला आया।

सेना कप के फाइनल मैच में कानपुर ने शिल्ड पर जमाया कब्जा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ द्वारा मान्यता प्राप्त कुशीनगर क्रिकेट अकादमी द्वारा बुद्ध इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर के क्रीड़ांगन में आयोजित सेना कप - 2025 स्व. सूबेदार मुसाफिर अली राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में कानपुर ने बनारस की टीम को हराकर फाइनल ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। गुरुवार को फाइनल मुकाबले में कानपुर की टीम के कप्तान अमन चौहान ने टास जीत कर पहले क्षेत्र रक्षण का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वाराणसी की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट गवाकर 225 रन बनाए। जिसमें टीम के कप्तान मोदस्सीर ने दो चौका और छः छक्के की मदद से सर्वाधिक 62 रन बनाए और चार ओवर में 55 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में उतरी कानपुर की टीम ने 17 ओवर चार गेंद में पांच विकेट के खोकर 227 रन बनाकर फाइनल मैच को जीत लिया। कानपुर के आदित्य दीक्षित ने चार ओवर में 39 रन देकर तीन विकेट लिए, जिन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार लखनऊ से अमन को दिया गया। अमन ने दो मैच में कुल 191 रन बनाए तो वहीं 4 विकेट भी लिए। मैच का उद्घाटन वृहद तिरंगे के बीच राष्ट्रीय गान और भाजपा नेता शैलेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर और परिचय प्राप्त कर हुआ। खेल मैदान में विजेता और उप विजेता टीम टीम को मुख्य अतिथि डॉ. प्रियेश त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल द्वारा दिया गया। इस दौरान आयोजक अजहर, सभासद गण ने दोनों टीमों के कप्तानों को शिल्ड, ट्राफी और खिलाड़ियों को मेडल व नकद पुरस्कार आदि देकर सम्मानित किया। केसीए के संचालक और आयोजक अजहर ने अतिथियों का माल्यार्पण कर और बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान अंशु मणि त्रिपाठी, सचिन पाठक, सभासद प्रभुनाथ सिंह, साबिर अली, सभासद प्रतिनिधि अजेंद्र कुमार सिंह, गुड्डू कुशवाहा, गिरिजेश सिंह, विजेंद्र सिंह भगत, एसआई विवेक पांडेय, पूर्व महामंत्री छात्र संघ अशोक सिंह, मुंसफ अली, अंपायर अमजद अली, फिरोज, स्कोरर विकास सिंह, उद्घोषक दिनेश कुमार सिंह चौहान, रण जी खिलाड़ी सहिम हसन, रवि शंकर, अतहर, प्रिंस पांडेय, नीरज शर्मा, उज्ज्वल, समीर, शुभम सहित खेल प्रेमी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

यूपी में एसआईआर की समय सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आयोग को भेजा था पत्र

लखनऊ। यूपी में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग से और समय मांगा गया है। इसे अब मंजूर कर दिया गया है। यूपी में अब एसआईआर की सीमा 31 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि इस संबंध में आयोग को पत्र भेज दिया था। ताकि मृतक, स्थानांतरित और अनुपस्थित मतदाताओं का पुनः सत्यापन कराया जा सके। रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 99.24 प्रतिशत गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। डिजिटाइज गणना प्रपत्रों में 18.85 प्रतिशत गणना प्रपत्र असंग्रहीत यानी मृतक, स्थाई रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं की श्रेणी में चिह्नित किए गए हैं। अभी तक 80.29 प्रतिशत गणना प्रपत्र मतदाता व उसके परिवार के अन्य सदस्य के हस्ताक्षर से वापस मिल चुके हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 18.85 प्रतिशत लगभग 2.91 करोड़ मतदाताओं के गणना प्रपत्र असंग्रहीत श्रेणी के हैं, जिसमें सर्वाधिक 8.22 प्रतिशत यानी लगभग 1.27 करोड़ स्थायी रूप से अपने निवास स्थान से स्थानांतरित मतदाता हैं। 2.98 प्रतिशत यानी लगभग 45.95 लाख मृतक मतदाता, 1.5 प्रतिशत यानी लगभग 23.69 लाख ऐसे मतदाता हैं, जो पहले से ही किसी और स्थान पर भी मतदाता हैं। 0.62 प्रतिशत या 9.58 लाख ऐसे मतदाता हैं, जिन्होंने गणना प्रपत्र लेकर अभी तक वापस नहीं किया। वहीं, 5.49 प्रतिशत यानी 84.73 लाख मतदाता अनुपस्थित हैं। मतदाताओं से अभी तक प्राप्त गणना प्रपत्रों की मैपिंग का काम 76 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है। यह मैपिंग वर्ष 2003 की मतदाता सूची से की गई है। उन्होंने सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मैपिंग के काम में और तेजी लाते हुए इसे जल्द से जल्द पूरा करें। उन्होंने कहा कि ऐसे मतदाता जिनका नाम वर्ष-2025 की मतदाता सूची में न होने से उनको गणना प्रपत्र नहीं प्राप्त हुए, उनसे फार्म-6 भरवाए जाएं। इसी तरह 1 जनवरी को 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे युवाओं को मतदाता बनने के लिए फार्म-6 भरवाए जाएं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 14 जिलों, 132 विधानसभा क्षेत्रों और 143509 मतदेय स्थलों में गणना प्रपत्रों के डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से मृतक, स्थाई रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित और दोहरी प्रविष्टि वाले मतदाताओं के सत्यापन में सहयोग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि सभी बूथ लेवल अधिकारी बैठककर अपने क्षेत्र के बूथ लेवल एजेंट को 12 दिसंबर तक असंग्रहीत मतदाताओं की सूची उपलब्ध कराएंगे। यह सूची मुख्य निर्वाचन अधिकारी और जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी।

भठही राजा की शिवांगी ने लहराया योग्यता का परचम

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। राष्ट्रीय अविष्कार क्विज प्रतियोगिता में यूपीएस में भठही राजा क्षेत्र हाटा जनपद एककुशीनगर की छात्रा शिवांगी ने 75 छात्र छात्राओं को पछाड़ती हुई प्रथम चक्र में 35अंक में 34 और दूसरे राउंड में 25अंक में 24अंक प्राप्त किया। बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा नामित पैनल द्वारा ब्लाक में प्रथम स्थान प्राप्त कर ब्लाक हाटा में अपनी योग्यता का परचम लहराया है। गौरतलब है कि बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा प्रत्येक वर्ष साइंस क्विज प्रतियोगिता आयोजित किया जाता है ,जिसमें न्यायपंचायत स्तरीय, ब्लाक स्तरीय ,जिला स्तरीय, मंडल स्तरीय के बाद प्रदेश चैंपियनशिप अयोजित किया जाता है। ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में ब्लाक में प्रथम-शिवांगी यूपीएस भठही राजा, आयुष यूपीएस बलरोली ,अंश यूपीएस खजहवा, प्रियंका यूपीएस औहिरौली तुलादास और सोनम यूपीएस धुसी ने क्रमशः स्थान प्राप्त किया । शिवांगी को ब्लाक विजेता बनने पर विद्यालय परिवार, गांव वासियों, जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र का नाम रोशन करने पर राजीव नयन द्विवेदी, प्रधानाध्यापक, प्रवीण राय, अमित कुमार सिंग, वीरेंद्र ,तेजप्रताप, राकेश कुमार, शमशीरा, रमावती, चंद्रशेखर, आरजू राय ब्लाक प्रमुख हाटा, पंचानंद पाठक विधायक, ममता मनी प्राचार्य, सीमा त्रिपाठी प्रोफेसर, कालिन्दी त्रिपाठी, महेंद्र पांडेय पूर्व प्राचार्य, हरिओम मिश्र, अखिलेश कुमार सिंह बी ईओ हाटा, अमितेश कुमार, विजयपाल राम त्रिपाठी,अशोक यादव, डॉक्टर विनोद राय सचिव मा शि संघ ने बधाई दी।

आजम खां को कोर्ट से राहत, सेना पर विवादित बयान में बरी, बेटे के साथ रामपुर जेल में है बंद

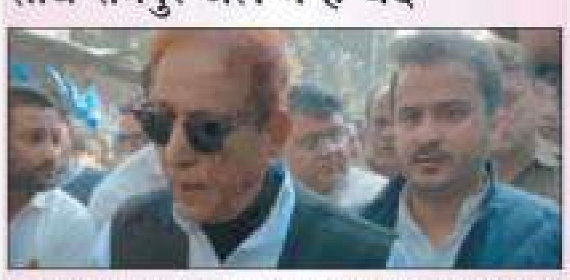

रामपुर। सेना पर विवादित बयान के मामले में आजम खां को कोर्ट से राहत मिल गई है। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सपा नेता को दोषमुक्त करार दिया है। यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को सिविल लाइंस कोतवाली में दर्ज कराया था।आरोप था कि आजम खां सपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे और इसी दौरान उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयान दिया। पुलिस ने जांच पूरी कर आजम खां के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। यह मामला एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट (मजिस्ट्रेट ट्रायल) में चला। इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में हुई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आजम खां को बरी कर दिया है। 13 मामलों में आ चुका है फैसला, सात में हो चुकी है सजा सपा नेता आजम खां पर 84 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से 13 मामलों में कोर्ट फैसला सुना चुका है। इनमें से सात मामलों में उन्हें सजा हो चुकी है, जबकि शेष मामलों में वह बरी हो चुके हैं। दो पैन कार्ड मामले में सपा नेता आजम खां अपने बेटे अब्दुल्ला आजम के साथ सात साल की सजा काट रहे हैं। कोर्ट ने दोनों पिता-पुत्र को दो पैन कार्ड मामले में सात-सात साल की सजा सुनाई है। अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट मामले में भी सजा दी जा चुकी है। फिलहाल दोनों रामपुर जेल में बंद हैं।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, एक्सिस म्यूचुअल फंड ने आज एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक ओपन-एंडेड फंड ऑफ फंड्स स्कीम है, जो गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स की यूनिट्स में निवेश करेगी। न्यू फंड ऑफर 10 दिसंबर 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 22 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस न्यू फंड के लॉन्च पर बोलते हुए, एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ श्री बी. गोपकुमार ने कहा- सोना और चांदी ऐतिहासिक रूप से मुद्रास्फीति और मुद्रा अस्थिरता के खिलाफ प्रभावी सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं और पोर्टफोलियो को विविधता देने में सहायता करते हैं। एक्सिस गोल्ड एंड सिल्वर पैसिव फंड ऑफ फंड के माध्यम से, हम निवेशकों को इन कीमती धातुओं में एक्सपोजर प्राप्त करने का सरल और किफायती तरीका दे रहे हैं, वह भी फिजिकल स्वामित्व की जटिलताओं के बिना।

पब्लिक ऑफर के माध्यम से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की योजना बना रही है

अहमदाबाद एजेंसी। एक्सआरएस अलुग्लेज़ लिमिटेड, जो एल्युमिनियम उत्पादों के डिज़ाइन, निर्माण और इंस्टॉलेशन में संलग्न है, अपनी पब्लिक ऑफर से 50.92 करोड़ रुपये तक जुटाने की तैयारी में है। यह पब्लिक ऑफर 11 दिसंबर 2025 को खुलेगा और 15 दिसंबर 2025 को बंद होगा। इस ऑफर के लीड मैनेजर व्यूमएक्स़ेटिव कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड हैं। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। 50.92 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 53.04 लाख इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से बना है, जिसमें 2.748 लाख शेयरों का मार्केट मेकर पोर्शन शामिल है। सार्वजनिक निवेशकों को कुल 50.29 लाख इक्विटी शेयर पेश किए जाएंगे, जिनका फेस वैल्यू 10 रुपये है, और प्राइस बैंड 94-96 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इश्यू से प्राप्त शुद्ध आय में से 18.30 करोड़ रुपये राजोडा, अहमदाबाद में फसाड वर्क के लिए असेंबली और ग्लास ग्लेज़िंग लाइन स्थापित करने हेतु फंडिंग कैपिटल पर खर्च किए जाएंगे, 19 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल की जरूरतों के लिए उपयोग होंगे, और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रहेगी। रिटेल श्रेणी में कुल 17.85 लाख शेयर उपलब्ध हैं।

नया ट्रेंडसेटर एक्सयूवी700 की विरासत को आगे बढ़ाने को तैयार

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एसयूवी निर्माता, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज प्रीमियम एसयूवी सेगमेंट में अपनी अगली बड़ी पेशकश— एक्सयूवी 7एक्सओ —के नाम की घोषणा की। एक्सयूवी700 की विरासत पर बनी, जिसने सिर्फ चार वर्षों में 300,000 से अधिक गर्वित मालिकों के साथ भारत में एसयूवी सेगमेंट में क्रांति ला दी थी, एक्सयूवी 7एक्सओ उन सभी चीजों को ऊपर उठाती है जिसने एक्सयूवी700 को गेमचेंजर बनाया था। प्रेरित करने के लिए तैयार की गई और रोमांच पैदा करने के लिए इंजीनियर की गई, यह एक्सयूवी700 की सिद्ध खूबियों को बेहतरीन डिज़ाइन, टेक्नोलॉजी, कम्फर्ट और परफॉर्मेंस के साथ जोड़ती है—एक ऐसी एसयूवी प्रदान करती है जो न केवल विकसित हुई है, बल्कि वास्तव में असाधारण है।

घरों की कीमतें दो वर्षों में छह फीसदी की दर से बढ़ेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। मकानों की कीमतें दो वर्षों में 6 फीसदी की दर से बढ़ेंगी। लेकिन वर्तमान में बाजार को गति देने वाले लग्जरी क्षेत्र में तेजी पांच वर्षों में समाप्त हो जाएगी। घरों की औसत कीमतें पिछले दशक में दोगुनी से भी ज्यादा बढ़ी हैं। पिछली तिमाही की तुलना में थोड़ी कमजोर रही। सर्वे के मुताबिक, ये पूर्वानुमान भारत में 8.2 फीसदी की आर्थिक वृद्धि की पृष्ठभूमि में आए हैं, जिसने अधिकांश समकक्षों को पीछे छोड़ दिया है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस तेजी का लाभ असमान रूप से उच्च आय वालों को मिला है।

ट्रूकॉलर ने पूरे परिवार को फ़ोन पर होने वाले स्कैम से बचाने के लिए लॉन्च किया फैमिली प्रोटेक्शन

फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है

मुंबई, एजेंसी। ट्रूकॉलर ने आज एक नए और बेहद महत्वपूर्ण फीचर, यानी फैमिली प्रोटेक्शन के लॉन्च की घोषणा की, ताकि परिवार अपने अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करके इस डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें। फैमिली प्रोटेक्शन सीधे एंड्रॉइड और आईओएस पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मौजूद है, जिससे यूजर्स को भरोसेमंद फैमिली ग्रुप बनाने की सुविधा मिलती है ताकि उन्हें स्कैम और अनचाहे कॉल से तुरंत सुरक्षा मिल सके। एंड्रॉइड की बात करें, तो फैमिली एडमिनिस्ट्रेटर को उस फैमिली ग्रुप के दूसरे सदस्यों के फोन पर आने वाले संभावित स्कैम कॉल का अलर्ट मिल सकता, और वो ऐसे कॉल को दूर बैठे ही बंद कर सकता है।

इस मौके पर ट्रूकॉलर के सीईओ, ऋषित झुनझुनवाला ने कहा, ट्रूकॉलर का इस्तेमाल तो परिवार के सदस्य पहले से ही कर रहे हैं, और अब हमने परिवार के सीटीओ को यह सुविधा उपलब्ध कराई है कि वे कम तकनीकी समझ वाले सदस्यों की भी सुरक्षा कर सकें। धीरे-धीरे स्कैम के तरीके बदल रहे हैं, इसलिए हम ट्रूकॉलर को ऐसा प्लेटफॉर्म बनाना चाहते हैं, जिस पर परिवार मन की शांति और एहतियाती सुरक्षा के लिए भरोसा करें। फैमिली प्रोटेक्शन के जरिये ज़्यादा-से-ज़्यादा पाँच लोग ही एक भरोसेमंद फैमिली ग्रुप में जुड़ सकते हैं, जहाँ शेयर किए गए टूल्स उन्हें स्कैम कॉल से सुरक्षित रहने में मदद करते हैं। हर ग्रुप में एक फैमिली एडमिन होता है, जो प्रोटेक्शन लेवल सेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट को मैनेज कर सकता है, साथ ही अनचाहे कॉल्स को संभालने के बारे में भी निर्देश दे सकता है। एंड्रॉइड की बात करें, तो एडमिन संदिग्ध कॉल आने पर रियल-टाइम सपोर्ट टूल्स का इस्तेमाल करके भी कार्रवाई कर सकता है। इसका उद्देश्य बेहद सरल है- टेक्नोलॉजी की कम जानकारी रखने वाले अपनों के लिए स्कैम कॉल्स से बचाव को आसान बनाना, क्योंकि स्कैम कॉल के तरीके लगातार बेहतर हो रहे हैं। फैमिली प्रोटेक्शन में फैमिली एडमिन को पूरे ग्रुप में सुरक्षा बनाए रखने के लिए टूल्स का एक सेट मिलता है। फैमिली एडमिन सुरक्षा के स्तर तय कर सकता है और उसे अपडेट कर सकता है, ब्लॉकलिस्ट संभाल सकता है और जरूरत के समय रिमोट सपोर्ट टूल का इस्तेमाल कर सकता है। एंड्रॉइड पर, एडमिन को संभावित स्कैम कॉल के दौरान अलर्ट भी मिल सकता है, दूर से ही फैमिली ग्रुप में आने वाले संदिग्ध कॉल की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 426, निफ्टी 140 अंक ऊपर आया

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिलेजुले संकेतों के बाद भी ऑटो और मेटल शेयरों में खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 426.86 अंक बढ़कर 84,818.13 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 140.55 अंक ऊपर आकर 25,898.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ऑटो और मेटल शेयरों में सबसे अधिक उछला आया। निफ्टी ऑटो 1.11 फीसदी और निफ्टी मेटल 1.06 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 570.30 अंक बढ़कर 59,578.05 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 137.90 अंक ऊपर आकर 17,228.05 पर बंद हुआ । सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एमएंडएम, ट्रेंट, एचसीएल टेक और एचयूएल के शेयर लाभ में रहे जबकि एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन और बजाज फिनसर्व के शेयर गिरे। मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को सपाट खुला। सुबह 9-18 पर सेंसेक्स 12 अंक की मामूली गिरावट के साथ 84,379 और निफ्टी 2 अंक की कमजोरी के साथ 25,762 पर था। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने दिन की शुरुआत 84,456 अंकों पर की। हालांकि खुलते ही इसमें हल्की कमजोरी और तेजी का दौर दिखा वह मात्र 16.36 अंकों की मामूली बढ़त के साथ 84,407.63 पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह निफ्टी 25,771 पर खुलने के बाद शुरुआती व्यापार में उतार-चढ़ाव दिखाया। सुबह निफ्टी 31.80 अंकों की बढ़त लेकर 25,789.80 पर पहुंच गया। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के लगातार तीसरी बार 0.25 फीसदी की ब्याज दर कटौती से भी बाजार पर प्रभाव पड़ा है।

भारत की विश्व कप जीत का जश्न तनिष्क एक्सचेंज के माध्यम से भारत के अपने सोने के साथ मनाया

मुंबई, एजेंसी।
भारत का सबसे बड़ा ज्वेलरी रिटेल ब्रांड और टाटा समूह का एक हिस्सा, तनिष्क भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ऐतिहासिक जीत का जश्न मना रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपने अटूट कौशल, दृढ़ संकल्प और साहस का प्रदर्शन करते हुए पूरे देश की उम्मीदों को पूरा किया। उनकी यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं बल्कि साहस, दृढ़ता, टीम वर्क, और पूरे भारत में महिलाओं की असीमित क्षमता को दर्शाती है। बाधाओं को तोड़कर और देश भर की युवा लड़कियों को प्रेरित करके, भारतीय महिला क्रिकेट टीम राष्ट्रीय गौरव का एक सच्चा प्रतीक बन गई है। उनकी इस जीत ने पूरे देश में प्रशंसा और खुशी की लहर पैदा कर दी है।

दशकों से, तनिष्क ने पूरे भारत में महिलाओं की कहानियों और उन्होंने हासिल किए हुए पड़ावों को दर्शाया है। अपनी स्थापना से लेकर आज तक, यह ब्रांड हर महिला की यात्रा को सशक्त बनाने और समर्थन देने के लिए खड़ा रहा है। इसी भावना में, भारतीय महिला क्रिकेट टीम के तनिष्क ब्रांड द्वारा किए जा रहे सम्मान ने एक विशेष रूप लिया है। तनिष्क ने देश भर के परिवारों द्वारा एक्सचेंज किए गए सोने से बनी अंगूठियों के माध्यम से उन्हें सम्मानित किया है। यह अंगूठियाँ प्रत्येक भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी को उनकी उल्लेखनीय जीत के उपलक्ष्य में उपहार में दी गईं। यह एक सार्थक भाव है जो भारतीय घरों को उन महिलाओं से जोड़ता है जिन्होंने देश को गौरवान्वित किया, यह भारत का ही एक हिस्सा है जिसे भारतीय विजेताओं के लिए फिर से तैयार किया गया है। टाइटन कंपनी लिमिटेड के ज्वेलरी डिवीजन के सीईओ, श्री अजॉय चावला ने कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने देश को ऐसा गौरव प्रदान किया है जिसे आने वाली कई पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। उनका धैर्य, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से उन्होंने 1.4 अरब लोगों की उम्मीदों को पूरा किया, वह यकीनन असाधारण है। तनिष्क की ये अंगूठियाँ उनकी भावना, प्रतिबद्धता और सफलता का सम्मान करने का हमारा तरीका है – इन्हें उस रिसाइकल्ड सोने से बनाया गया है जिसे लाखों ग्राहकों ने हमारे पास एक्सचेंज किया है। हर एक अंगूठी में देश का एक हिस्सा शामिल है, ठीक वैसे ही जैसे टीम देश का गौरव अपने दिल के करीब रखती है।

इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस ने सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी निजी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों में से एक इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (जो पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जानी जाती थी) ने आज सिट्रोइन इंडिया के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी ग्राहकों को अधिक सुविधा, भरोसा और सुरक्षा देने के लिए की गई है, ताकि हर सिट्रोइन ग्राहक पहले दिन से ही निश्चिंत ड्राइविंग का अनुभव कर सके। इस साझेदारी के जरिए हम ग्राहकों को अनोखी लचीलापन और विकल्प दे रहे हैं, जिसमें कस्टमाइज्ड मोटर इंश्योरेंस समाधान की व्यापक रेंज शामिल है। अभिनव कवरेज विकल्पों से लेकर आसान, डिजिटल-फर्स्ट क्लेम प्रक्रियाओं तक हम पूरे ओनरशिप अनुभव में गति, पारदर्शिता और पूर्ण मानसिक शांति सुनिश्चित करते हैं। हम अपना मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्राहक-प्रथम दृष्टिकोण लेकर आ रहे हैं, जो तेज़, कैशलेस क्लेम सेटलमेंट और पूरे भारत में प्रभावी सर्विस सपोर्ट सुनिश्चित करता है। चाहे ग्राहक शहरी क्षेत्र में हों या दूरदराज़ के इलाके में, अब सिट्रोइन मालिकों को तेज़ सेवा, कम तनाव और अनावश्यक देरी के बिना मदद मिलेगी। साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए इंडसइंड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (पहले रिलायंस जनरल इंश्योरेंस) के सीईओ राकेश जैन ने कहा- हम सिट्रोइन इंडिया के साथ साझेदारी करके ग्राहकों को बेहतर सुरक्षा और सुविधा प्रदान करने के लिए उत्साहित हैं। अपनी डिजिटल-फर्स्ट अप्रोच और विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से, हमारा लक्ष्य इंश्योरेंस को सिर्फ एक आवश्यकता नहीं, बल्कि एक मूल्य-वर्धित अनुभव बनाना है, जो कार ओनरशिप को और बेहतर करे।

बोधि ट्री का एच1 एफवाय26 में 185 प्रतिशत मुनाफ़ा उछाल

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी कंटेंट प्रोडक्शन कंपनियों में से एक, बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड , जिसने टीवी और डिजिटल दुनिया में कई हिट शो दिए हैं, ने क्यू2 एफवाय26 और एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम जारी कर दिए हैं। बोधि ट्री मल्टीमीडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री मौलिक तोलिया ने कहा- इस तिमाही में हमारी मजबूत वृद्धि का सिलसिला जारी रहा है। यह हमारी क्रिएटिव टीम की क्षमता और ब्रॉडकास्टर्स व ओटीटी पार्टनर्स के हमारे प्रति बढ़ते विश्वास का स्पष्ट संकेत है। ,प्रम के साथ हमारी हालिया साझेदारी ने उद्योग में हमारी स्थिति को और सुदृढ़ किया है और प्रीमियम कहानी कहने के लिए एक बड़ा कैनवास उपलब्ध कराया है। कुछ क्षेत्रों में आधार थोड़ा नरम रहने के बावजूद, बेहतर दक्षता और बेहतर निष्पादन के कारण हमारा समग्र प्रदर्शन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

चंदन हेल्थकेयर का एच1 एफवाय26 में 137 राजस्व, 16 शुद्ध लाभ

लखनऊ, एजेंसी। चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड उत्तर भारत के डायग्नोस्टिक्स क्षेत्र में सशक्त और अग्रणी कंपनियों में से एक, ने एच1 एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है। चंदन हेल्थकेयर लिमिटेड के प्रमोटर और प्रबंध निदेशक श्री अमर सिंह ने कहा- एच1 एफवाय26 ने मजबूत वृद्धि का दौर दर्शाया, जिसमें राजस्व 23.38 प्रतिशत बढ़कर 137 करोड़ हो गया और लाभप्रदता भी मजबूत बनी रही। यह प्रदर्शन लगातार वॉल्यूम वृद्धि, बेहतर व्यवसाय मिश्रण और शिस्तबद्ध लागत प्रबंधन से समर्थित रहा। विस्तार की गति और बढ़ती डायग्नोस्टिक वॉल्यूम ने मार्जिन और समग्र वित्तीय प्रदर्शन को और मजबूत किया। साल की पहली छमाही में, हमने पटना, लखनऊ और अयोध्या जैसे शहरों में नए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक केंद्र खोले और अपने चंदन मेडिकल सेंटर नेटवर्क का विस्तार जारी रखा, जिससे अधिक समुदायों तक पहुँच संभव हुई।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 42 पैसे की गिरावट के साथ ही 89.92 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 17 पैसे टूटकर 90.11 पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में

रुपया 89.95 पर खुला था। यह पिछले बंद भाव 89.87 के मुकाबले कमजोरी दर्शाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाजार में जोखिम से बचने की भावना और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग ने रुपये को कमजोर किया। इसके अलावा घरेलू शेयर बाजारों में नरमी और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी भी गिरावट के लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। निवेशक अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के संकेतों का इंतजार कर रहे हैं। अगर सकारात्मक संकेत मिले, तो आने वाले दिनों में रुपये को मजबूती मिल सकती है। फिलहाल, बाजार में रुपये पर दबाव बना हुआ है।

एफएआई सेमिनार 2025 में इंटीग्रेटेड न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट होगा केंद्र बिंदु

भारत की जलवायु स्मार्ट खेती की प्रगति को मिलेगी गति

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारतीय उर्वरक संघ (एफएआई 10 से 12 दिसंबर तक अपना वार्षिक सेमिनार 2025 नई दिल्ली में आयोजित करेगी। इसका उद्घाटन माननीय केमिकल्स एवं फर्टिलाइजर्स तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा किया जाएगा। 'हरे भविष्य के लिए उर्वरक प्रबंधन- किसानों के सशक्तिकरण को गति' विषय पर आधारित यह सेमिनार उर्वरक उद्योग के लिए एक वैश्विक मंच होगा, जहाँ प्रमुख नीतिनिर्माता, वैज्ञानिक और उद्योग से जुड़े विशेषज्ञ एक साथ मिलकर सस्टेनेबल न्यूट्रिएंट मैनेजमेंट और किसान-केंद्रित विकास के अगले चरण पर चर्चा करेंगे।

इस कार्यक्रम में माननीय राज्य मंत्री सुश्री अनुप्रिया पटेल और उर्वरक विभाग के सचिव श्री रजत कुमार मिश्रा भी शामिल होंगे। इनके साथ ही तकनीकी प्रदाता, पर्यावरण विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि और किसान प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में चार तकनीकी सत्रों और सोलह प्रस्तुतियों के दौरान भारत और विदेश से आए प्रतिनिधि उर्वरक नीति, पोषक तत्व दक्षता, हरित उत्पादन के नए तरीकों और नवाचारों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस कार्यक्रम पर टिप्पणी करते हुए, एफएआई के चेयरमैन और कोरोमंडल इंटरनेशनल के एमडी एवं सीईओ, श्री एस. शंकरसुब्रमण्यम ने कहा, जब भारत खाद्य सुरक्षा को मज़बूत करने के साथ-साथ सतत विकास के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है, ऐसे समय में उर्वरक क्षेत्र एक बड़े बदलाव के मोड़ पर खड़ा है। एफएआई का वार्षिक सेमिनार संवाद और ज्ञान-साझा करने के लिए एक व्यापक मंच प्रदान करता है, ताकि हरित और बेहतर पोषक प्रबंधन की दिशा तय की जा सके। उर्वरक उद्योग संसाधनों का बेहतर उपयोग करके और संतुलित पोषण को बढ़ावा देकर नवाचार और सस्टेनेबिलिटी को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही, यह उर्वरक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। हम अपने लक्ष्यों को देश की कृषि जरूरतों के अनुरूप रखते हुए विकास, मजबूती और लंबे समय की खाद्य सुरक्षा को आगे बढ़ाते रहेंगे। भारत का उर्वरक उद्योग देश की खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। वर्ष 2024-25 में घरेलू उत्पादन 51 मिलियन टन तक पहुँच गया है, जो दस साल पहले 38 मिलियन टन था। देश में 150 से अधिक कंपनियाँ कुल पोषक तत्वों की आवश्यकता का लगभग तीन-चौथाई पूरी करती हैं, जबकि शेष भाग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। नई तकनीकों को अपनाकर– जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन अमोनिया जैसी पहलें शामिल हैं–वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत की है। भारत में 14 करोड़ से अधिक किसान परिवार उर्वरक का उपयोग करते हैं, और देश की उर्वरक खपत लगभग 70 मिलियन टन है, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। सिंचाई का दायरा बढ़ने, किसानों का अधिक मूल्य वाले फसलों की ओर रुझान बढ़ने और मिट्टी के स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने से पोषक तत्वों की मांग लगातार बढ़ रही है।

लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड- रेनालिक्स को मिला क्लास सी विश्व की पहली एआई आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस

मुंबई, एजेंसी। लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने भारत के मेड-टेक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन से क्लास इ श्रेणी की विश्व की पहली एआई-आधारित स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीनें बनाने का लाइसेंस मिला है। यह एक अहम कदम है जो जीवन बचाने वाली हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी में देश की आत्मनिर्भरता को मजबूत करता है।

यह उपलब्धि और भी ऐतिहासिक हो जाती है क्योंकि लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड- रेनालिक्स को अब विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सीई मार्किंग भी मिल गई है, जिससे यह डायलिसिस सिस्टम के लिए यह सर्टिफिकेशन पाने वाला दुनिया भर में सिर्फ छठा ब्रांड बन गया है। सीई मार्किंग यह पक्का करती है कि प्रोडक्ट यूरोपियन यूनियन के स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा के उच्चतम मानकों को पूरा करता है, जिससे पूरे यूरोपियन इकोनॉमिक एरिया में कानूनी तौर पर इसकी पहुँच संभव हो जाती है।

क्लास इ वर्ल्ड की पहली एआई-बेस्ड स्मार्ट हेमोडायलिसिस मशीन बनाने का लाइसेंस मिलना भारत के मेड-टेक सिस्टम में सबसे मुश्किल रेगुलेटरी उपलब्धियों में से एक है। क्लास इ डिवाइस हाई-रिस्क, जीवन बचाने वाली कैटेगरी में आते हैं, जिसका मतलब है कि इंजीनियरिंग या प्रोसेस में थोड़ी सी भी गड़बड़ी सीधे मरीज की जान पर असर डाल सकती है। यह लाइसेंस पाने के लिए, कंपनियों को लगभग 140 से ज्यादा क्वालिटी, सेफ्टी और रिस्क-मैनेजमेंट पैरामीटर पर पूरी तरह से कम्प्लायंस दिखाना होता है, जिसमें बायो-कम्पैटिबिलिटी प्रूफ, इलेक्ट्रोमैकेनिकल सेफ्टी वैलिडेशन, स्टेरिलिटी एश्योरेंस, हर कंपोनेंट की ट्रेसिबिलिटी, सख्त डॉक्यूमेंटेशन और मल्टी-स्टेज प्लांट ऑडिट शामिल हैं। बहुत कम मैन्युफैक्चरर इस कैटेगरी में कोशिश करते हैं क्योंकि अप्रूवल का स्टैंडर्ड ग्लोबल रेगुलेटरी स्टैंडर्ड के बराबर है। इसलिए यह सर्टिफिकेशन बहुत जरूरी है- यह वह ऑफिशियल ऑथराइजेशन है जो लॉर्ड्स मार्क इंडस्ट्रीज लिमिटेड को देश में ही एडवांस्ड रीनल-केयर इक्विपमेंट बनाने, इम्पोर्टेड मशीनों पर देश की निर्भरता कम करने और यह पक्का करने की अनुमति देता है कि भारत का डायलिसिस इंफ्रास्ट्रक्चर ग्लोबल स्टैंडर्ड वाली, पूरी तरह से कम्प्लायंट, जीवन बचाने वाली टेक्नोलॉजी से सपोर्टेड हो।

माइक्रोसॉफ्ट भारत में 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने को लेकर उत्साहित : सत्य नडेला

बेंगलुरु। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्य नडेला ने गुरुवार को कहा कि कंपनी बड़े बुनियादी ढांचे में निवेश के साथ भारत के कृत्रिम मेधा (एआई) इकोसिस्टम के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट के यहां आयोजित कार्यक्रम में सत्य नडेला ने कहा कि हम भारत में निवेश करने को लेकर बहुत उत्साहित हैं, ताकि हम यहां सर्वश्रेष्ठ श्रेणी का बुनियादी ढांचा ला सकें। यह 17.5 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश है। नडेला ने इसे एशिया में माइक्रोसॉफ्ट का सबसे बड़ा निवेश बताया। उन्होंने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड क्षेत्र में अपनी उपस्थिति को मजबूत कर रहा है और एआई-संचालित भविष्य के लिए लाखों भारतीयों को कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन ने अपने संबोधन में देशभर में कंपनी के क्लाउड नेटवर्क के तेजी से विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे पास दुनियाभर में 70 से अधिक डेटा सेंटर क्षेत्र हैं। नडेला ने कहा कि भारत में हमारी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है।

मिलियन टन था। देश में 150 से अधिक कंपनियाँ कुल पोषक तत्वों की आवश्यकता का लगभग तीन-चौथाई पूरी करती हैं, जबकि शेष भाग आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। नई तकनीकों को अपनाकर– जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन अमोनिया जैसी पहलें शामिल हैं–वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अपनी पकड़ मजबूत की है। भारत में 14 करोड़ से अधिक किसान परिवार उर्वरक का उपयोग करते हैं, और देश की उर्वरक खपत लगभग 70 मिलियन टन है, जो चीन के बाद दूसरे स्थान पर है। सिंचाई का दायरा बढ़ने, किसानों का अधिक मूल्य वाले फसलों की ओर रुझान बढ़ने और मिट्टी के स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देने से पोषक तत्वों की मांग लगातार बढ़ रही है।

अमेरिका ने पाक पर लगाया करोड़ों डॉलर का दाँव, बलूचिस्तान के बारूद पर बैठकर सोना खोदेंगे ट्रंप !

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबाझसोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है।

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान के सबसे अस्थिर और विद्रोह-ग्रस्त प्रांत बलूचिस्तान में स्थित रिकोडिक (Rako Diq) तांबा-सोना खदान के लिए 1.25 अरब डॉलर के यूएस EXIM बैंक वित्तपोषण को मंजूरी दे दी है। यह वही परियोजना है जिसे वर्षों से सुरक्षा संकट, राजनीतिक विवाद और बलूच विद्रोहियों की हिंसा ने कभी आगे बढ़ने नहीं दिया। इस निवेश के साथ निकट भविष्य में 2 अरब डॉलर तक की अमेरिकी मशीनरी और सेवाएं पाकिस्तान भेजी जाएंगी। अमेरिकी चार्ज द'अफेयर्स नटाली बेकर ने कहा है कि यह परियोजना अमेरिका के लिए 6,000 और बलूचिस्तान में 7,500 नौकरियाँ उत्पन्न करेगी। उन्होंने रिकोडिक को दोनों देशों के लिए लाभकारी आदर्श मॉडल बताया है।

हम आपको बता दें कि रिकोडिक दुनिया के सबसे बड़े अविकसित तांबा-सोना भंडारों में से एक है। माना जाता है कि यहां 15 मिलियन टन तांबा और 26 मिलियन औंस सोना है। कनाडा की दिग्गज कंपनी बैरिक गोल्ड पहले ही 2028 तक उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य तय कर चुकी है। इस परियोजना का 50% मालिकाना बैरिक के पास है, जबकि पाकिस्तानी संघीय व बलूचिस्तान सरकार के पास 25-25% हिस्सेदारी है। रिपोर्टों के अनुसार इस परियोजना से 37 वर्षों में 70 अरब डॉलर से अधिक मुक्त नकदी प्रवाह उत्पन्न होने की संभावना है।

हालाँकि, सुरक्षा खतरे सबसे बड़ी चुनौती बने हुए हैं। बलूच विद्रोही गुट लगातार सेना, खनन परियोजनाओं और विदेशी निवेश पर हमले करते रहे हैं। हाल ही में बलूच नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि कोई भी विदेशी निवेशक बलूचिस्तान के कब्जे को वैधता देने की गलती नहीं करे। बलूच नेशनल मूवमेंट के अध्यक्ष नसीम बलूच ने इसे बलूच जनता की संपत्ति पर पाकिस्तानी कब्जे को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। इसी बीच विश्व बैंक की कथा, एशियन डेवलपमेंट बैंक और अन्य वैश्विक उधारदाता 2.6 अरब डॉलर से अधिक का वित्त पैकेज जोड़ रहे हैं। साथ ही सऊदी अरब की मनारा मिनरल्स भी 10-20% हिस्सेदारी खरीदने पर बातचीत कर रही है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या पाकिस्तान इतने लंबे समय तक सुरक्षा, बुनियादी ढाँचे और राजनीतिक स्थिरता की गारंटी दे पाएगा? देखा जाये तो अमेरिकी निवेश ऐसे समय में आया है जब वाशिंगटन चीन-प्रभुत्व वाली खनिज आपूर्ति शृंखलाओं से बाहर निकलने के लिए नए स्रोत तलाश रहा है। फिर भी, रिकोडिक पर यह दाँव एक हाई-रिस्क जुआ माना जा रहा है।

यह भी देखने में आ रहा है कि रिकोडिक में अमेरिकी निवेश सिर्फ आर्थिक सौदा नहीं बल्कि यह भू-राजनीतिक शतरंज की बिसात पर फेंकी गई भारी-भरकम चाल है। पाकिस्तान इसे बड़ी जीत बताकर छाती ठोक रहा है पर असलियत यह है कि अमेरिका ने यह पैसा दक्षिण एशिया के सबसे अस्थिर इलाके में आग से खेलने के अंदाज में डाला है। सवाल यह नहीं कि अमेरिका क्यों आया? सवाल यह है कि वह इतना देर से और इतनी जगह पर क्यों आया?

हम आपको बता दें कि यह निवेश उस समय हो रहा है जब बलूचिस्तान में विद्रोह चरम पर है। बलूच नेता साफ चेतावनियाँ दे रहे हैं कि यह निवेश उनके लिए शोषण का नया अध्याय है। बलूच नेता कह रहे हैं कि प्रांत में दशकों से मौजूद असंतोष और सैन्य दमन को देखते हुए कोई भी समझदार निवेशक पहले सौ बार सोचे। लेकिन अमेरिका ने शायद जानबूझकर जोखिम को स्वीकार कर लिया है। ऐसा लगता है कि यह सौदा पाकिस्तानी नहीं, बल्कि अमेरिकी एजेंडे का हिस्सा है। दरअसल, अमेरिका का असली मकसद है चीन को पछाड़ना। आज की सच्चाई यह है कि दुनिया में तांबा, सोना और अन्य क्रिटिकल मिनरल्स नई सदी का तेल बन चुके हैं। चीन खासकर अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका में इस क्षेत्र में भारी पकड़ बना चुका है। अमेरिका बड़ी तेजी के साथ नए स्रोत ढूँढ रहा है और पाकिस्तान का रिकोडिक, जो तिब्बती-ईरानी खनिज बेल्ट का हिस्सा है वह अमेरिकी रणनीति में एक खूबसूरत चेकमेट जैसा दिखता है। इसके साथ ही बलूचिस्तान का भौगोलिक महत्व इस कदम को और तीखा बनाता है। ईरान की सरहद पास है, अफगानिस्तान की अनिश्चितता बगल में है, चीनझपाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) ठीक सिर के ऊपर है। ऐसे में अमेरिका एक ही प्रहार में चीन को संकेत देता है कि हम अभी भी आपके बगल में मौजूद हैं और आपके बंदरगाह (ग्वादर) के पीछे की जमीन पर निवेश करने की ताकत रखते हैं। वहीं पाकिस्तान इस निवेश को आर्थिक राहत समझ रहा है, लेकिन असल में वह एक रणनीतिक जाल में फँसता दिख रहा है। देश की सुरक्षा एजेंसियों का इतिहास बताता है कि यह बलूचिस्तान को सेना-प्रभुत्व वाला इलाका मानती है। पर विदेशी निवेश वहीं चलता है जहाँ जनता को न्यूनतम सहमति या सुरक्षा मिले। यह दोनों ही पाकिस्तान के पास नहीं हैं। रिकोडिक के लिए न रेल लाइन है, न स्थायी सड़कें, न विश्वसनीय सुरक्षा तंत्र। ऊपर से बलूचिस्तान में हर विदेशी निवेश, चाहे चीनी हो, सऊदी हो या अब अमेरिकी, वह विद्रोही गुटों का प्राथमिक निशाना बन जाता है। सवाल उठता है कि कनाडा की बैरिक गोल्ड इतने वर्षों में हिल-डुल भर नहीं सकी तो अमेरिका किस आत्मविश्वास से यहां आ रहा है?

अमेरिका के इस क्षेत्र में आने से यह भी आशंका है कि चीनझअमेरिका प्रतिस्पर्धा नई तीव्रता पर पहुँचेगी। दरअसल, अमेरिका रिकोडिक को चीन की आपूर्ति शृंखला का प्रभुत्व तोड़ने के लिए इस्तेमाल करेगा। ऐसे में पाकिस्तान दोनों महाशक्तियों के बीच रस्साकशी में फँस जाएगा। इस परियोजना से ईरान भी असहज होगा क्योंकि अमेरिका समर्थित विशाल रणनीतिक परियोजना उसकी सीमा के ठीक पास उभरना तेहरान को बिल्कुल रास नहीं आएगा। साथ ही अमेरिकी परियोजना से अफगानिस्तान का प्रभाव भी बढ़ेगा क्योंकि इसकी सुरक्षा और आपूर्ति रूट तालिबान द्वारा नियंत्रित इलाकों के बेहद करीब हैं। तालिबान इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करेगा। साथ ही इस परियोजना से बलूच विद्रोह को नई ऊर्जा मिलेगी। विदेशी निवेश उनके लिए हमेशा दमन के नए प्रतीक के रूप में देखा गया है। परिणामस्वरूप सुरक्षा स्थिति और बिगड़ सकती है।

बहरहाल, यह निवेश पाकिस्तान के लिए आर्थिक संजीवनी नहीं बल्कि शक्ति के वैश्विक खेल में एक गैंबलिंग चिप है। अमेरिका को चाहिए क्रिटिकल मिनरल्स, पाकिस्तान को चाहिए डॉलर, लेकिन बलूचिस्तान को चाहिए न्याय, अधिकार और सुरक्षा जो किसी भी सौदे में शामिल नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि रिकोडिक आने वाले वर्षों में दक्षिण एशिया की नई भू-रणनीतिक लड़ाई का केंद्र बन सकता है। साथ ही अगर पाकिस्तान ने बलूचिस्तान की राजनीतिक समस्या को सैन्य तरीके से संभालने की भूल जारी रखी, तो अमेरिकी निवेश भी उसी तरह डूबेगा जैसे पहले के तमाम विदेशी प्रोजेक्ट डूब चुके हैं। यह सही है कि अमेरिका ने एक बड़ा दाँव लगाया है लेकिन यह भी सच्चाई है कि वह दाँव जितना चमकदार दिखता है, उतना ही बारूद के ढेर पर रखा हुआ है।

संपादकीय

चुनाव सुधार अर्थात 'वोट चोरी'

लोकसभा में चुनाव सुधार के मुद्दे पर बहस हुई, लेकिन कोई सुधार या संवैधानिक संशोधन सामने नहीं आया। सरकार की ओर से भी कोई प्रस्ताव नहीं रखा गया कि अमुक सुधार किए जा सकते हैं। यह विशुद्ध रूप से राजनीतिक बहस थी। चुनाव सुधार की आड़ में 'वोट चोरी' का आरोप संसद के भीतर गूंजता रहा। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत, सांठगांठ से चुनाव जीते जाने का बेहद गंभीर आरोप चस्पा किया। उन्होंने मौजूदा चुनाव आयुक्तों को लगभग धमकी दी कि जब हम सत्ता में आएंगे, तो आपको ढूंढ कर दंडित किया जाएगा, क्योंकि 'वोट चोरी' के जरिए आपने 'लोकतंत्र-चोरी' का काम कराया है। नेता प्रतिपक्ष ने इस कानूनी संशोधन पर भी सवाल उठाया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति तय करने वाले पैनल में से देश के प्रधान न्यायाधीश को क्यों हटाया गया? चुनाव आयुक्तों के किसी भी फैसले अथवा काम के मद्देनजर उन्हें इम्युनिटी, कानूनी छूट, क्यों दी गई है? उनके खिलाफ कोई भी कानूनी केस दायर क्यों नहीं किया जा सकता? सीसीटीवी की फुटेज चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न होने के 45 दिन बाद नष्ट क्यों की जाए? यह कानून गलत और भ्रामक है। नेता प्रतिपक्ष कांग्रेसी सत्ता के इतिहास को नहीं जानते, जब सरकार, यानी प्रधानमंत्री ही, मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन और नियुक्ति करते थे। बाद में उन्हें मंत्री भी बना दिया जाता था अथवा किसी उच्च ओहदे पर बिठा दिया जाता था। तब सत्ता न तो संसद और न ही देश के प्रति जवाबदेह होती थी। तब नेता प्रतिपक्ष को इतना भी अधिकार नहीं था कि वह अपनी 'असहमति' जता सकता। कमोबेश आज प्रधानमंत्री, एक कैबिनेट मंत्री और नेता प्रतिपक्ष के चयन-पैनल में विपक्ष का प्रतिनिधि अपनी असहमति का नोट तो दर्ज करा सकता है।

कांग्रेस के ही वरिष्ठ सांसद मनीष तिवारी ने व्याख्या की कि एक साथ कई राज्यों में या एक ही पूर्ण राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) नहीं कराया जा सकता। चुनाव आयोग को यह संवैधानिक अधिकार प्राप्त है कि जहां उसे मतदाता सूची में विसंगति लगे, वह उसी क्षेत्र में एसआईआर का अभियान शुरू कर सकता है। यह बहस सर्वोच्च अदालत में भी उभर कर सामने आई है। एसआईआर को देश के 'जनप्रतिनिधित्व कानून' का उल्लंघन करार दिया गया है। आज 2025 में कई राज्यों में मतदाताओं से पूछा जा रहा है कि उनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था अथवा नहीं। अर्थात मतदाता को पुष्टि करनी है कि अतीत में वह मतदाता रहा था। दरअसल मतदाताओं को न तो पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है और न ही चुनाव आयोग के पोर्टल और वेबसाइट काम कर रहे हैं। यह पुष्टि देश का औसत मतदाता कैसे कर सकता है? 2003 या इतने पुराने मतदाता की पुष्टि सिर्फ चुनाव आयोग ही कर सकता है, क्योंकि उसके पास तमाम रिकॉर्ड हैं और वह मतदान कराता आया है। लिहाजा सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने एसआईआर को एक झअसंवैधानिक प्रक्रियाझ करार दिया है। सर्वोच्च अदालत को इस संदर्भ में अपनी व्याख्या देनी है।

चिंतन-मनन

व्यवहार की दुनिया

बहुत बड़ा कवि था इमरसन। वह घूमने निकला। अकस्मात वर्षा आ गई। उसके पास अपनी कविताओं की एक पांडुलिपि थी। भीगने के डर से उसने वह पांडुलिपि एक दुकानदार के पास रख दी। इमरसन चला गया। दुकानदार ने कहा कि पन्ने भरे हुए हैं, कुछ खाली हैं वह भरे हुए पन्नों में वस्तुएं लपेटकर ग्राहकों को देता रहा। कुछ देर बाद जब वर्षा रुकी, इमरसन आया। पांडुलिपि मांगी। दुकानदार ने कहा, माफ करना, भरे पन्नों का मैंने उपयोग कर लिया है। खाली पन्ने ज्यों के त्यों हैं। भरे काम के नहीं थे। खाली लिखने के काम आ सकते हैं। यह सुनते ही इमरसन का माथा ठनका। उसकी महत्वपूर्ण कविताओं के पन्ने निकल चुके थे। शेष बचे थे केवल कोरे कागज।

व्यवहार की दुनिया में खाली का मूल्य नहीं होता, भरे का मूल्य होता है। खाली पन्ने का क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? इसी प्रकार खाली चित्त और खाली मन का भी क्या मूल्य हो सकता है व्यवहार की दुनिया में? व्यवहार में जीने वाले यही चाहते हैं कि ये सब सदा भरे ही रहें, कभी खाली न हों। जब अध्यात्म की यात्रा शुरू होती है तब भरे का क्या मूल्य है और खाली का क्या मूल्य है, स्पष्ट हो जाता है।

उस यात्रा में अनुभव होता है कि लिखा हुआ कागज चला गया, अच्छा हुआ। भरा हुआ मन, भरी हुई बुद्धि, भरा हुआ चित्त खाली हो गया तो अच्छा हुआ। वहां खाली होना ही श्रेयस्कर माना जाता है। जब खाली होने की प्रक्रिया प्रारम्भ होती है, तब उस क्षण में जो अनुभव होता है, वही वास्तव में चैतन्य का अनुभव है।

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है।

आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। वंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दबाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया।

संसद में व्यर्थ बातों पर नहीं जनहित पर चर्चा आवश्यक

संजय गोस्वामी

संसद में यदि वंदे की चर्चा जोरों पर है क्योंकि इसकेसाल 2025 भारत के राष्ट्रीय गीत, वंदे मातरम के लिए एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक मील का पत्थर होगा, क्योंकि इसके पहले पब्लिकेशन के 150 साल पूरे हो रहे हैं। वंदे मातरम पर बोलने से कोई आपत्ति करता पर तुल देना ठीक नहीं है वंदे मातरम एक राष्ट्रगान है जिसपर संसद में खूब चर्चा हुई कुछ मुस्लिम सांसद की नाराजगी हुई इसे तूल मैं भी उसके जगह जय श्री राम बोलता हूँ तो क्या होगा क्योंकि अब देश में ही मिलावटी लोग हैं तो मेरा भगवान राम राष्ट्र से भी ऊपर है मैं भगवान राम को ही संसार का मालिक समझ कर उनका नाम लेता हूँ क्योंकि जब भगवान राम का अस्तित्व रहेगा तभी हम शांति और चैन से जी सकते हैं जब ऐ गान पहले से संशोधित हो गया तो मैं भगवान राम के अलावा किसी के सामने झुकना पसन्द नहीं करूँगा क्योंकि मेरे संस्कार में ही जो हमेशा रहे हैं और अन्त में राम नाम सत्य होना ही है तो अभी ही ले लूँ वही हमारा धर्म और उनके मर्यादा का पालन करना कर्म है अब दोनों ही एक मतलब हो गए क्योंकि भगवान राम ही इस धरती में हमें हमेशा मानवता की रक्षा और देशद्रोही से लड़ना सिखाता है एक गाना खूब चला, मेरे रोम रोम में बसने वाले राम, जगत के स्वामी हे अंतर्यामी मैं तुझसे क्या मांगू।।। किसी पर किसी वाक्य बोलने से क्या फर्क पड़ता है तेरा तुझको सौंप कर क्या लागे मेरा, वाणी वही बोले जो अंतरात्मा की आवाज कहती है अंतरात्मा दरअसल आत्मा, आंतरिक स्व (inner self), या आंतरिक स्व (inner self), या जमीर, जो सही और गलत की पहचान करने वाली आंतरिक आवाज या अंत:प्रज्ञा है, जो हमें नैतिक निर्णय लेने में मदद करती है; इसे आंतरिक स्व की ज्योति या आत्मा की आवाज भी कहा जाता है, जो हमारे अंत:करण में विद्यमान होती है। यह हमारे मन और आत्मा का वह हिस्सा है जो हमें सही राह दिखाता है, भले ही बाहरी नियम या तर्क सीमित हों अत: जो अंतरात्मा की आवाज कहती है वही बोले इसलिए हमें पहले अपने अंदर झांक कर देखना चाहिए मैं कितना सही हूँ आज अगर भारत माता की रक्षा के लिए हमें बलिदान देना पड़े तो क्या हम तैयार हैं।अत: देश के सेना ही हमारे असली नायक हैं जो देश की रक्षा के लिए जान की बाजी भी दे देते हैं अत: देशभक्त होना जरूरी है भाषा कोई विवाद नहीं है राम यह शब्द दिखने में जितना सुंदर है उससे कही महत्वपूर्ण है इसका उच्चारण। राम भारत की आत्मा है जब ऐ समझ आएगी तभी देश के प्रति सेवा का भाव पैदा होगा। राम कहने मात्र से शरीर और मन में अलग ही तरह की प्रतिक्रिया होती है जो हमें आत्मिक शांति देती है।दरअसल हिन्दू की अंतिम विदाई में यानी शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' यह बोलकर मृतक को सुनाना नहीं होता है, बल्कि साथ में चल रहे परिजन, मित्र और वहां से गुजर रहे लोग इस तथ्य से परिचित हो जाएं कि राम का नाम ही सत्य है। साथ ही जब मनुष्य जब राम का नाम लेगा तभी उसकी सद्गति होगी। इसलिए इसका मकसद यह कहकर परंपरा शुरू की गई थी कि मृतक के मरने के पीछे जब मनुष्य इतना लड़ते हैं, धर्म जाति पाती बड़ा छोटा के लिए वाद-विवाद करते हैं और अपनो से ही वश के कारण आपमें घमंड के कारण लड़ा करते हैं, लेकिन अन्य व्यक्ति को भी यह मालूम होना चाहिए कि राम का नाम सत्य है क्योंकि सबसे बड़ा घमंड जो रावण के पास आया उसको भगवान राम ने ही तोड़ा यानि जिसने इस धरती पर जन्म लिया, उसकी मृत्यु निश्चित है। इसलिए घमंड ना करें जीवन में मिल जुल कर रहे गरीबों की सेवा और सत्य की राह पर चले यही मान्यता है और इन्हीं सब कारणों की वजह से शवयात्रा में 'राम नाम सत्य है' बोलते हैं इससे मृतक के आत्मा को शांति मिलती है शरीर मरता नहीं है क्योंकि उसमें ऊर्जा है शिथिल होता है और ऊर्जा का पतन होने लगता है बाद में यही ऊर्जा प्राण के रूप में बाहर निकल जाती है और स्थूल से सूक्ष्म में रूपांतर हो जाता है और अनुभूति होती है और राम के राम की ध्वनि से उसमें प्रभु को याद कर अपनी जीवन में हुए गलत कर्म के लिए माफी मांगता है और इस तरह वह शांति की ओर अग्रसर होता है और कई योनियों में जन्म लेने के बाद तब कहीं पुनः मनुष्य में जन्म मिलता है इसका कारण यह है की आप अपने शरीर की ऊर्जा को पहले ही कामवासना से नकारात्मक कर देते हैं और जब मोह टूटती है तो आत्मा को शांति मिलती है जैसे किसी भी क्षेत्र में पारंगत होने के लिए प्रैक्टिस करना जरूरी है तब आप उसमें आप दक्ष होते हैं इसलिए हर समय शांति से रहना कम बोलना और समय पर सटीक बोलना उस परमात्मा भगवान राम को हमेशा याद करते रहने से आप में मौत का डर खत्म हो जायेगा और लोभ लालच में कामवासना से मुक्त होकर जब शांति की ओर अग्रसर होंगे तो सच सामने आएगा कि मृत होना एक दिन तय है इसलिए अपनी ऊर्जा सकारात्मक की ओर अग्रसर करें ज्यादा बोलने से आपकी ऊर्जा बेवजह नष्ट होती है जो आजकल संसद में वोट शुद्धिकरण पर चर्चा हो रही है घुसपैठिये, मतदाता सूची का शुद्धिकरण जरूरी है और उसी का नाम एस आई आर है मुख्य विपक्षी पार्टी का एक के बाद एक चुनाव हारने का कारण इवीएम या वोट और ना जाने क्या क्या बहस हो रही है इसका मतलब यह है की पक्ष विपक्ष दोनों को आपकी नहीं अपनी चिंता ज्यादा दिखाई दे रही है संसद में सही गलत पर तर्क वितर्क से कुछ नहीं मिलेगा यदि चुनाव जितना है तो जनता के लिए काम करना होगा, पहले विपक्ष बिलकुल कमजोर था नहीं था लेकिन पहले जो संसद में सोते थे आज सत्ता पक्ष को यह ध्यान देना जरूरी है कि आखिर विपक्ष में इतना ताकत कहाँ से आई वो भी उसी चुनाव प्रक्रिया से गुजर चुके होंगे और अब सत्ता पक्ष को शांत रह कर काम करने की ज्यादा जरूरत है जिस तरह विपक्ष मजबूत हुआ है तो जनता के बल पर ही जीता, घुसपैठ कितना होगा इधर तो नजर नहीं आ रहा है उसकी संख्या उतनी नहीं है कि सरकार को बना या बिगाड़ दे जो सही में वोटर है वो तो पूरी तरह जाते ही नहीं हैं कभी सुना है 90 परसेंट मतदान हुए हैं अत: ऐ सब व्यर्थ की बातें हैं काम की बातें करना ज्यादा जरूरी है जो देश के गरीबों के कल्याण के लिए हो अगर घुसपैठिये आये तो ऐ भी प्रशासन की लापरवाही होगी क्योंकि क्या अपने बाउंड्री को पूरा सील किया है जैसे बाकी के देश ने किया है एक ऐसा दिवार बना दिया है जिस पर जाना नामुमकिन है अमेरिका ने तो अमेरिका और मेक्सिको के बीच सीमा करीब 2000 मील (लगभग 3200 किमी) लंबी है। अमेरिका में अवैध घुसपैठ के लिए ये रास्ता बदनाम रहा है। दीवार बनने से पहले इस पर बाड़ लगी हुई थी। 2016 में ट्रंप ने राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान यहां पर दीवार बनाने का वादा किया। जनवरी 2017 में जब वह अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उन्होंने इस वादे को निभाने पर काम शुरू करवाया। 2017 से लेकर 2021 तक करीब 727 किलोमीटर लंबी दीवार बनाई गई। इसे ट्रंप वॉल भी कहा जाता है। अत: इसपर चर्चा करना जरूरी है क्योंकि आए दिन कहीं पाकिस्तान से सटे इलाके में हमारे जवान मरते हैं कहीं चीन से अब तो बांग्लादेश भी उसी राह पर चल निकला है अत: जब सीमा सुरक्षा बल है तो सवाल ऐ है कि घुसपैठ आखिर हो कैसे जा रहा है जो हमारी एकता और संप्रभुता पर खतरा है ऐ सिर्फ पश्चिम बंगाल की समस्या नहीं है ऐ तो उत्तर प्रदेश में भी आ गए और योगी जी के डिटेनशन सेंटर के डर से लापता हो रहे हैं अत: वाद विवाद मुद्दे जो देशहित में हो वही करना चाहिए अनर्थ वार्ता से बचना चाहिए संसद कोई अखाड़ा तो है नहीं अपनी बात रखने का अधिकार सबको है लेकिन जो सार्थक हो चुनाव में हार मिली है तो उस पर पार्टी को अपनी छवि सुधार करना चाहिए ईवीएम कोई मुद्दा नहीं है क्योंकि जब वोटिंग होती है तो विपक्ष के तरफ से भी एजेंट होता है इसका मतलब ऐ हुआ कि एजेंट ही उससे मिल गया ऐसा नहीं है चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है और वीवीपैट के आने के बाद तो पारदर्शिता बढ़ी है ना जाने कितने लोग इसमें कड़ी मेहनत करते है जब इलेक्शन ड्यूटी होता है और काउंटिंग में यही फॉर्म एजेंट काउंटर पर ले कर जाता है जो चुनाव के समय का डाटा होता है अत: इस पर सवाल करना व्यर्थ है।

Printed and Published by Manish KUMAR KASHYAP,Run by Vananchal Media & Wefare Trust, behalf of Palace of Publication,BALIHARI ROAD, NEAR - KALYAN BHAWAN NEW AREA MORABADI RANCHI- 834008,Ranchi- Jharkhand, and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222,Jharkhand And Published at Palace of Publication,Ranchi- Jharkhand,, PRGI. NO,JHAHIN/2023/88773 Editor- Editor SHAHOOD ALAM. Email:vananchaleye@gmail.com

तान्या मित्तल ने बिग बॉस 19 के अपने सफर के बारे में खुलकर बात की

बिग बॉस 19 के पांच फाइनलिस्ट में से तान्या मित्तल एक थीं। वह फिनाले में बाहर हुईं। उन्होंने रियलिटी शो में अपने सफर के बारे में खुलकर बात की है। तान्या ने कहा कि वह अक्सर घर में बहुत अकेला और तन्हा महसूस करती थीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें दोस्ती करने में बहुत मुश्किल होती थी। आइए जानते हैं तान्या मित्तल ने शो के बारे में और क्या कहा है?

न्यूज एजेंसी से बात करते हुए तान्या मित्तल ने बताया कि कंटेस्टेंट नीलम गिरी के साथ अच्छा रिश्ता था लेकिन एक वक्त ऐसा आया जब हमारे रिश्ते में तनाव आ गया। उन्होंने कहा, नीलम ने एक समय मुझसे सवाल पूछा कि क्या तुम झूठ बोलती हो? वह गुस्से में थी और मुझ पर चिल्लाई थीं।

कल्पू काका से है दोस्ती

उन्होंने बताया मैंने एक पेड़ से दोस्ती की, जिसका नाम कल्पू काका है। मुझे लगता है कि मैं सिर्फ एक ही दोस्त बना सकती हूं, और वो हैं कल्पू काका। बिग बॉस ने मुझे वो पेड़ लाने नहीं दिया। अगर मेरे दोस्त मेरे साथ होते, तो मुझे चीजों से बात नहीं करनी पड़ती। मुझे घर में बहुत अकेलापन और तन्हापन महसूस होता था। मुझे घर में बहुत खोया हुआ महसूस होता था। मैंने कभी झूठ नहीं बोला।

हार नहीं मानती तान्या मित्तल

शो में उनके सबसे खुशी के पल के बारे में पूछे जाने पर, तान्या ने कहा, मैं शो में बहुत रोई हूं, मैं आपको बता नहीं सकती कि किस पल ने मुझे बहुत खुश किया। हर दिन एक नया चैलेंज होता था, मुझसे वो सब करने को कहा जाता था जो मैं करती आई हूं। उन्होंने आगे कहा मेरी सबसे बड़ी खूबी यह है कि चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे मैं कितनी भी टूटी हुई क्यों न होऊं, मैं हार नहीं मानती।

आपको बता दें कि बिग बॉस 19 के फिनाले के बाद, एक्टर गौरव खन्ना ने बिग बॉस 19 की ट्रॉफी जीती। बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में गौरव खन्ना का मुकाबला टॉप फाइनलिस्ट फरहाना भट्ट से हुआ, वह फर्स्ट रनर-अप रहीं। कंटेस्टेंट तान्या मित्तल, अमाल मलिक और प्रणित मोरे भी टॉप पांच में शामिल थे। गौरव खन्ना को विनर ट्रॉफी के साथ 50 लाख रुपये की प्राइज मनी दी गई।

तमिल फिल्म वा वाथियार में स्पिरिट रीडर का किरदार निभा रही हैं कृति शेट्टी

अभिनेत्री कृति शेट्टी इन दिनों अपनी आने वाली तमिल फिल्म वा वाथियार को लेकर चर्चाओं में है। फिल्म में उनका किरदार एक स्पिरिट रीडर का है। इस बीच उन्होंने असल जिंदगी में कुछ ऐसा महसूस किया। कृति ने खुलासा किया कि शूटिंग शुरू होने से ठीक एक रात पहले उनके होटल के कमरे में उन्हें एक आत्मा दिखाई दी। इस घटना ने न सिर्फ उन्हें झकझोर दिया, बल्कि उनके किरदार के प्रति विश्वास भी मजबूत कर दिया। कृति ने कहा, मैं निर्देशक नलन कुमारस्वामी की इस फिल्म में एक ऐसी लड़की का किरदार निभा रही हूं, जो आत्माओं से बात करती है और जो दूसरे लोगों की तुलना में भावनाओं और ऊर्जा को अधिक गहराई से महसूस करती है। सिनेमा में ऐसे किरदार आमतौर पर कम ही देखने को मिलते हैं, खासकर भारतीय फिल्मों में, इसलिए यह मेरे लिए एक नया और एक्साइटिंग अनुभव था। जब मैं इस किरदार की तैयारी कर रही थी, तब मुझे अंदाजा भी नहीं था कि वास्तविक जिंदगी में भी कुछ ऐसा घट सकता है।

कृति ने कहा, मैं बचपन से ही मानती हूं कि आत्माएं होती हैं। मैं तुलु समुदाय से आती हूं, जहां पूर्वजों की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि हमारे पूर्वज हमेशा हमारे आसपास होते हैं और हमारा मार्गदर्शन करते हैं। मैं आत्माओं की अवधारणा से कुछ हद तक परिचित हूं, लेकिन शूटिंग से पहले का अनुभव मेरे लिए बेहद विचलित कर देने वाला था। उन्होंने बताया, शूटिंग के लिए मैं और टीम एक होटल में रुके हुए थे, उसी रात मुझे किसी आकृति का एहसास हुआ। मैंने पूरा चेहरा नहीं देखा, लेकिन एक साफ-साफ छाया

जैसी आकृति मैंने महसूस की थी। उसी पल जब मैंने लाइट ऑन की, तो अचानक तेज आवाज हुई। उस समय मेरी मां भी साथ थीं। हम दोनों ने महसूस किया कि यह कोई सामान्य घटना नहीं थी। यह अनुभव इतना वास्तविक था कि इसे भ्रम या कल्पना माना ही नहीं जा सकता। कृति ने कहा, इस फिल्म में स्पिरिट रीडर का किरदार निभाते समय मुझे खुद भी लगता था कि शायद दर्शकों को ऐसी बातें अविश्वसनीय लगेंगी। लेकिन जैसे ही ये घटना घटी, मुझे लगा जैसे कोई मेरे इस किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए संकेत दे रहा हो। फिल्म वा वाथियार में कृति के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं, जो एक पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं।

रात अकेली... में चुनौतियां पैदा करता दिखेगा चित्रांगदा सिंह का किरदार

नेटफ्लिक्स की सफल थ्रिलर फिल्म रात अकेली है का दूसरा पार्ट 5 साल बाद आ रहा है। इस सीक्वल की राइटर स्मिता सिंह ने बताया कि कैसे एक ओपन एंड शट हत्याकांड ने उन्हें दोबारा लिखने के लिए प्रेरित किया और कैसे इस बार इंस्पेक्टर जटिल यादव के रूप में नवाजुद्दीन का किरदार सामाजिक साजिश का सामना करेगा, वह गढ़ना था।

बकौल स्मिता... पहले पार्ट में कहानी एक बंद घर और सीमित माहौल के अंदर हुई हत्या पर थी, जबकि इस नए पार्ट में हत्या पूरे देश के सामने जाहिर है। अपराध के हर पहलू के साथ यह पब्लिक केस है लेकिन फिर भी इसके अंदर एक बड़ी साजिश छिपी हुई है, जिसे सिर्फ जटिल यादव ही समझ सकता है। स्मिता ने इस बात पर भी जोर दिया कि दूसरा पार्ट आर्टिकल 15 जैसे सोशल कॉमेंट्री वाले मिजाज में है। जहां पहला पार्ट स्मॉल टाउन हत्याकांड का अनुभव देता था, वहीं दूसरा पार्ट पूरे देश की नजरों के सामने ओपन एंड शट केस पेश करता है, जिसे देखना और समझना दोनों ही दर्शकों के लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होगा। खास बात है कि इसमें दुनिया जिसको हत्यारा मान रही है, वह जटिल यादव की नजरों में वह नहीं है। अब इस बार दांव बड़ा है, जो हो रहा है, ऐसा लग रहा है कि सबको पहले से पता है। नवाज के किरदार जटिल को मारधाड़ में यकीन कम पिछले पार्ट में जटिल का किरदार रूखा और गंभीर था लेकिन अब उसके जीवन में प्यार आने के कारण वह अधिक पॉजिटिव नजर आता है।

बावजूद इसके उसकी इंसिक्योरिटी और प्रोफेशनल फ्रस्ट्रेशन अब भी मौजूद है। कहानी में चित्रांगदा का किरदार जटिल यानि नवाज के लिए चुनौतीपूर्ण और ट्रैजिक है जो उस क्लास को दिखाता है जिसे लगता है कि उनके सामने पूरी दुनिया ही नहीं है। चित्रांगदा का कैरेक्टर बहुत कॉम्प्लेक्स और ट्रैजिक है।

रजनीकांत स्टारर जेलर 2 में कैमियो कर सकते हैं शाहरुख

रजनीकांत की आगामी फिल्म जेलर 2 को लेकर बड़ा बज सोशल मीडिया पर बना हुआ है। चर्चा है कि शाहरुख खान इसमें स्पेशल कैमियो करते नजर आ सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म का स्केल बढ़ाने के लिए एक बड़े हिंदी सुपरस्टार को जोड़ना चाहते हैं और शाहरुख का नाम टॉप पर है। दावा है कि शाहरुख के हिस्से की शूटिंग के लिए मार्च 2026 की विंडो तय की गई है, हालांकि टीम की ओर से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। इससे पहले रजनीकांत की फिल्म कुली में आमिर खान कैमियो कर चुके हैं। फिल्म के निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं, जिन्होंने पहली फिल्म जेलर (2023) को ब्लॉकबस्टर बनाया था। दिलचस्प बात यह है कि शाहरुख को कथित तौर पर कुली में भी एक कैमियो के लिए संपर्क किया गया था। हालांकि, उन्होंने कुछ कारणों से इस ऑफर को ठुकरा दिया था। जिसके बाद आमिर खान को जगह मिली थी। जेलर 2 कथित तौर पर पहली फिल्म की घटनाओं के बाद शुरू होगी, जिसमें मुथुवेल पांडियन का पीछा किया जाता है क्योंकि वो बदला लेने के लिए मूर्ति-तस्करी सिंडिकेट से भिड़ जाता है। कहा जाता है कि सीक्वल इस नए आपराधिक नेटवर्क की खोज को दिखाएगा। अभिषेक बच्चन भी दिखेंगे।

मोहनलाल की एक और फिल्म के रीमेक में दिख सकते हैं अजय

ऑपरेशन जावा और सऊदी वेलक्का जैसी फिल्मों के निर्देशक थरुन मूर्ति इस साल मोहनलाल स्टारर थुदारुम की जबरदस्त सफलता के बाद से सुर्खियों में हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 235 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। इसी के बाद निर्देशक को हिंदी और तेलुगु में रीमेक ऑफर्स भी मिलने लगे। थरुन ने बताया कि हिंदी रीमेक के लिए अजय देवगन का नाम गंभीरता से चर्चा में है। अगर हिंदी रीमेक बनता है तो मैं अजय के लिए काफी मेहनत करूंगा, क्योंकि उनका स्टंट बैकग्राउंड कमाल का है। उनके पिता वीरू हिंदी सिनेमा के जाने-माने एक्शन डायरेक्टर रहे हैं। थुदारुम में मोहनलाल भी एक पूर्व स्टंटमैन का किरदार निभाते हैं, जो परिवार के साथ सादी जिंदगी बिताते हुए कार-फॉर-हायर सर्विस चलाता है। थरुन ने माना कि बैक-टू-बैक प्रोजेक्ट्स की वजह से फिलहाल रीमेक को तुरंत शुरू करना मुश्किल है लेकिन प्रोजेक्ट की चर्चा जारी है और जल्द आधिकारिक ऐलान हो सकता है। इसके अलावा थरुन की टॉरपीडो भी आनी है।

मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं

राम गोपाल वर्मा एक बार फिर से मनोज बाजपेयी के साथ फिल्म कर रहे हैं। इसका टाइटल पुलिस स्टेशन में भूत है। उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स पर हुई खास बातचीत...

क्या मानते हैं कि हॉरर फिल्मों के लिए अब ऑडियंस चेंज हुई है?

मुझे नहीं लगता कि ऑडियंस चेंज हुई है। रामसे ब्रदर्स ने सफल हॉरर बनाई, फिर आगे चलकर उनकी फिल्मों में काफी ब्लड दिखना शुरू हो गया। वह फिल्में दर्शकों को शायद अच्छी नहीं लगी। मैंने जब रात और डरना मना है या भूत बनाई तो ब्लड के बजाय साइकोलॉजी का प्रयोग किया। वह सब साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्में थीं। मैंने कैमरा एंगल और साउंड इफेक्ट्स की मदद से सीन में हॉरर का माहौल कायम किया।

क्या इसे भूत की स्पिरिचुअल सीक्वल कह सकते हैं?

बिल्कुल नहीं। पुलिस स्टेशन में भूत एक बिल्कुल अलग कहानी है। भूत से उसका कोई नाता नहीं है। इसकी कहानी एक इंस्पेक्टर की है, जो एक गैंगस्टर को मार देता है। अब उस गैंगस्टर की आत्मा उस पुलिस वाले में समा जाती है। ऐसे में, फिर क्या सब होता है, हमारी कहानी उस बारे में है। हम यह भी कहना चाहते हैं कि जब आम इंसान डरता है तो वह पुलिस के पास जाता है। जब पुलिस ही डरे तो क्या होगा।

फिल्म में कितना हेवी वीएफएक्स और कितना रियलिज्म रखा है आपने?

वीएफएक्स है, मगर वह कहानी पर हावी नहीं होती। बाकी मैं हाल के बरसों की हॉरर फिल्में फॉलो करता रहा हूं। मैंने स्त्री, मुंज्या जैसी हॉरर फिल्में देखी हैं। मुझे पसंद भी आई हैं।

सत्या के समय क्या तय कर लिया था कि आम चेहरे वाले किसी युवक को हीरो बनाकर ही दम लेंगे?

मैंने कभी उस पर्सपेक्टिव से फिल्में नहीं बनाई या कलाकारों का चयन हीरो या विलन के तौर पर किया। मैंने हमेशा कहानी, किरदार और हालात के बारे में सोचते हुए उनमें सबसे फिट बैठने वाले कौन कलाकार हो सकते हैं, उससे चीजें तय की। उसके ऊपर मैंने कभी यह नहीं सोचा कि मुझे किसी को लॉन्च करना है या किसी को हीरो ही बनाना है। सौभाग्य से तब हमारे प्रोड्यूसर्स भी मेरी बात से सहमति रखा करते थे। इतने वर्षों में शाहरुख के साथ फिल्में क्यों नहीं की शाहरुख का जो डिमीनर, कद और आभा है, वह सब बहुत बड़ा है। आम जिंदगी में भी उनसे मिलें तो वे अलग ही लेवल और एनर्जी से लैस महसूस होते हैं लेकिन मेरी फिल्ममेकिंग का स्टाइल कुछ अलग है। मैं डार्क और रियलिस्टिक सिनेमा बनाना पसंद करता हूं। इसलिए मुझे उनके हिसाब की कहानी हो तभी उन्हें अप्रोच करना सही लगता है। बेशक, हमने इतने सालों में चार-पांच बार फिल्म को लेकर मुलाकात की लेकिन स्टोरी डेवलपमेंट के दौरान मुझे लगा कि जो कहानी मैं बनाना चाहता हूं, वह उनके पर जस्टिफाई नहीं करेगी। इसलिए शाहरुख के साथ अभी तक कोई प्रोजेक्ट नहीं हुआ। वहीं अमिताभ बच्चन सर के साथ मामला अलग रहा। उन्होंने मेरी सत्या देखी थी और बाद में कंपनी भी देखी। मैं खुद उनकी दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों से इंस्पायर्ड रहा हूं। इन चीजों की वजह से हमारी आपसी बॉन्डिंग गहरी हुई। जब काम करने का मौका आया, तो अनुभव बेहद सकारात्मक रहा और अब हम दोनों आगे और भी स्क्रिप्ट्स पर बातचीत कर रहे हैं।

दूसरे टी20आई से पहले हरमनप्रीत कौर और युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। महाराजा यादविंद सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे पुरुष टी20आई से पहले भारतीय महिला कप्तान हरमनप्रीत कौर और पूर्व पुरुष ऑलराउंडर युवराज सिंह के नाम पर स्टैंड का उद्घाटन किया गया। पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (PCA) के कार्यवाहक सचिव सिद्धांत शर्मा ने हरमनप्रीत और युवराज को उनके नाम पर स्टैंड का नाम देकर सम्मानित करने के बारे में बताया था।

गुरुवार को उद्घाटन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बब अध्यक्ष अमरजीत मेहता ने किया जिसमें BCCI अध्यक्ष मिथुन मन्हास और पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया भी मौजूद थे। पिछले महीने हरमनप्रीत ने नवी मुंबई के डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में ODI विश्व कप खिताब जीतकर महिला क्रिकेट में भारत को पहली सीनियर ICC ट्रॉफी दिलाकर इतिहास रचा था।

इस बीच युवराज ने भारत की दोहरी विश्व कप जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें 2007 में पहला टी20 विश्व कप और 2011 में ODI विश्व कप शामिल है। उन्होंने सफेद गेंद क्रिकेट में खेल के महान मैच विजेताओं में से एक के रूप में अपनी विरासत को मजबूत किया था। युवराज दूसरे टी20आई से पहले भारतीय टीम के साथ भी शामिल हुए और सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम को कुछ सलाह दी।

हरमनप्रीत तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं जिनके नाम पर स्टैंड का नाम रखा गया है। इससे पहले झूलन गोस्वामी (ईडन गार्डन्स, कोलकाता) और मिताली राज (ACA-VDCA क्रिकेट स्टेडियम, विशाखापत्तनम) जैसी दिग्गज खिलाड़ियों को यह सम्मान दिया गया था। मान और अन्य PCA पदाधिकारियों की उपस्थिति में हरमनप्रीत, अमनजोत कौर और हरलीन देओल को 11 लाख रुपए के नकद पुरस्कार भी दिए गए जबकि विश्व कप विजेता टीम के फील्डिंग कोच मुनीश बाली को 5 लाख रुपए का पुरस्कार दिया गया।

खिलाड़ियों की भूमिका से ज्यादा छेड़छाड़ करने पर बोले डिविलियर्स, गंभीर से कुछ हद तक सहमत हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने कहा कि वह भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के इस विचार से 'कुछ हद तक' सहमत हैं कि वनडे बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है लेकिन उन्होंने टीम में लचीलापन और खिलाड़ियों की मुख्य भूमिका के बीच संतुलन बनाने की जरूरत पर जोर दिया। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 2-1 से जीत के बाद गंभीर ने कहा था कि उन्हें लगता है कि वनडे प्रारूप में बल्लेबाजी क्रम को जरूरत से ज्यादा महत्व दिया जाता है। डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं उनसे कुछ हद तक सहमत हूं। मुझे वनडे में बल्लेबाजों के क्रम में बदलाव करना पसंद रहा है। लेकिन यह एक नाजुक मामला है क्योंकि आप खिलाड़ियों की भूमिकाओं के साथ ज्यादा छेड़छाड़ नहीं कर सकते।' उन्होंने कहा, 'इसमें शीर्ष तीन, चार से छह नंबर के बल्लेबाज शामिल होते हैं। इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों की बारी आती है। यह लगभग तीन खंडों की तरह है और आप वास्तव में इसके साथ रचनात्मक हो सकते हैं। दाएं और बाएं हाथ के संयोजन बनाने के लिए और खेल की कुछ विशेष परिस्थितियों के अनुसार बदलाव करना सही है।' भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीता जो उसकी 31 मैचों में 27वीं जीत है। डिविलियर्स ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'भारत का प्रदर्शन विशेषकर टी20 प्रारूप में अविश्वसनीय रहा है। यह तीनों प्रारूपों में सबसे अस्थिर प्रारूप है और ऐसे में अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने का मतलब है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है। मुझे लगता है कि इसका संबंध भारतीय क्रिकेट की गहराई से है।'

ऑस्ट्रेलिया ने अंडर-19 विश्व कप टीम की घोषणा की, दो भारतीयों को मिली जगह

मेलबर्न। नामीबिया और जिम्बाब्वे में 15 जनवरी से 6 फरवरी तक होने वाले पुरुषों के अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप के लिए मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। टीम में भारतीय मूल के दो खिलाड़ियों आर्यन शर्मा और जॉन जेम्स को शामिल किया गया है। आर्यन उपयोगी बल्लेबाज और धीमी गति के बाएं हाथ के स्पिनर हैं जबकि जेम्स ऑलराउंडर हैं जो दाएं हाथ से मध्यम गति की गेंदबाजी करते हैं। यह दोनों उस टीम का हिस्सा थे जो सितंबर में युवा टेस्ट और वनडे श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेली थी।

भारतीय मूल के क्रिकेटरों के अलावा ऑस्ट्रेलिया की टीम में श्रीलंकाई मूल के दो खिलाड़ी (नादेन कूरे और नितेश सैमुअल) और चीनी मूल का एक खिलाड़ी (एलेक्स ली यंग) भी शामिल हैं। ओलिवर पीक टीम के कप्तान हैं। ऑस्ट्रेलिया की जूनियर टीम के मुख्य कोच टिम नील्सन ने कहा, 'आईसीसी अंडर19 विश्व कप के लिए एक मजबूत और संतुलित टीम की घोषणा करते हुए हमें बेहद खुशी हो रही है। हमारा ध्यान ऐसे खिलाड़ियों के चयन पर रहा है जिनके कौशल एक-दूसरे के पूरक हों और जिनसे हम टूर्नामेंट में सफलता हासिल करने की उम्मीद कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'जिन खिलाड़ियों का चयन किया गया है उन्होंने सितंबर में भारत के खिलाफ अंडर19 श्रृंखला और हाल ही में पर्थ में खेले गए राष्ट्रीय अंडर19 चैंपियनशिप में अच्छा प्रदर्शन किया था।' ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप ए में आयरलैंड, जापान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। टीम जनवरी की शुरुआत में नामीबिया पहुंचेगी और वो से 14 जनवरी तक अभ्यास मैच खेलेगी।

ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 पुरुष टीम: ओलिवर पीक, कैसी बार्टन, नादेन कूरे, जेडन ड्रेपर, बेन गॉर्डन, स्टीवन होगन, थॉमस होगन, जॉन जेम्स, चार्ल्स लाचमंड, विल मलाजचुक, नितेश सैमुअल, हेडन शिलर, आर्यन शर्मा, विलियम टेलर, एलेक्स ली यंग।

बीसीसीआई की आम बैठक में घरेलू महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित कई अन्य मामलों पर होगी बात

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की सालाना आम बैठक इसी माह 22 दिसंबर को होगी। एपेक्स कमेटी की इस बैठक में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस सहित अन्य पांच मामलों पर बात हो सकती है। इसमें घरेलू टूर्नामेंट में महिला क्रिकेटरों की मैच फीस को बढ़ाने पर भी बात होगी। इस बार एकदिवसीय विश्वकप में महिला टीम की शानदार जीत से भी खिलाड़ी उत्साहित है और ऐसे में उन्हें मैच फीस में बदलाव की उम्मीद है। बीसीसीआई भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से खुशी है और प्रतिभाओं को आगे लाने मैच फीस बढ़ाने पर फैसला ले सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के वेतन में समानता है पर घरेलू प्रतियोगिताओं में अब तक ऐसा नहीं हुआ है। वहीं इस बैठक में क्रिकेटरों के केन्द्रीय अनुबंध पर भी बात होगी। इसके अलावा बीसीसीआई अंपायरों की मैच फीस में भी बदलाव करना चाहता है। उसको भी लेकर इस बैठक में विचार किया जाएगा। इसके अलावा कई और मामले भी इस बैठक में उठेंगे।

सैमसन की प्रशंसा वाले गंभीर के पुराने पोस्ट वायरल होने के बाद प्रशंसकों ने उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन अच्छे प्रदर्शन के बाद भी अब तक भारतीय टी20 टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। सैमसन सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के साथ ही मध्यक्रम सहित कई जगहों पर आजमाये गये हैं और उनका प्रदर्शन भी ठीक रहा है। इसके बाद भी उन्हें हमेशा ही बाहर कर दिया जाता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में भी शुभमन गिल की वापसी के बाद उन्हें अवसर नहीं मिला। इसी को लेकर अब प्रशंसकों का गुस्सा फूटा है। इस बार प्रशंसकों ने अनोखे अंदाज में अपनी नाराजगी जतायी है। प्रशंसकों ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के तीन पुराने पोस्ट जारी किये हैं जिसमें गंभीर सैमसन की प्रशंसा करते दिख रहे हैं।

ये पोस्ट 2019 और 2020 के हैं, तब सैमसन आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से जबरदस्त बल्लेबाजी कर रहे थे पर उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिल पा रही थी। गंभीर ने तब सैमसन को न केवल बेहतरीन विकेटकीपर बल्लेबाज बल्कि उन्हें विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने के योग्य बताया था। वहीं अब जबकि गंभीर भारतीय टीम के कोच है फिर भी सैमसन को टीम में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले उन्हें कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद सलामी बल्लेबाजी से बाहर किया गया। वहीं अब मध्यक्रम से भी बाहर कर दिया गया है।

सैमसन और शुभमन गिल के टी20 में आंकड़े देखें तो यह साफ है कि सैमसन आंकड़ों के हिसाब से उनसे कहीं आगे है। सैमसन ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर टी20 में तीन शतक और एक अर्धशतक लगाया है जबकि शुभमन ने एक शतक ही लगाया है।

गंभीर का पहला वायरल पोस्ट 22 सितंबर 2020 का है, जहां उन्होंने लिखा, यह अजीब है कि सैमसन को केवल भारतीय टीम में जगह नहीं मिलती। बाकी सब जगह अवसर मिल जाते हैं।

वहीं एक और पोस्ट में गंभीर ने कहा, सैमसन अभी भारत के सबसे अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाजों में से एक है, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिये।

गंभीर ने एक और पोस्ट में कहा कि सैमसन की सिक्लस देखकर खुशी हुई कि वह भारत का सबसे अच्छा विकेटकीपर-बल्लेबाज है, मेरे लिए वह विश्व कप में नंबर 4 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए।

बीसीसीआई केन्द्रीय अनुबंध में शुभमन हो सकते हैं प्रमोट, विराट और रोहित होंगे डिमोट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की इसी माह 22 दिसंबर को होने वाली सालाना जनरल बैठक (एजीएम) में केन्द्रीय अनुबंध पर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इसमें एकदिवसीय और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को प्रमोट कर ए प्लस ग्रेड में रखा जाना तय है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को डिमोट किया जा सकता है। इसका कारण है कि अब विराट और रोहित केवल एकदिवसीय प्रारूप ही खेलते हैं। वहीं नियमों के अनुसार ए प्लस अनुबंध तीनों प्रारूप खेलने वालों को ही दिया जाता है। इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले इन दोनों ने ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वहीं साल 2024 टी20 विश्वकप के बाद टी20 प्रारूप से भी संन्यास ले लिया था।

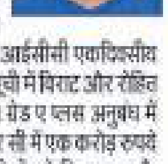

रोहित और कोहली की जोड़ी अपने अच्छे प्रदर्शन के कारण आईसीसी एकदिवसीय रैंकिंग में पहले और दूसरे नंबर पर बनी हुई है। अभी ए प्लस सूची में विराट और रोहित के अलावा जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा भी शामिल हैं। ग्रेड ए प्लस अनुबंध में सालाना सात करोड़ रुपये जबकि ए में पांच, वहीं बी में तीन और सी में एक करोड़ रुपये मिलते हैं। बीसीसीआई के नियमानुसार अनुबंध उन खिलाड़ियों को दिया जाता है, जिन्होंने एक सत्र में 3 टेस्ट मैच या 8 एकदिवसीय या 10 टी20 मैच खेले हों।

सैमसन के रहने से मुझे बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है : जितेश

मुम्बई। भारतीय टीम में आज सीमित ओवरों के खेल में विकेटकीपर की जगह के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा है। टीम के पास संजू सैमसन, जितेश शर्मा और ऋषभ पंत जैसे विकेटकीपर हैं। विकेटकीपिंग में सैमसन और जितेश के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। वहीं इस तरह के माहौल से ड्रेसिंग रूम में तनाव की संभावनाओं को जितेश ने गलत बताया और कहा कि उन्हें सैमसन की मौजूदगी से तो उन्हें प्रेरणा ही मिलती है। जितेश ने कहा कि मुझे सैमसन के साथ टीम में रहने पर काफी अच्छा अनुभव हुआ है। मुझे उनसे काफी कुछ सीखने को मिला है। वह मेरे लिए बड़े भाई की तरह है। जितेश के अनुसार इस प्रकार की प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ियों को अपने खेल का स्तर ऊंचा करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा, 'स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी बेहतरीन प्रतिभा निककर बाहर आती है जिससे टीम को लाभ होता है।' सैमसन के दल में रहने को फायदेमंद बताते हुए जितेश ने कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। ऐसे में अगर मुझे उनके साथ प्रतिस्पर्धा करनी है और कंधे से कंधा मिलाकर खेलना है तो मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। वहीं अब तक के आंकड़ों को देखें तो सैमसन कहीं आगे है। सैमसन ने अब तक 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेले हैं। उनमें उनके नाम 995 रन हैं। उनका औसत 25.61 और स्ट्राइक रेट 147.14 का है। उन्होंने टी20 अंतरराष्ट्री में 3 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। सैमसन ओपनर के तौर पर ही सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। 2022 में उन्हें पहली बार ओपनिंग का मौका मिला। अब तक बतौर ओपनर उन्होंने 14 मैच खेले हैं जिनमें उनके नाम 512 रन हैं। औसत भी 39.38 का है और स्ट्राइक रेट 182.12 का। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में अपने तीनों शतक बतौर ओपनर जड़े हैं। इसके अलावा ओपनिंग करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक भी जड़ा है।

जूनियर विश्व कप हॉकी : भारत का दो गोल से पिछड़ने के बाद ऐतिहासिक प्रदर्शन, 9 साल बाद जीता पदक

चेन्नई (एजेंसी)। दो गोल से पिछड़ने के बाद मेजबान भारत ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 9 साल बाद पुरुषों के जूनियर विश्व कप में पहला कांस्य पदक जीता। तीसरे और चौथे स्थान के लिए हुए प्ले-ऑफ मैच में भारत ने अर्जेंटीना को 4-2 से हराया। मेजबान टीम ने अर्जेंटीना के खिलाफ शानदार 4-2 से वापसी करते हुए जीत हासिल की और सिर्फ 11 मिनट के छोटे से समय में चार गोल करके तीसरा स्थान हासिल किया।

निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे) और सैंटियागो फर्नांडीज ने (44वें) मिनट में मेहमान टीम को बढ़त दिलाई थी जिसके बाद भारत के लिए अंकित पाल ने (49वें), मनमीत सिंह ने (52वें), शारदानंद तिवारी ने (57वें) और अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल किए। भारत ने खेल की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और अर्जेंटीना के डिफेंस में सेंध लगाने की कोशिश की। हालांकि यह मेहमान टीम थी जिसने खेल के विपरीत जाकर बढ़त हासिल की, जब निकोलस रोड्रिग्ज (तीसरे मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदला।

एक गोल के बाद मेजबान टीम ने जोरदार जवाब दिया और तुरंत बराबरी की तलाश में थी। भारत को पहले क्वार्टर के अंत में लगभग एक मौका मिला, लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा पाए। दूसरे क्वार्टर में भारत के लिए यह एक उत्साहजनक शुरुआत थी, उन्होंने वहीं से शुरुआत की जहां उन्होंने पहले क्वार्टर में छोड़ा था। वे खेल में अपनी पकड़ बनाने लगे और अधिक महत्वपूर्ण मौके बनाए, जिससे अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव पड़ा जो ज्यादातर मौकों पर मजबूत बना रहा। दिलराज सिंह ने गोल पर शॉट लगाया, जबकि मेजबान टीम ने पहले हाफ में आठ सर्कल पेनिट्रेशन के साथ कुछ आधे मौके बनाए और बराबरी की तलाश में गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखा। हालांकि अर्जेंटीना ने पहले हाफ को 1-0 की बढ़त के साथ खत्म किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में कुछ पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। वे हमले में लगातार बने रहे, और अर्जेंटीना के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा जो पीछे हट रहा था।

मेहमान टीम काउंटर अटैक पर खेलने की कोशिश कर रही थी और उन्हें कुछ मौके भी मिले, लेकिन प्रिंसदीप सिंह ने शानदार डबल सेव करके भारत को खेल में बनाए रखा। अर्जेंटीना ने आखिरकार तीसरे क्वार्टर के अंत में सैंटियागो फर्नांडीज (44वें) मिनट में किये गोल से अपनी बढ़त दोगुनी कर दी। मेजबान टीम अपने पहले गोल की तलाश में आगे बढ़ती रही और लगभग दस मिनट शेष रहते एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही। अनमोल एक्का के शानदार ड्रैगफ्लिक की मदद से अंकित पाल ने (49वें) मिनट अर्जेंटीना के गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल किया, जिससे भारत ने एक गोल की बराबरी कर ली। मोमेंटम अपने पक्ष में होने के कारण, भारत ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर इसी तरह का मूव किया, जिसमें मनमीत सिंह ने (52वें) मिनट अनमोल एक्का के सेटअप का फायदा उठाते हुए भारत को बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक मिला और शारदानंद तिवारी ने (57वें) मिनट में कोई गलती नहीं की और मैच खत्म होने में तीन मिनट से भी कम समय बचा था, तब भारत को बढ़त दिला दी। अपने तीसरे गोल की तलाश में, अर्जेंटीना ने बिना गोलकीपर के खेलने का फैसला किया। उन्हें एक पेनल्टी कॉर्नर से मौका मिला, लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने उसे विफल कर दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अनमोल एक्का ने (58वें) मिनट में गोल से जीत पक्की कर ली।

ग्यारह मिनट में चार गोल के साथ भारत ने FIH हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप तमिलनाडु 2025 में कांस्य पदक हासिल करने के लिए एक शानदार वापसी की। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 5 लाख रुपए और सपोर्ट स्टाफ को 2.5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

हार के बाद रियल मैड्रिड के खिलाड़ी हुए बेकाबू, कई प्लेयर्स पर लगे प्रतिबंध

मैड्रिड। सेल्टा विगो से हार के बाद रियल मैड्रिड पर मुख्य रूप से रेफरी के साथ दुर्व्यवहार के कारण उसके खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाए गए हैं। रियल मैड्रिड को सेल्टा विगो के साथ मैच के दौरान दूसरे हाफ में डिफेंडर फ्रान गार्सिया और अल्वारो कैरेरास और फॉरवर्ड एंड्रिक को दिखाए गए रेड कार्ड के लिए भारी अनुशासनात्मक कीमत चुकानी पड़ी। गार्सिया पर स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (RFEF) की अनुशासनात्मक कमेटी ने एक मैच का बैन लगाया है, जिसे वह इस वीकेंड डेपोर्टिवो अलावेस के खिलाफ मैच में नहीं खेल सकेंगे। उन्हें दो येलो कार्ड मिलने के बाद मैच से बाहर कर दिया गया था। हालांकि, कैरेरास और एंड्रिक को दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है, कैरेरास को रेफरी विक्टरो गोंजालेज को बाहर किए जाने के बाद 'एरेस मालिसिमो' (तुम बहुत बुरे हो) कहने के लिए सजा दी गई है। मैदान पर नहीं उतरने वाले एंड्रिक को भी रेड कार्ड दिखाया गया और बेंच से उठकर टेक्निकल एरिया से बाहर जाने, चौथे रेफरी पर चिल्लाने और टेक्निकल स्टाफ के सदस्यों द्वारा रोके जाने की जरूरत पड़ने के लिए दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया। घुटने की सर्जरी के बाद फिलहाल बाहर चल रहे डैनी कार्वाजल को भी मैच के बाद ड्रेसिंग रूम के टनल में रेफरी का अपमान करने के लिए दो मैचों के लिए प्रतिबंधित किया गया है।

अफरीदी ने रोहित-विराट की सराहना की, गंभीर पर निशाना साधा

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने कहा है कि भारतीय टीम को 2027 एकदिवसीय विश्वकप में अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जरुरत है। इसलिए इन दोनों को टीम में बनाये रखना चाहिये। अफरीदी ने कहा कि ये दोनों अनुभवी बल्लेबाज भारतीय टीम की रीढ़ की हड्डी की तरह हैं। इसके साथ ही अफरीदी ने भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी निशाना साधा और कहा कि वह हमेशा जो सोचते हैं जरुरी नहीं कि वह सही हो। अफरीदी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में दोनों खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ये दोनों अनुभवी होने के कारण भारत की एकदिवसीय टीम के लिए फायदेमंद रहेंगे। ऐसे में भारतीय टीम को इन स्टार खिलाड़ियों का सही उपयोग करना चाहिये। अफरीदी ने कहा, 'ये सही है कि विराट और रोहित भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ हैं। जिस प्रकार उन्होंने वापसी करते हुए एकदिवसीय सीरीज खेली है। उससे ये तय है कि उनमें 2027 विश्वकप तक खेलने की क्षमता है। टीम प्रबंधन को इन दोनों खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए संभालकर रखना चाहिये।'

अफरीदी ने रोहित की तारीफ भी की, जिन्होंने एकदिवसीय में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का उनका रिकॉर्ड तोड़ा है। अफरीदी ने कहा, 'रिकॉर्ड्स टूटने के लिए ही होते हैं और अब ये रिकॉर्ड भी टूट गया है। मुझे खुशी है कि जिस खिलाड़ी को मैं हमेशा पसंद करता था, उसने ये रिकॉर्ड तोड़ा है। अफरीदी ने कहा, 'गंभीर ने जिस तरह से अपनी कोचिंग की शुरुआत की, ऐसा लगा कि उन्हें लगता है कि जो वे सोचते और कहते हैं वही सही है, लेकिन कुछ समय बाद साबित हो गया कि आप हमेशा सही नहीं होते।'

भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है, विश्व कप की जीत पर बोलीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने बताया कि उन्हें क्रिकेट से बढ़कर कुछ भी प्यारा नहीं है। 29 वर्षीय इस स्टार क्रिकेटर ने भारत के साथ आईसीसी महिला वनडे विश्व कप जीतने के अपने अनुभव के बारे में भी खुलकर बात की। भारतीय महिला टीम ने 2 नवंबर को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला वनडे विश्व कप खिताब जीता।

मंधाना ने अमेजन संभव समिट में कहा कि मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट से बढ़कर मुझे कुछ और प्यारा है। भारतीय जर्सी पहनना ही हमें प्रेरित करता है। आप अपनी सारी परेशानियां भूल जाते हैं, और यही सोच आपको जीवन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है। बचपन से ही बल्लेबाजी का जुनून मुझमें था। कोई इसे समझ नहीं पाया, लेकिन मेरे मन में हमेशा से विश्व चैंपियन बनने का सपना था। भारतीय उप-कप्तान ने कहा, +विश्व कप जीत वर्षों के संघर्ष का फल है। हम इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। मैं 12 साल से अधिक समय से क्रिकेट खेल रही हूं और कई बार हालात हमारे पक्ष में नहीं रहे। फाइनल से पहले हमने इसकी कल्पना की थी, और जब आखिरकार हमने इसे स्क्रीन पर देखा, तो हमारे रोंगटे खड़े हो गए। यह हम सभी के लिए एक खास पल था।+

इससे पहले, रविवार को मंधाना ने पुष्टि की कि संगीतकार पलाश मुच्छल से उनकी शादी रद्द हो गई है, जिससे हफ्तों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया। यह घोषणा उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक सार्वजनिक पोस्ट में की, जिसमें भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप-कप्तान ने कहा कि पिछले महीने समारोह के अचानक स्थगित होने के बाद फैल रही अफवाहों पर उन्हें जवाब देना जरूरी लगा। मंधाना ने दोनों परिवारों के लिए निजता बनाए रखने का अनुरोध किया है।

मंधाना ने अपने पोस्ट में लिखा कि पिछले कुछ हफ्तों से मेरे जीवन को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं और मुझे लगता है कि इस समय मेरे लिए इस बारे में बोलना जरूरी है। मैं बहुत ही निजी व्यक्ति हूं और मैं इसे इसी तरह रखना चाहती हूं, लेकिन मुझे यह स्पष्ट करना है कि शादी रद्द हो गई है। मैं इस मामले को यहीं समाप्त करना चाहती हूं और आप सभी से भी ऐसा ही करने का अनुरोध करती हूं। मैं आप सभी से निजता का सम्मान करने का अनुरोध करती हूं और हमें अपने हिसाब से आगे बढ़ने और इस पर विचार करने का समय देने की अपील करती हूं।

संक्षिप्त समाचार

नाइजीरिया में आर्मी ने की प्रदर्शनकारी महिलाओं पर फायरिंग, 9 की मौत

अबुजा, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया के अदामावा राज्य में विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर सेना के जवानों ने गोलियां चलाई, जिसमें कम से कम 9 महिलाओं की मौत हो गई। यह आरोप प्रदर्शनकारियों और पीड़ित परिवारों ने लगाया है। घटना सोमवार को लामुर्दे इलाके में हुई। गवाहों और पीड़ितों के परिजनों के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार, महिलाएं स्थानीय समुदायों के बीच चल रहे हिंसक झड़पों और सेना की कथित लापरवाही के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थीं। इसी दौरान सेना के जवानों ने रास्ता रोके जाने पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में 10 अन्य लोग घायल हुए हैं। हालांकि नाइजीरियन आर्मी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों की मौत सेना की गोली से नहीं, बल्कि स्थानीय सशस्त्र समूहों (मिलिशिया) की कार्रवाई में हुई है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने गवाहों और पीड़ित परिजनों के बयान के आधार पर दावा किया है कि फायरिंग सेना ने की। एमनेस्टी नाइजीरिया के निदेशक ईसा सनुसी ने कहा कि यह घटना दिखाती है कि सेना के मानवाधिकार उल्लंघन का रवैया अब भी नहीं बदला है। अदामावा में हाल के महीनों में बावामा और चोबो समुदायों के बीच जमीन को लेकर लगातार झड़पें हो रही हैं। इसी के चलते इलाके में कर्फ्यू लगाया गया है। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि सुरक्षा बल कर्फ्यू लागू कराने में नाकाम है, जिससे हिंसा थम नहीं रही है। एक पीड़ित पिता ने बताया, 'सैनिक संघर्ष वाले इलाके से लौट रहे थे और रास्ते में महिलाओं को देख अचानक एक जवान ने हवा में गोली चलाई, फिर बाकी सैनिकों ने सीधा फायर कर दिया।' नाइजीरिया में सुरक्षा बलों पर इस प्रकार की कार्रवाइयों के आरोप पहले भी लगे हैं। 2020 में लागोस में पुलिस अत्याचार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भी सेना पर गोलीबारी और 'हत्याकांड' के आरोप लगे थे। एमनेस्टी ने इस घटना की स्वतंत्र जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया है। काठमांडू में अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को चीन की सीमा से लगे नेपाल के कालापानी क्षेत्र में 4.3 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी प्रकार के नुकसान या हताहत की कोई सूचना नहीं मिली है। वहीं राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, सुदूर पश्चिम प्रांत के दार्चुला जिले के उत्तर में स्थित कालापानी में भूकंप के झटके रात 9:24 बजे दर्ज किए गए। सोमवार को इसी प्रांत के बाजुरा जिले के मार्टाडी में शाम 6:58 बजे 3.6 तीव्रता का भूकंप आया था।

क्यूबा के पूर्व मंत्री फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद

हवाना, एजेंसी। क्यूबा के सुप्रीम पॉपुलर ट्रिब्यूनल ने पूर्व अर्थव्यवस्था मंत्री अलेजांद्रो गिल फर्नांडीज को जासूसी के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई है। एक अलग मामले में उन्हें रिश्वत, फर्जी दस्तावेज और टैक्स चोरी के लिए 20 साल और मिले। 2018-2024 तक मंत्री रहे गिल राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कनेल के बेहद करीबी थे, लेकिन हटाए जाने के बाद उन पर गंभीर गलतियों का आरोप लगा। अदालत ने जासूसी के विवरण नहीं बताए।

नेपाल : एयरपोर्ट घोटाले में पूर्व मंत्रियों समेत 55 पर केस

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के निर्माण में भारी गड़बड़ी के आरोप में पूर्व मंत्रियों समेत 55 लोगों और एक चीनी निर्माण कंपनी पर मामला दर्ज किया है। आयोग के अनुसार, 2012 में तय बोली 169.6 मिलियन डॉलर (करीब 15 अरब 24 करोड़ भारतीय रुपया) थी, लेकिन अधिकारियों ने चीनी कंपनी की मिलीभगत से इसे बढ़ाकर करीब 21 अरब 92 करोड़ रुपया कर दिया, यानी 7.4 करोड़ डॉलर से ज्यादा की अनियमितता। यह मामला काठमांडो की विशेष अदालत में दाखिल किया गया।

अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अप्रवासी बच्चों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। अमेरिकी इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (आईसीई) ने कोर्ट में दायर एक दस्तावेज में माना है कि इस साल अगस्त-सितंबर के दौरान करीब 400 बच्चों को 20 दिन की कानूनी सीमा से अधिक समय तक हिरासत में रखा गया। यह खुलासा उन वकीलों ने किया जो 1985 से चल रहे मामले की निगरानी कर रहे हैं। इसी मुकदमे से 1990 के दशक में फ्लोरेस सेटलमेंट एग्रीमेंट बना, जो बच्चों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सीमित अवधि की हिरासत अनिवार्य करता है। वकीलों ने अदालत को बताया कि कई केंद्रों में अस्वच्छ हालात, चिकित्सा सेवा में देरी और होटल कमरों में तय सीमा से अधिक समय तक बच्चों को रखने की शिकायतें मिलीं।

जेलेंस्की से मुलाकात के बाद ईसाई धर्मगुरु के निशाने पर आए ट्रंप!

रोम, एजेंसी। ईसाई धर्मगुरु पोप लियो 14वें ने मंगलवार को अमेरिका के ट्रंप प्रशासन की ओर से लंबे समय से चले आ रहे अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन को तोड़ने की कोशिश की आलोचना की। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी के सर्वोच्च धर्मगुरु की ओर से इस तरह की खुली आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका माना जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं को कमजोर होने के साथ यूक्रेन को मिलने वाले अमेरिकी समर्थन को कम करने का भी संकेत दिया था। इस मुद्दे पर पोप लियो 14वें ने अप्रत्यक्ष रूप से जोर देकर कहा कि यूक्रेन शांति समझौते में यूरोप की भूमिका होनी चाहिए।

पोप लियो का कोव दौरा यूरोपीय समर्थन जुटाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात के बाद पत्रकारों से युद्धविराम की जरूरत और रूसी अधिकारियों की ओर से पकड़े गए यूक्रेनी बच्चों की वापसी में मदद के लिए वेटिकन की कोशिशों पर चर्चा की।

ईसाई धर्मगुरु से अमेरिकी शांति प्रस्ताव और इस प्रक्रिया में यूरोपीय शक्तियों को दरकिनार किए जाने के बारे में पूछा गया। इस पर उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में यूरोप की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, 'यूरोप को वार्ता में शामिल किए बिना शांति समझौते की कोशिश करना अवास्तविक है, क्योंकि युद्ध यूरोप में चल रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'आज और भविष्य में सुरक्षा की गारंटी भी मांगी जा रही है। यूरोप को इसका हिस्सा होना चाहिए, और दुर्भाग्य से हर कोई इसे नहीं समझता, लेकिन मुझे लगता है कि यूरोपीय नेताओं के लिए एकजुट होकर हल तलाशने का यह एक बेहतरीन मौका है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय साझेदारों के साथ शांति समझौते के तीन दस्तावेजों पर चर्चा की जा रही है, 20 बिंदुओं का एक रूपरेखा दस्तावेज, सुरक्षा गारंटी वाला दूसरा दस्तावेज और यूक्रेन को फिर से उठ खड़ा करने के बारे में तीसरा दस्तावेज।

बीते हफ्ते में ट्रंप प्रशासन ने अपनी अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति जारी की थी, जिसमें अमेरिका-यूरोपीय गठबंधन पर सवाल उठाए गए हैं और अमेरिका-रूस संबंधों को बेहतर बनाने की इच्छा पर जोर दिया गया है। लियो ने कहा कि उन्होंने जो पढ़ा है, वह 'यूरोप और अमेरिका के बीच कई वर्षों से चले आ रहे एक सच्चे गठबंधन में एक बड़ा बदलाव लाएगा।' इसके अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कुछ टिप्पणियों से ऐसा लगता है कि 'आज और भविष्य में जिस गठबंधन की जरूरत है, उसे तोड़ने की कोशिश की जा रही है।'

उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में कुछ लोग इस कोशिश से सहमत हो सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि कई अन्य लोग चीजों को अलग तरीके से देखेंगे। पोप लियो अब तक जेलेंस्की से तीन बार मिल चुके हैं और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कम से कम एक बार टेलीफोन पर बात कर चुके हैं।

चीन की चाल: नेपाल को खोखला कर रहा ड्रैगन? पोखरा एयरपोर्ट घोटाले में रंगे मिले 'अपनों' के हाथ; जांच शुरू

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में चीन के बढ़ते प्रभाव को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। कारण है कि नेपाल के भ्रष्टाचार जांच आयोग ने पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट निर्माण में 55 नेपाली अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर 74 मिलियन डॉलर की गड़बड़ी का आरोप लगाया है। इसके साथ ही इन 55 अधिकारियों और चीनी कंपनी सीएएमसी पर मामला भी दर्ज किया है। माना जा रहा है कि यह नेपाल में अब तक का सबसे बड़ा भ्रष्टाचार का मामला है। आयोग के अनुसार, सरकार और चीनी कंपनी ने निर्माण खर्च में गड़बड़ी करके 74 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक की रकम बढ़ा दी। इसके तहत 2012 में जो बिडिंग तय हुई थी, वह 169.6 मिलियन डॉलर थी, लेकिन इसे बढ़ाकर 244 मिलियन डॉलर कर दिया गया। पोखरा एयरपोर्ट और चीन का संबंध, समझिए नेपाल के पोखरा एयरपोर्ट में चीन की भूमिका को ऐसे समझा जा सकता है कि पोखरा एयरपोर्ट चीन के एक्जिम बैंक के लोन पर बनाया गया था। यह शहर नेपाल के प्रमुख पर्यटन स्थलों और ट्रैकिंग रूट्स की शुरुआत का गेट है, लेकिन 2023 में संचालन शुरू होने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को आकर्षित नहीं कर सका।

राजमार्ग पर आपात लैंडिंग के दौरान कार से टकराया विमान, पायलट और यात्री सुरक्षित, महिला चालक घायल

ऑरलैंडो (फ्लोरिडा), एजेंसी। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो के पास सोमवार शाम को एक छोटे विमान ने अंतरराज्य राजमार्ग-95 (आई-95) पर आपातकालीन लैंडिंग की। इस दौरान विमान कार से टकरा गया और दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ।

ब्रेवर्ड काउंटी दमकल और बचाव सेवा के मुताबिक, विमान आई-95 राजमार्ग पर मील चिह्न 201 के पास दक्षिण दिशा में आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह एक कार से टकरा गा और दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

फॉक्स 13 न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, विमान में दो लोग सवार थे। इनमें एक 27 वर्षीय पायलट और 27 वर्षीय यात्री शामिल थे। विमान फिक्स्ड विंग मल्टी-इंजन बीचक्राफ्ट 55 बताया जा रहा है। फ्लोरिडा राजमार्ग पुलिस के मुताबिक, पायलट और यात्री दोनों सुरक्षित रहे और उन्हें किसी तरह की चोट नहीं आई। रिपोर्ट के मुताबिक, विमान टोयोटा कैमरी कार से टकराया, जिसे एक 57 वर्षीय महिला चला रही थी। इस टक्कर में वह घायल हुई और उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला को भी हल्की चोटें आई हैं।

अमेरिका की विमानन निगरानी संस्था संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने बताया कि पायलट ने विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले इंजन में समस्याओं की सूचना दी थी। इस घटना की जांच राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) कर रहा है। एनटीएसबी ने बताया कि विमान मेरिट आईलैंड से एक प्रशिक्षण उड़ान पर उड़ा था, लेकिन उड़ान के कुछ समय बाद दोनों इंजनों में शक्ति चली गई। पायलट को विमान को नजदीकी राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें विमान को कार से टकराते देखा जा सकता है।

इंडोनेशिया के जकार्ता में सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में लगी भीषण आग, 20 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के केमायोरन इलाके में मंगलवार दोपहर एक सात मंजिला ऑफिस बिल्डिंग में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के अंदर फंसे होने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार आग पर काबू पा लिया गया है और इमारत के अंदर राहत व खोजबीन अभियान जारी है। इस जानकारी की पुष्टि सेंट्रल जकार्ता पुलिस प्रमुख सुसात्यो पुरनोमो कोंड्रो ने की।

आग पहली मंजिल से ऊपर की मंजिलों तक फैल गई : कोंड्रो के अनुसार आग दोपहर के समय इमारत की पहली मंजिल पर लगी और धीरे-धीरे ऊपर की मंजिलों तक फैल गई। जिस समय आग लगी, कई कर्मचारी लंच कर रहे थे, जबकि कुछ ऑफिस से बाहर जा चुके थे।

आग के कारणों की जांच जारी : जकार्ता डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी के प्रमुख इस्नावा अदजी ने बताया कि आग के कारणों की जांच जारी है और नुकसान के आकलन पर काम हो रहा है। उनके मुताबिक आग कैसे लगी, यह अब भी जांच का विषय है। अधिकारियों ने आग बुझाने के लिए 28 फायर ट्रक और 101 कर्मियों को तैनात किया था। मृतकों और घायलों को पहचान और इलाज के लिए पूर्वी जकार्ता के क्रामत जाति पुलिस हॉस्पिटल ले जाया गया। यह इमारत टेरा ड्रोन इंडोनेशिया का मुख्यालय है, जो खनन, कृषि समेत कई क्षेत्रों में ग्राहकों को हवाई सर्वे ड्रोन सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी है। अधिकारियों का कहना है कि राहत कार्य पूरा होने तक इमारत को पूरी तरह सील रखा जाएगा।

इमरान की बहनों ने अडियाला जेल के बाहर डाला डेरा

क्या बड़ी साजिश रच रही है शरीफ सरकार!

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल से रिहाई को लेकर उनकी बहनों ने एक बार फिर अडियाला जेल के बाहर डेरा डाल दिया। पूर्व प्रधानमंत्री की बहनों ने मंगलवार को सैकड़ों समर्थकों के साथ जेल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया है। इस दौरान उन्होंने हिरासत में इमरान खान की सेहत और सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता जताई है। दूसरी तरह शहबाज शरीफ की सरकार इमरान खान की रिहाई को और मुश्किल बनाने की तैयारी में है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान में इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाया जा सकता है।

इससे पहले मंगलवार को इमरान की दोनों बहनें, उज्मा खान और अलीमा खान जेल के गेट के पास प्रदर्शन किया। इस दौरान समर्थकों ने 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है', 'आजादी आजादी' जैसे नारे भी लगाए। इस मौके पर जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। बता दें कि इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताओं और उनकी मौत के बाद पिछले सप्ताह उनकी बहन उज्मा को पूर्व प्रधानमंत्री से मिलने की इजाजत मिली थी।

खान की बहन डॉ. उज्मा खान ने जेल में अपने भाई से मुलाकात करने के बाद कहा कि उनका स्वास्थ्य पूरी तरह से ठीक है लेकिन उन्हें मानसिक यातना दी जा रही है। वहीं उज्मा की मुलाकात के बाद पीटीआई ने एक बयान में कहा था कि इमरान खान को खान को दिन के अधिकतर समय जेल की कोठरी में ही रखा जाता है और केवल थोड़ी देर के लिए बाहर जाने की अनुमति दी जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इमरान खान को किसी से बात करने की अनुमति भी नहीं है। इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं।

क्या साजिश रच रही शहबाज सरकार : इससे बीच न्यूज 18 ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि पाकिस्तान का राजनीतिक तबका पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ देशद्रोह का मामला चलाने और उनकी पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पर प्रतिबंध लगाने पर की तैयारी में है।

सूत्रों का दावा है कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की आसिम मुनीर के इशारों पर सरकार कई तरह के और प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रही है। सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों ने कहा है कि इमरान खान का राजनीतिक विरोध और देश के संस्थानों के साथ टकराव पाकिस्तान को एक खतरनाक स्थिति में डाल सकता है।

मेहुल चोकसी की अपील बेल्जियम के सुप्रीम कोर्ट में भी खारिज, जल्द होगा भारत प्रत्यर्पण?

ब्रसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम की सर्वोच्च अदालत 'कोर्ट ऑफ कैसेशन' ने भगोड़े हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के खिलाफ दायर अपील को खारिज कर दिया है। यह फैसला भारत के पक्ष में गया है और अब चोकसी के प्रत्यर्पण की औपचारिक प्रक्रिया बेल्जियम में आगे बढ़ सकती है। इस मामले से जुड़े अधिकारियों ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की।

ब्रसेल्स में हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने एंटवर्प कोर्ट ऑफ अपील के 17 अक्टूबर के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने साफ कहा कि चोकसी की यह दलील निराधार है कि भारत भेजे जाने पर उसे यातना का जोखिम है। ब्रसेल्स के महाधिवक्ता हेनरी वेंडरलिंडेन ने ईमेल के जरिए बताया- सर्वोच्च अदालत ने चोकसी की अपील खारिज कर दी है। इसलिए निचली अदालत का फैसला ही प्रभावी रहेगा।

मेहुल चोकसी ने पंजाब नेशनल बैंक में 13000 करोड़ रुपये के कथित घोटाले के मामले में भारत प्रत्यर्पण को चुनौती दी थी। एंटवर्प की अपीली अदालत ने चोकसी के प्रत्यर्पण के भारत के अनुरोध को लागू-योग्य बताते हुए बरकरार रखा था। एंटवर्प में अपीली अदालत के चार सदस्यीय अभियोग कक्ष को 29 नवंबर, 2024 को जिला अदालत के 'प्री-ट्रायल चैंबर' द्वारा जारी आदेशों में कोई खामी नहीं मिली। जिला अदालत ने मई 2018 और जून 2021 में मुंबई की विशेष अदालत द्वारा जारी गिरफ्तारी वारंट को लागू-योग्य बताया था और चोकसी के प्रत्यर्पण की अनुमति दी थी।

उसके अपहरण के दावे का कोई ठोस सबूत नहीं है : चोकसी ने दावा किया था कि 2021 में एंटीगुआ और बारबूडा में उसका अपहरण भारत की मदद से कराया गया था। अदालत ने कहा कि इंटरपोल की सीसीएफ रिपोर्ट भी इस दावे की पुष्टि नहीं करती और बहुत सतर्क शब्दों में लिखी गई है। अपीली अदालत ने अपने फैसले में कहा था कि 13,000 करोड़ रुपये के पीएनबी घोटाले के मुख्य आरोपी मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने पर निष्पक्ष सुनवाई से वंचित किए जाने या किसी प्रकार के दुर्व्यवहार का कोई जोखिम नहीं है।

900 करोड़ के बंगले में शिफ्ट होंगे न्यूयार्क के मेयर जोहरान ममदानी

न्यूयार्क, एजेंसी। पिछले महीने अमेरिका के सबसे बड़े शहर के मेयर पद के चुनाव को जीतकर इतिहास रचने वाले जोहरान ममदानी एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। इस बार इसकी वजह उनका नया ऐलान है। दरअसल न्यूयॉर्क के निर्वाचित मेयर ममदानी ने हाल ही में यह घोषणा की है कि वे 1 जनवरी को पद संभालने के बाद मैनहट्टन में स्थित मेयर आवास में शिफ्ट होने जा रहे हैं। अपने चुनाव अभियान में अफोर्डेबिलिटी के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने वाले ममदानी के इस 100 मिलियन डॉलर वाले बंगले में शिफ्ट होने के फैसले को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

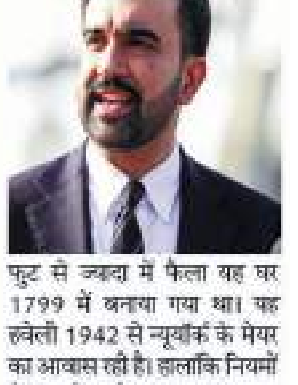

जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि वह और उनकी पत्नी मैनहट्टन के मेयर रेजिडेंस में जाने के लिए तैयार हैं। ममदानी ने कहा है कि उन्होंने परिवार की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने लिखा, 'मेरी पत्नी रमा और मैंने जनवरी में ग्रेसी मेंशन में जाने का फैसला किया है। यह फैसला हमारे परिवार की सुरक्षा और न्यूयॉर्क के लोगों ने जिस किफायती आवास के एजेंडे के लिए वोट दिया था, उस पर अपना पूरा ध्यान देने के महत्व को देखते हुए लिया गया है।'

10,000 वर्ग फुट में फैला है मेंशन : ग्रेसी मेंशन शहर के पॉश अपर ईस्ट साइड में स्थित है। ईस्ट रिवर के किनारे 10,000 वर्ग फुट से ज्यादा में फैला यह घर 1799 में बनाया गया था। यह हवेली 1942 से न्यूयॉर्क के मेयर का आवास रही है। हालांकि नियमों के मुताबिक मेयर का वहां रहना जरूरी नहीं है। इसके बाद यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या 34 साल के ममदानी, जिन्होंने किफायती आवास जैसी समस्याओं पर चुनाव प्रचार किया था, अपना साधारण दो-बेडरूम वाला घर छोड़ कर इस विला में शिफ्ट होंगे।

झेल चुके हैं आलोचना : इससे पहले ममदानी को इस बात के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है कि वह शुरू से ही सब्सिडी वाले आवास में रह रहे थे। इस घर के लिए वह हर महीने 2,300 डॉलर का किराया दे रहे थे, जो शहर के मानकों के हिसाब से कम माना जाता है। विरोधियों का तर्क था कि न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली के सदस्य के रूप में उनकी सैलरी और उनकी पत्नी की आय को देखा जाए तो वे किराए की सब्सिडी के बिना भी गुजारा कर सकते थे।

यूरोप का समर्थन जुटाने पर जेलेंस्की का जोर, रूस को क्षेत्र सौंपने से इनकार किया

कीव, एजेंसी। रूस के साथ समझौते के लिए बढ़ते अमेरिकी दबाव के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने किसी भी क्षेत्र को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। यूक्रेन के लिए यूरोपीय समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे जेलेंस्की ने कहा, ''निस्संदेह, रूस इस बात पर जोर दे रहा है कि हम अपने क्षेत्र उसे सौंप दें। जाहिर है, हम कुछ भी नहीं छोड़ना चाहते। हम इसी के लिए लड़ रहे हैं। जेलेंस्की ने सोमवार देर रात व्हाट्सएप पर संवाद में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''क्या हम कोई क्षेत्र छोड़ने पर विचार कर रहे हैं? कानून के अनुसार, हमारे पास ऐसा कोई अधिकार नहीं है। यूक्रेन के कानून, हमारे संविधान, अंतरराष्ट्रीय कानून और, सच कहूं तो, हमारे पास नैतिक अधिकार भी नहीं है।'' वहीं, 'पोलिटिको' के साथ एक साक्षात्कार में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की पर अमेरिका के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए दबाव डाला कि यूक्रेन रूस को अपना क्षेत्र सौंप दे। जेलेंस्की ने मंगलवार को रोम के बाहर स्थित पोप निवास, कास्टेल गंडोल्फो में पोप लियो 14वें से मुलाकात की। वह इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी से भी बातचीत करेंगे। वेटिकन ने कहा कि पोप ने ''बातचीत जारी रखने की आवश्यकता दोहराई और वर्तमान राजनयिक पहल से न्यायपूर्ण एवं स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई। सोमवार को, जेलेंस्की ने लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टारमर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के साथ बातचीत की। अमेरिकी और यूक्रेनी वार्ताकारों ने शनिवार को तीन दिन की वार्ता पूरी कर ली, जिसका उद्देश्य अमेरिकी प्रशासन के शांति प्रस्ताव पर मतभेदों को दूर करना था। इस योजना में एक प्रमुख अड़चन यह सुझाव है कि यूक्रेन को डोनबास क्षेत्र का

नियंत्रण रूस को सौंपना होगा। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने क्षेत्र सौंपने के विचार का कड़ा विरोध किया है। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने कल रात देश भर में विभिन्न प्रकार के 110 ड्रोन दागे। अधिकारियों ने बताया कि वायु रक्षा प्रणाली ने 84 ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया। पूर्व के हमलों के कारण कई जगहों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रूस के विभिन्न क्षेत्रों और क्रीमिया में 121 यूक्रेनी ड्रोन को नष्ट कर दिया।

लिथुआनिया ने बेलारूस से आए गुब्बारों पर राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया

विनियस, एजेंसी। लिथुआनिया की सरकार ने मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया। वजह हैं हाल के हफ्तों में बेलारूस से उड़कर आए मौसम संबंधी गुब्बारे, जिन्हें लिथुआनिया अपनी हवाई सीमा का उल्लंघन और सुरक्षा खतरा मान रहा है। इन गुब्बारों की वजह से लिथुआनिया को बार-बार अपना मुख्य हवाई अड्डा बंद करना पड़ा, जिससे हजारों यात्री फंस गए। यूरोप पहले ही यूक्रेन युद्ध के दौरान नाटो देशों की हवाई सीमा में हुई घुसपैठ को लेकर अलर्ट पर है। प्रधानमंत्री इंगा रुगीनीएने ने कहा बेलारूस की इस हाइब्रिड हमले की रणनीति से निपटने के लिए हमें सख्त कदम उठाने होंगे।

राज्यसभा में चर्चा के दौरान नेहरू को लेकर आपस में भिड़ गए जेपी नड्डा और मल्लिकार्जुन खरगे

नड्डा का आरोप, कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटाए

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान जवाहरलाल नेहरू पर की गई टिप्पणी के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा कि क्या चर्चा का विषय वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ है या फिर नेहरू हैं। खरगे ने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि यह बहस वंदे मातरम को लेकर है या पंडित जवाहरलाल नेहरू को लेकर। यहां जो कुछ भी कहा जा रहा है, वह विकृत है और सच नहीं है।

यह सवाल दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस में बदल गया, जब केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा भारत की संस्कृति से समझौता किया है। राज्यसभा में सदन के नेता ने कहा कि मैं सिर्फ वंदे मातरम की बात कर रहा हूं। अगर नेहरू से जुड़ी बातें उन्हें अच्छी नहीं लगतीं, तब मैं क्या कर सकता हूं? समस्या यह है कि शुरू से ही आप लोगों ने भारत की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों से समझौता किया है...दुर्गा, सरस्वती, भारत माता और शक्ति इस देश के सभी लोगों के लिए हैं, और सभी को उसमें आस्था है।

इन टिप्पणियों के चलते राज्यसभा में हंगामा शुरू हो गया और स्थिति को शांत करने के लिए अध्यक्ष उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को हस्तक्षेप करना पड़ा। नड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार पूर्व प्रधानमंत्री नेहरू की छवि को धूमिल नहीं करना चाहती और उसका एकमात्र उद्देश्य ऐतिहासिक तथ्यों को सही करना है। उन्होंने कहा, वंदे मातरम को वह सम्मान नहीं मिला जिसके वह हकदार थे... उस समय सत्ता में रहे लोग (सरकार) इस स्थिति के लिए जिम्मेदार थे।

नड्डा ने कहा कि पहले आपने मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम के श्लोक हटा दिए। जून 1947 में आपने भारत को खंडित स्वतंत्रता दी और जिन्ना के सपनों को पूरा साकार कर दिया। उसके बाद आपने पाकिस्तान की गुरिल्ला सेनाओं के सामने पीओके समर्पित किया, खंडित कश्मीर पर कब्जा कर लिया और फिर अनुच्छेद 370 लागू कर दिया... देश समझौतों से नहीं चलता-यही हमारी विचारधारा है।

जापान से लौटकर सीएम मान बोले- 500 करोड़ में सीएम की कुर्सी मिलेगी तो सेवा नहीं उगाही होगी

चंडीगढ़। जापान दौरे से लौटे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा है कि अगर पंजाब में मुख्यमंत्री की कुर्सी 500 करोड़ में मिल रही है तो पहले सीएम 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, वो सेवा थोड़ी न करेगा। उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नवजोत कौर सिद्धू के 500 करोड़ में कुर्सी वाले बयान पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि इन लोगों ने पंजाब का टेंडर लगा दिया है। मंडियों में फसलों की तरह दाम बता रहे हैं। यह एमएलए, एमपी, सीएम के रेट बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर किसी ने 500 करोड़ देकर कुर्सी ली है तो वह पहले 500 करोड़ इकट्ठा करेगा, सेवा नहीं। गौरतलब है कि नवजोत कौर सिद्धू लगातार कांग्रेस नेताओं के खिलाफ खुलेआम बयानबाजी करती नजर आ रही थीं। इसी कारण पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वड़िंग ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया था। अब यह पूरा मामला कांग्रेस हाईकमान तक पहुंच चुका है। बताया जा रहा है कि संसद सत्र के बाद पंजाब कांग्रेस को लेकर दिल्ली में हाईकमान की ओर से बैठक बुलाई जा सकती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान जापान दौरे से पंजाब लौट आए हैं। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की और मीडिया के साथ अपने विदेश दौरे की जानकारी शेयर की। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अपने दौरे के दौरान कई विदेशी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिले। उन्होंने कहा कि इन मीटिंग्स का मुख्य मकसद पंजाब का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलप करना, स्किल्स बढ़ाना और इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स के लिए सहयोग के मौके तलाशना था।

सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा को लेकर खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नईदिल्ली(एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। इस याचिका पर गुरुवार को न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा सुनवाई करेंगे। सलमान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कई सोशल मीडिया मंचों और ई-कॉमर्स वेबसाइट को उनके नाम, छवियों और व्यक्तित्व के

अनधिकृत इस्तेमाल से रोकने और उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करने का अनुरोध किया है। हाल ही में अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, जया बच्चन, ऋतिक रोशन और अजय देवगन, फिल्म निर्माता करण जौहर, गायक कुमार सानू, तेलुगु अभिनेता अक्किनेनी नागार्जुन, आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी और पॉडकास्टर राज शमानी ने भी अपने व्यक्तित्व एवं प्रचार अधिकारों की सुरक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। शीर्ष अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत भी प्रदान की थी। तेलुगु अभिनेता एनटीआर जूनियर ने भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। हालांकि, उच्च न्यायालय ने अभी तक उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित नहीं किया है।

कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर एमएलसी ने सिरे से खारिज किया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही आंतरिक कलह की अटकलों को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे, एमएलसी यतींद्र सिद्धारमैया ने सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि पार्टी में नेतृत्व को लेकर कोई अस्पष्टता या खींचतान नहीं है और सब कुछ स्पष्ट है। उन्होंने बताया कि पार्टी हाई कमांड ने स्पष्ट रूप से कह दिया है कि फिलहाल राज्य के नेतृत्व में कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा है कि वह और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार दोनों दिल्ली स्थित कांग्रेस हाई कमांड के किसी भी फैसले का पालन करने वाले हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री पद को लेकर चल रहे आंतरिक संघर्ष पर कहा कि वह पार्टी को शर्मिंदा या कमजोर नहीं करना चाहते और उन्हें अंतरात्मा के अनुसार काम करना चाहिए। डीके शिवकुमार का विधायकों (मंत्री एचसी महादेवप्पा और सतीश जारकीहोली सहित) के साथ लगातार बैठकें करना नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अनिश्चितता को बरकरार रखे हुए है। सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों ने दो बार नाश्ते पर मुलाकात की है और पार्टी की एकता पर जोर दिया है। दोनों ही नेता पार्टी हाई कमांड के फैसले का पालन करने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व वाले उच्च कमान द्वारा इस मामले पर जल्द ही कोई स्पष्ट निर्णय लिए जाने की उम्मीद है।

आजम खान आठ साल पुराने मामले में बरी... सेना को लेकर दिया विवादित बयान

रामपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री आजम खान के खिलाफ सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने फैसला सुनाया। कोर्ट ने आरोप साबित न होने पर आजम को दोषमुक्त किया है। इस दौरान आजम वीडियो कान्फ्रेंस के द्वारा न्यायालय में उपस्थित रहे। आजम के अब तक 14 मुकदमे निस्तारित हो चुके हैं। इसमें सात में सजा मिली है, जबकि इतने ही मुकदमों में वे बरी हुए हैं। दरअसल सेना पर विवादित बयान का यह मुकदमा भाजपा विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जून 2017 को दर्ज कराया था। तब आजम खान सांसद थे। भाजपा विधायक का कहना था कि आजम सपा कार्यालय पर अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। वह केंद्र और प्रदेश सरकार के विरोध में बोल रहे थे। अचानक उन्होंने सेना के जवानों को लेकर आपत्तिजनक बयानबाजी कर दी। आजम खान के अधिवक्ता विनोद शर्मा ने बताया कि न्यायालय ने आरोप साबित नहीं होने पर दोषमुक्त कर दिया है।

महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो सहित अन्य एयर लाइंस की फ्लाइट्स का नियमित संचालन

अयोध्या (एजेंसी)। महर्षि वाल्मीकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इंडिगो एयरलाइंस की 5 फ्लाइट्स के साथ अन्य एयर लाइंस की 7 फ्लाइट्स का नियमित संचालन हो रहा है। बुधवार को केवल हैदराबाद की इंडिगो की उड़ान निरस्त की गई है। आगे के दिनों में इसका नियमित संचालन होगा। यह जानकारी एयरपोर्ट के डायरेक्टर वीरेन्द्र सिंह ने दी। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के सभी ऑपरेशन अब सुचारू रूप से संचालित हैं। यात्री सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार मॉनिटरिंग हो रही है। यात्रियों से उनके अनुभव और फीडबैक भी लिया गया, जिसमें अधिकांश यात्री एयरपोर्ट की सुविधाओं और सेवाओं से संतुष्ट दिखे। विशेष रूप से भोजन व्यवस्था की भी सराहना की गई। यात्रियों को समयानुसार स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि सभी वेंडर कंपनियों को निर्देश है कि वे सामानों की कीमत बढ़ाने से परहेज करें। पार्किंग फीस को भी उचित दर पर ही चार्ज कर यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखा जाए। निरस्त होने वाली उड़ानों के पैसेंजर्स को 4 दिन पहले ही सूचना दे दी गई थी जिससे यहां यात्रियों की भीड़ नहीं पहुंची। तीन एयर लाइंस के 16 काउंटर बाहरी हिस्से में खोल दिए गए हैं, जिससे वे रिफंड व अन्य समस्या का निपटारा आसानी से कर लें। एयरपोर्ट के डायरेक्टर सिंह ने बताया कि बुधवार को कुल 11 निर्धारित उड़ानों का संचालन होना था, जिसमें से एक उड़ान रद्द रही। रद्द उड़ान की सूचना यात्रियों को पूर्व में ही उपलब्ध करा दी गई थी, ताकि किसी यात्री को असुविधा न हो। एयरपोर्ट प्रशासन ने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यात्री सुविधाओं, सुरक्षा मानकों तथा भोजन जैसी आवश्यक सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती रहेगी। उन्होंने बताया कि अयोध्या एयरपोर्ट से 5 उड़ानें इंडिगो बाकी 7 में स्पाइस जेट, एयर इंडिया एक्सप्रेस, अलाएंस एयर और अकासा एयर की संचालित हो रही है।

रोहिणी आचार्य ने पोस्ट में लिखी ऐसी बात... लालू और राबड़ी देवी को जरूर चुभेगी

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और अपने परिवार (लालू फैमिली) से नाता तोड़ चुकीं रोहिणी आचार्य ने एक ऐसा पोस्ट कर दिया, जो उनके माता-पिता (लालू और राबड़ी देवी) को जरूर चुभेगा। रोहिणी आचार्य ने एक ओर नीतीश सरकार को आड़े हाथों लिया, दूसरी ओर मायके में उनके साथ हुई कथित बदसलूकी पर भी चुभन वाली बात कही।

लालू यादव की छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा कि लड़कियों को 10,000 रुपये देना या साइकिलें बांटना, भले ही नेक इरादे से किया हो, लेकिन ये भारत में महिलाओं के सशक्तीकरण में बाधा डालने वाले व्यवस्थागत मुद्दों को हल करने के महेनतर अपर्याप्त है। उन्होंने लिखा कि बिहार में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता सामाजिक और राजनीतिक, दोनों क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन की आवश्यकता पैदा करती है।

रोहिणी ने लिखा कि प्रत्येक बेटी को आश्वासन के साथ बड़े होने का अधिकार है कि उसका मायका एक ऐसा सुरक्षित स्थान है, जहां वह बिना किसी डर, अपराधबोध, शर्म या किसी को कोई स्पष्टीकरण दिए बिना लौट सकती है। इस उपाय को लागू करना केवल एक प्रशासनिक दायित्व नहीं है, बल्कि अनगिनत महिलाओं को भविष्य में होने वाले शोषण और उत्पीड़न से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

बता दें कि राजद के विधानसभा चुनाव हारने के बाद से लालू परिवार में सबकुछ ठीक नहीं है। रोहिणी आचार्य ने आरोप लगाया था कि उनके साथ मायके में अच्छा व्यवहार नहीं किया। रोहिणी ने इतना तक कहा कि उनके चप्पल तक मारने की कोशिश की गई। इसके लिए, उन्होंने पूर्ण रूप से अपने भाई तेजस्वी यादव को जिम्मेदार ठहराया।

गोवा सरकार की मिलीभगत से थाइलैंड भाग गए लूथरा बंधु... आप सांसद संजय सिंह का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने लूथरा बंधुओं के भारत से भागने के मामले की गहन जांच की मांग की है। उन्होंने सीधे तौर पर भाजपा अधिकारियों की संलिप्तता का आरोप लगाया और कहा कि उनके समर्थन के बिना वे गोवा से नहीं भाग सकते थे। आप सांसद सिंह ने अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाकर आलोचना की कि 25 लोगों की दुखद मौत के बावजूद उन्हें भागने से नहीं रोका गया। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि जिन व्यक्तियों की लापरवाही से 25 लोगों की जान गई, वे इंडिगो का इस्तेमाल करके भारत से भाग गए, जबकि देश की जनता को उड़ानें उपलब्ध नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह अच्छा है कि वे पकड़े गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द वापस लाया जाए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

दरअसल 6 दिसंबर की देर रात बर्च बाय रोमियो लेन नाइटक्लब में भीषण आग लगी। इस घटना में 25 लोगों की जान चली गई, जिनमें 5 पर्यटक और 20 कर्मचारी शामिल थे। लूथरा बंधु, गौरव और सौरभ, इस नाइटक्लब (बर्च बाय रोमियो लेन) के मालिक हैं। एफआईआर के अनुसार, लूथरा बंधुओं ने उचित सुरक्षा सावधानियों का पालन किए बिना एक फायर शो का आयोजन किया और पर्याप्त अग्नि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए, जिससे यह दुखद घटना हुई। गोवा पुलिस ने 7 दिसंबर को एफआईआर संख्या 154/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 125, 125(ए), 125(बी), 287 और धारा 3(5) के तहत आपराधिक मामला दर्ज किया है। गौरव और सौरभ लूथरा अग्निकांड के अगले दिन सुबह ही थाईलैंड के फुकेत रिसॉर्ट शहर भाग गए थे। उन्हें थाईलैंड के फुकेत स्थित एक आव्रजन केंद्र में हिरासत में रखा गया है। यह हिरासत दिसंबर में जारी किए गए ब्लू कॉर्नर नोटिस के आधार पर सुनिश्चित की गई।

राजद को बड़ा झटका : नीतीश कुमार को हराने वाले इस पूर्व सांसद ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद राष्ट्रीय जनता दल में घमासान मचा हुआ है। हार की जिम्मेदारी कोई लेने को तैयार नहीं है और एक दूसरे पर ठीकरा फोड़ने के लिए सिर फुटव्वल जारी है। नतीजा ये है कि राजद के कई नेता घर बैठ गए हैं तो कुछ ने पार्टी को ही बाय-बाय कह दिया है। कभी लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पटकनी देने वाले राजद के दिग्गज नेता एवं पूर्व मंत्री विजय कृष्ण ने राजद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को एक भावुक पत्र भी लिखा है। अपने त्यागपत्र में विजय कृष्ण ने स्पष्ट किया कि वे अब दलगत राजनीति और सक्रिय सार्वजनिक जीवन से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने लिखा कि लंबे विचार-विमर्श के बाद उन्होंने राजनीतिक जीवन से पूरी तरह अलग होने का फैसला किया है और पार्टी से निवेदन किया कि उनका त्यागपत्र स्वीकार किया जाए। विजय कृष्ण की राजनीतिक पहचान 2004 के लोकसभा चुनाव में तब मजबूत हुई जब उन्होंने बाढ़ सीट से तत्कालीन रेलमंत्री नीतीश कुमार को 37 हजार से अधिक वोटों से मात दी थी। इससे पहले वे 1996, 1998 और 1999 में नीतीश कुमार से चुनाव हार चुके थे। 2004 में जीत के बाद वे बिहार सरकार में मंत्री भी बने। अपने राजनीतिक करियर में विजय कृष्ण ने कई बार दल बदले। 2009 में उन्होंने राजद छोड़कर जदयू का दामन थामा। 2010 में वे फिर से राजद में लौट आए। विधानसभा चुनाव में हार के बाद राजद पहले से ही आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में विजय कृष्ण जैसे वरिष्ठ नेता का पार्टी छोड़ना राजद के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है।

बीजेपी अध्यक्ष पद पर अटकलें तेज, फडणवीस बोले- 2029 में भी मोदी ही करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अगले राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है, लेकिन इसी बीच पार्टी नेतृत्व ने साफ संकेत दिए हैं कि 2029 का लोकसभा चुनाव भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से हाल ही में इस विषय पर प्रश्न पूछे गए, क्योंकि उन्हें अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में शामिल बताया जा रहा था। इसके साथ ही उनकी चर्चा पीएम मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में भी चल रही थी।

एक कार्यक्रम में फडणवीस से पूछा गया कि क्या वे पीएम मोदी के संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं। जवाब में उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस तरह की चर्चाओं की कोई आवश्यकता नहीं है। उनके अनुसार प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह स्वस्थ हैं और वे ही 2029 में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। फडणवीस ने कहा कि मोदी किसी 40 वर्ष के व्यक्ति से भी अधिक ऊर्जावान हैं, दिन में 17 घंटे से अधिक काम करते हैं और बैठकों के दौरान कभी थकान के संकेत नहीं दिखाते। उन्होंने कहा कि जब तक वह मानसिक और शारीरिक रूप से फिट हैं, तब तक नेतृत्व के लिए किसी और विकल्प पर विचार करने का कोई कारण नहीं है।

फडणवीस का यह बयान उस समय आया है जब कुछ राजनीतिक हलकों में सत्ता परिवर्तन या भविष्य के नेतृत्व को लेकर चर्चा हो रही थी। इसी क्रम में कांग्रेस नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने हाल में अमेरिका में सुर्खियां बनी 'एपस्टीन फाइल्स' का संदर्भ देते हुए दावा किया था कि इस मामले से जुड़े दस्तावेज सामने आने पर भारतीय राजनीति में बड़ा बदलाव संभव है और कोई मराठी नेता प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था कि इसका असर अगले महीने तक भी दिखाई दे सकता है।

उधर, बीजेपी अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। बीते हफ्तों में संभावित दावेदारों में फडणवीस का नाम भी लिया गया था, हालांकि उन्होंने स्वयं इसे लेकर कोई दावा नहीं किया। साथ ही पार्टी की ओर से भी इस बारे में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। चर्चाओं में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव और शिवराज सिंह चौहान के नाम भी शामिल रहे हैं फिलहाल पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले वर्षों में भी प्रधानमंत्री मोदी ही संगठन और चुनावी रणनीति के केंद्र में रहेंगे, जिससे नेतृत्व परिवर्तन की सभी अटकलों पर विराम लगता दिखाई दे रहा है।

कांग्रेस सांसद का मोदी सरकार पर तंज... मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने संसद में चुनावी सुधारों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के संबोधन की कड़ी आलोचना कर आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में एक दशक से अधिक समय बिताने के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पर ही अटकी हुई है। कांग्रेस सांसद शुक्ला ने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखती है। उन्होंने सवाल उठाया कि मोदी सरकार बीते 11 वर्षों की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने के बजाय इतिहास का सहारा क्यों लेती रहती है।

कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि भाजपा कब तक इतिहास की बात करेगी। वे हर बात में नेहरू को घसीटकर ले आते हैं। मुझे यकीन है कि वे नींद में भी नेहरू और गांधी के सपने देखते हैं। आप पिछले 11 वर्षों से सरकार में क्या कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री का भाषण बहस के दौरान विपक्ष द्वारा उठाए गए मुख्य मुद्दों को संबोधित करने में विफल रहा। शुक्ला की आलोचना का समर्थन कर कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने कहा कि सरकार चुनावी सुधारों पर चर्चा के दौरान अपेक्षित पारदर्शिता प्रदान करने में विफल रही है।

उन्होंने कहा कि जिस पारदर्शिता की उम्मीद थी, वह नहीं दिखी। हरियाणा में जो हुआ, उन्होंने उसके असली सवालों का जवाब नहीं दिया, बल्कि कांग्रेस पर आरोप लगाए। आज जो हो रहा है, उसका कोई जवाब नहीं मिला। बुधवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला जारी रखा, जिन्होंने लोकसभा में चुनाव सुधार पर बहस के दौरान कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की थी।

पीएम मोदी और शाह के साथ बैठक में बोले राहुल- सीआईसी और सीवीसी की सूची में एससी, एसटी और ओबीसी से कोई नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तीन सदस्यीय चयन समिति की बैठक में बुधवार को नए मुख्य सूचना आयुक्त, सूचना आयुक्तों और एक विजिलेंस कमिश्नर की नियुक्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक के दौरान राहुल गांधी ने चयन प्रक्रिया और उम्मीदवार सूची पर गंभीर आपत्तियां दर्ज कराईं।

सूत्रों के अनुसार, राहुल गांधी ने बताया कि शॉर्टलिस्ट की गई सूची में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों का प्रतिनिधित्व लगभग न के बराबर है। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई सप्ताह पहले सरकार से आवेदकों की जातीय संरचना का विवरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था, जो उन्हें बुधवार को उपलब्ध कराया गया। इस सूची के मुताबिक केवल सात प्रतिशत आवेदक ही पिछड़े समुदायों से थे और शॉर्टलिस्ट में केवल एक ही उम्मीदवार ऐसा था। राहुल ने इस असंतुलन को अस्वीकार्य बताया और बैठक में एक विस्तृत असहमति नोट सौंपा।

राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि सूचना के अधिकार कानून को लगातार कमजोर किया जा रहा है और शॉर्टलिस्ट किए गए कुछ उम्मीदवारों का पारदर्शिता का रिकॉर्ड संतोषजनक नहीं रहा है। उनका कहना था कि संवैधानिक और स्वायत्त संस्थाओं में नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान वंचित समूहों को व्यवस्थित रूप से बाहर रखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि उनकी आपत्ति के बाद उपलब्ध उम्मीदवारों में से योग्य नामों पर विचार करने को लेकर समिति में आंशिक सहमति बनी।

बैठक से एक दिन पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि चयन पैनल की बैठकों में विपक्ष की भूमिका औपचारिक भर रह गई है। उनके अनुसार, एक तरफ प्रधानमंत्री और गृह मंत्री होते हैं, दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष। मेरी आवाज वहां सुनी ही नहीं जाती। जो वे तय करते हैं, वही होता है। उन्होंने यह टिप्पणी उन नियुक्तियों के संदर्भ में की जिनकी प्रक्रिया सीआईसी और सीवीसी की तर्ज पर ही है।

मुख्य सूचना आयुक्त का पद 13 सितंबर से खाली है, जब तत्कालीन सीआईसी हीरालाल समारिया सेवानिवृत्त हुए। सूचना आयोग में अधिकतम दस आयुक्तों के पद हैं, लेकिन वर्तमान में सिर्फ दो ही कार्यरत हैं जबकि आठ पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। यह पहला मौका नहीं है जब विपक्ष ने सीआईसी की नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाए हों। 2023 में समारिया की नियुक्ति के समय भी विपक्षी सांसदों ने परामर्श की कमी का आरोप लगाया था। 2020 में पूर्व राजनयिक यशवर्धन कुमार सिन्हा और पत्रकार उदय माहूरकर की नियुक्तियों का भी विरोध किया गया था, लेकिन आपत्तियों के बावजूद दोनों नियुक्तियां कर दी गई थीं। स्थिति यह दर्शाती है कि नियुक्ति प्रक्रिया पर असहमति और प्रतिनिधित्व का सवाल लगातार बना हुआ है, जबकि महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं में पद लंबे समय से खाली पड़े हैं।